फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 173 प्रभात जयपुर, मंगलवार 23 जनवरी, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Constructing To Win A War!!

The aim was to establish Indian Administration in the area, from where foreign intrusion into our territory could be checked.

THE ART OF HABITS

Significance and Meaning of *Saffron* Colour The scientific reason behind *Indian saints* wearing *saffron* colour!

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प विकसित भारत

मोदी सरकार की गारंटी

दिव्यांगजनों का सम्मान

26 लाख दिव्यांगजनों को सामाजिक अधिकारिता शिविरों के तहत सहायक उपकरणों और यंत्रों का वितरण

भारत सरकार

CBC 22201/13/0198/2324

'यह भारतीय संस्कृति में अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है'

अयोध्या, 22 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव, परिपक्वता और समन्वय का प्रतीक बताते हुए आज कहा कि यह किसी 'आग' को नहीं, बल्कि 'ऊर्जा' को जन्म दे रहा है।

मोदी ने सोमवार को यहां नवनिर्मित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चिरप्रतीक्षित प्राण प्रतिष्ठा पर्व में पूजा अर्चना के बाद देश भर से आमंत्रित संत महात्माओं और समाज के विभिन्न क्षेत्रों

- **प्रधानमंत्री ने इस क्षण को परिपक्वता के बोध का क्षण बताया।**

के गणमान्य अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा , आज का ये अवसर उत्सव का क्षण तो है ही, लेकिन इसके साथ ही यह क्षण भारतीय समाज की परिपक्वता के बोध का क्षण भी है। हमारे लिए यह अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है।

अयोध्या में जन्मभूमि पर मंदिर को लेकर पांच सौ वर्ष से चले आ रहे विवाद की इस सुखद परिणति को ''नये कालचक्र का उद्भव्'' बताते हुए प्रधानमंत्री ने मंदिर के चबूतरे पर बने मंच से जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा , वो भी एक समय था, जब कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्री राम चंद्र कृपालु भजमन हरण भव भय दारुणम् ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से शुरु हुए अभिजीत मुहूर्त में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की।

'राम मंदिर भारत के पुनर्निर्माण का प्रतीक है'

आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की वैबसाइट पर लेख लिखा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। राष्ट्रीय सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, ''अयोध्या में रामलला का उनके जन्म स्थान में ''प्रवेश'' व मंदिर में उनकी प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने के साथ ही भारतवर्ष के पुर्ननिर्माण का अभियान शुरु हो गया है। इससे सौहार्द, एकता, प्रगति, शांति और हर व्यक्ति का भला होगा।'' राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) की वैबसाइट पर पोस्ट किये एक लेख में भागवत ने अयोध्या मंदिर में निर्माण के लिए ''हिन्दू समाज के अनवरत संघर्ष'' की बात कही और कहा कि, अब, इस विवाद पर ''संघर्ष और कटुता'' का अन्त हो जाना चाहिए।

- **भागवत ने आशा जताई कि, इस विवाद पर संघर्ष और टकराव अब समाप्त हो जायेगा।**
- **संघ प्रमुख ने राम मंदिर को राष्ट्रीय गर्व का पुनर्जागरण बताया। उन्होंने कहा, ''भारत वर्ष सभी की खुशहाली के लिये है, जहां सभी को बिना शत्रुता के स्वीकार किया जाता है और एकता, सामन्जस्य, प्रगति व शांति की राह दिखाता है।''**

उन्होंने कहा कि, वर्षों तक चली लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवम्बर 2019 को ''बैलैंस्ड'' (संतुलित) फैसला सुनाया, यह फैसला ''सत्यता एवं तथ्यों'' का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या कर रहे थे विपक्षी नेता प्राण प्रतिष्ठा के समय?

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। जिस दिन अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामलला की मूर्ति का अनावरण किया, उस दिन विपक्षी खेमे के प्रमुख दलों की क्या गतिविधियाँ थीं?

कांग्रेस नेता राहुल गाँधी, जो भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए असम में हैं, पंद्रहवीं सदी के समाज सुधारक श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली बताद्रव धाम का दौरा करने वाले थे, लेकिन उन्हें रास्ते में रोक दिया गया और उसके बाद उन्होंने कांग्रेस नेताओं और समर्थकों के साथ धरना दिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि, जब अधिकारियों ने राहुल गाँधी से कहा कि, समर्थकों के साथ वहाँ जाने पर कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है तो राहुल गाँधी ने अकेले जाने की इच्छा जतायी, लेकिन ''इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। स्पष्टतया, यह राहुल गांधी को पवित्र स्थान पर जाने से रोकने की नीति'' के तहत उठाया गया एक सोचा समझा कदम है।

- **राहुल गांधी ने श्रीमंत शंकरदेव जन्मस्थान जाने से रोकने पर कांग्रेस नेताओं और समर्थकों के साथ धरना दिया।**
- **ममता बनर्जी ने काली घाट मंदिर के दर्शन किये और समानान्तर रैली निकाली।**
- **आप नेताओं ने दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में सुंदर कांड, भंडारा, आरती आदि का आयोजन किया।**
- **उद्धव ठाकरे नासिक के कालाराम मंदिर गये तथा गोदावरी के तट पर ''महाआरती'' की।**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी दौरान कोलकाता काली घाट मंदिर का दौरा किया। राज्य के भाजपा नेताओं ने उन पर अयोध्या कार्यक्रम से ध्यान भटकाने की कोशिश का आरोप लगाया और रैली को रोकने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया, लेकिन रैली को रोकने की मांग को उच्च न्यायालय ने खारिज़ कर दिया।

आप नेताओं ने, इस दौरान दिल्ली के सत्तर निर्वाचन क्षेत्रों में शोभा यात्रा, भंडारा, सुंदर कांड पाठ और आरती का आयोजन किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के कला, साहित्य और भाषायी संभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रामलीला कार्यक्रम में रविवार को भाग लिया।

तमिलनाडु में, द्रमुक के नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राम मंदिर निर्माण, एक दिव्य स्वप्न की पूर्ती'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। लालकृष्ण आडवाणी ने वर्ष 1990 में राम रथ यात्रा शुरू की थी, जिसकी परिणति सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के साथ हुई। इस समारोह में आने का निमंत्रण विश्व हिन्दू परिषद ने उन्हें दिया था, तथापि, अत्यधिक सर्दी का हवाला

- **ठंड और वृद्धावस्था के कारण प्राण प्रतिष्ठा के लिये अयोध्या नहीं जा पाए अडवाणी ने एक लेख में अपने विचार प्रकट किए।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खाटू श्याम जी व सालासर बालाजी के दर्शन किए

- **दोनों मंदिरों में मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना की तथा अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा पर आयोजित विशेष समारोह में भाग लिया।**

खाटूश्यामजी/सुजानगढ़, 22 जनवरी (निसं)। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर खाटूश्यामजी श्याम मंदिर में आयोजित उत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने बाबा श्याम के दर्शन व पूजा-अर्चना की तथा संध्या आरती में भाग लिया। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान व मंत्री श्याम सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री का श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में आयोजित भगवान राम दरबार के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर खाटूधाम में भजन संध्या हुई और दीपक जलाए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यहां आतिशबाजी कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ सालासर बालाजी भी गए।

इससे पहले सीएम हेलीकॉप्टर से खाटूश्यामजी हेलीपैड पहुंचे जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती, यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा, भाजपा नेता पवन पुजारी, खण्डेला विधायक सुभाष मील, पूर्व विधायक प्रेमसिंह बाजोर, पूर्व विधायक रतन जलधारी, कमल सिखवाल, प्रभूसिंह गोगावास, ममता मुंडोतिया, विकास सोनी, बलवंत सिंह चिराना, कृष्ण कुमार शर्मा, कैलाश पुजारी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ प्रदान कर सीएम का स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के खाटूश्यामजी आने पर जिला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''श्रीराम जन्मभूमि दर्शन'' अभियान शुरू करेगी भाजपा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा अयोध्या में नवीनर्मित राम मंदिर में 24 जनवरी को पूजा-अर्चना करेंगे और वहां पर सम्पूर्ण देश के पार्टी कार्यकर्ताओं को ''श्री राम जन्मभूमि दर्शन'' कराने के अभियान की शुरुआत करेंगे।

- **चौबीस जनवरी से पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए यह अभियान शुरू किया जा रहा है।**

भाजपा के अयोध्या जिला अध्यक्ष संजीव सिंह का कहना है, ''हमारे लिए यह एक अच्छा अवसर है कि हम अयोध्या आने वाले राम भक्तों को सही तरीके से स्वागत करें। हम उनके ठहरने के लिए आवास, आवागमन के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम की भाजपा सरकार ने राहुल को श्रीमंत शंकरदेव मंदिर जाने से रोका

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। असम में मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा की भाजपा सरकार ने आज एक प्रतिशोधी एवं पक्षपाती कदम उठाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कानून-व्यवस्था की स्थिति का हवाला देकर नगाँव स्थित बताद्रवा सत्र मंदिर जाने से रोक दिया। यह आसाम के पंद्रहवी शताब्दी के संत एवं विद्वान श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली है।

असम के मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के समय के साथ कांग्रेस के कार्यक्रम का समय टकराने पर चिंता जताते हुए कल राहुल गांधी से अनुरोध किया था कि, वह अपनी ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' के मार्ग को लेकर पुनर्विचार करें।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा था कि, राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह और बताद्रवा में श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली की यात्रा के बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा को टालना चाहिए।

सरमा ने यह चिंता व्यक्त करते हुए राहुल गांधी से अपने कार्यक्रम पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था कि, दोनों कार्यक्रमों के समय के आपस में टकराने से असम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

सरमा ने कहा था, ''मैं राहुल गांधी से अनुरोध करता हूं कि, वे यह धारणा पैदा ना करें कि, राम मंदिर और बताद्रवा सत्र के बीच कोई प्रतिस्पर्धा है, क्योंकि टी.वी. चैनल्स एक तरफ तो राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह दिखाएंगे और दूसरी तरफ राहुल गांधी को महापुरुष श्रीमंत शंकर देव की जन्मस्थली में जाते दिखाया जाएगा, जो असम के लिए ठीक नहीं होगा।''

- **श्रीमंत शंकरदेव 15वीं सदी के असम के संत व विद्वान हैं।**
- **असम मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि, राम मंदिर समारोह तथा शंकरदेव के जन्मस्थान की यात्रा के बीच टी.वी. पर टकराव को टालना चाहिये।**
- **दूसरी ओर राहुल गांधी का कहना है कि, वे केवल मंदिर में पूजा करना चाहते हैं, कोई समस्या खड़ी नहीं कर रहे।**

भारत जोड़ो न्याय यात्रा और खासतौर पर राहुल गांधी के प्रति मुख्यमंत्री सरमा का प्रतिशोधी एवं पक्षपाती रवैया तब स्पष्ट हो जाता है, जब वे यह स्वीकारते हैं कि, अयोध्या के राम मंदिर और असम में बताद्रवा सत्र के बीच प्रतिस्पर्धा है और उनकी अधिक रूचि, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम और राहुल गांधी के एक स्थानीय देवता के दर्शन के बीच की प्रतिस्पर्धा को रोकने में है।

इससे पहले, राहुल गांधी ने अपने ऊपर लगाये गए प्रतिबंधों पर सवाल उठाते हुए कहा कि, ''मैं मंदिर के दर्शन करना चाहता हूं। मैंने ऐसा क्या अपराध किया है कि, मैं मंदिर नहीं जा सकता? हम कोई समस्या खड़ी करना नहीं चाहते। हम केवल मंदिर में पूजा-अर्चना करना चाहते हैं।''

गांधी ने आगे कहा कि, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही यह निर्णय लेंगे कि, मंदिर में कौन जाएगा। उन्होंने कहा कि, ''सिर्फ एक ही आदमी मंदिर में प्रवेश कर सकता है।''

इस घटना के बाद राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने नगाँव में धरना-प्रदर्शन शुरु किया।

असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के काफिले पर ''योजनाबद्ध हमलों'' का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की आज शाम घोषणा की। पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने असम के मुख्यमंत्री पर कांग्रेस के काफिलों, सम्पत्तियों और नेताओं पर हमले करवाने का आरोप लगाते हुए उन्हें भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया।

वेणुगोपाल ने दावे से कहा कि, असम में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ''लोकतंत्र पर हमला'' कर रही है। उन्होंने इसकी निंदा करते हुए राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का आव्हान किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वकीलों की अनुपस्थिति पर प्रतिकूल आदेश पारित ना करें'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सीनियर एडवोकेट डॉ. आदिश सी. अग्रवाल ने चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) डी. वाय चन्द्रचूड़ को एक पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया

- **सुप्रीम कोर्ट बार अध्यक्ष ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया।**
- **राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन अदालत में अनुपस्थिति के लिये यह छूट मांगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

कच्ची नींव पर अच्छी इमारत नहीं बन सकती

राष्ट्रीय स्तर की संस्था 'प्रथम' द्वारा ग्रामीण भारत में प्रारम्भिक शिक्षा के स्तर को नापने के लिए सर्वेक्षण 2005 से किया जा रहा है। सर्वेक्षण के आधार पर प्रति वर्ष एक रिपोर्ट जारी की जाती है जो ASER (Annual Status of Education Report) के नाम से जानी जाती है। 2014 तक यह प्रति वर्ष जारी होती थी किन्तु इसके बाद यह हर दो साल में जारी की जा रही है। पहले केवल 5 से 14 वर्ष के बच्चों के शैक्षिक स्तर का आकलन किया जाता था। 2017 में पहली बार 14 से 18 वर्ष के बच्चों–युवाओं के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए यह सर्वे किया गया।

वर्ष 2023 की रिपोर्ट 'बियोंड बेसिक' के नाम से जारी की गई । इस रिपोर्ट में 14 से 18 वर्ष के किशोरों को सर्वेक्षण में शामिल किया गया। यह सर्वेक्षण भारत के 26 राज्यों के 28 जिलों में किया गया। राजस्थान में इस सर्वेक्षण हेतु भीलवाड़ा जिले का चयन किया गया।

इस रिपोर्ट के आधार पर जो परिणाम सामने आए हैं वे चिंता जनक हैं।

पहले इस रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षो का उल्लेख करना उचित होगा।

14 से 18 वर्ष के किशोरों में 86.8 प्रतिशत किसी न किसी शिक्षण संस्था में नामांकित हैं। 14 वर्ष से कम आयु के 3.9% नामांकित नहीं हैं जबकि 18 वर्ष से कम आयु के 39% नामांकित नहीं हैं । अध्ययनरत में से अधिकांश नामांकित युवा कला संकाय में नामांकित हैं। 11वीं कक्षा या उसके ऊपर की कक्षा में अध्ययन करने वाले किशोर में से 55.7% कला संकाय में 31.7% किसी तकनीकी या विज्ञान संकाय में एवं 9.4% वाणिज्य संकाय में नामांकित हैं।

सर्वेक्षित युवाओं में मातृभाषा में पढ़ने–लिखने और गणना की मूल दक्षताओं का आकलन किया गया। यह भी देखा गया कि वह इन योग्यताओं को किस प्रकार अपने दिन प्रतिदिन के काम आने वाली गतिविधियों में उपयोग कर सकते हैं ।

14 से 18 वर्ष के 25% युवा, कक्षा 2 की मातृभाषा में लिखी हुई किसी पुस्तक को बिना अटके हुए नहीं पढ़ सकते थे।

सर्वेक्षित युवाओं में लगभग 50%, तीन अंको की संख्या में एक अंक की संख्या का भाग देने में परेशानी महसूस कर रहे थे, जबकि यह दक्षता साधारणतया कक्षा तीन और चार के स्तर पर प्राप्त कर ली जानी चाहिए।

बालिकाओं में 76% पढ़ने में समर्थ थी जो की बालकों की तुलना में बेहतर है क्योंकि लड़कों में 70..9% ही पढ़ने में समर्थ थे।

85% सर्वेक्षित युवा, स्केल के माध्यम से लंबाई नाप सकते हैं यदि उसे जीरो सेंटीमीटर से प्रारंभ किया जाए। जैसे ही इसे किसी अन्य स्थान से प्रारंभ किया जाए तो यह संख्या घटकर केवल 39%रह जाती है। 50% के लगभग युवा ही समय और भार से संबंधित गणना के सरल प्रश्न हल कर सकते में समर्थ थे । गणना के सभी कार्य लड़कियों की अपेक्षा लड़के बेहतर कर पाते थे।

लगभग एक तिहाई युवा ओआरएस पैकेट पर दिए गए निर्देश को भी सही तरह पढ़ने में असमर्थ थे।

जो युवा सरल गणितीय गणना करने में समर्थ थे वह भी उनका उपयोग दिन प्रतिदिन की गतिविधियों में करने में अधिकांशतया सक्षम नहीं थे। इस दिशा में विशेष रूप से कार्य किए जाने की आवश्यकता है ताकि मूल दक्षताओं का उपयोग युवा अपने जीवन उपयोगी कार्यों में सुगमता से कर पाएँ।

सर्वेक्षित युवाओं के 90% परिवारों में स्मार्टफोन उपलब्ध था। इनमें से लड़कों में इसकी उपलब्धि 46.7% और लड़कियों में केवल 19.8% के पास यह स्मार्टफोन उपलब्ध था । जहां तक कंप्यूटर या लैपटॉप का प्रश्न है, सर्वेक्षित घरों में केवल 9% के पास ही यह उपलब्ध था। यह भी देखा गया कि जिनके घरों में लैपटॉप उपलब्ध था उनमें से 85% उसे काम लेने में समर्थ थे और जिनके पास नहीं था उनमें से 34% ही ऐसे थे जो उन्हें काम लेना जानते थे।

जिन युवाओं के पास स्मार्टफोन था उनमें से दो तिहाई उसे पढ़ाई के लिए एवं उससे संबंधित कुछ समस्याओं का पर वीडियो आदि देखने में समर्थ थे ।

असर 2023 के आधार पर मुख्य निष्कर्ष यह निकाला गया है कि पढ़ने–लिखने और गणना की मूल दक्षताओं में जहां सुधार करने की आवश्यकता है वहीं पर इन अर्जित दक्षताओं का उपयोग दिन प्रति दिन के कामों में करने पर बल देने की और भी अधिक आवश्यकता है। ऐसा होने पर ही भारत 'डेमोठााफिक डिविडेंड' का पात्र कहला सकता है । अन्यथा प्रगति की दौड में भारत के युवा धीरे–धीरे पिछड़ते ही जाएंगे अतः सरकारों को 14 से 18 वर्ष के युवाओं पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है।

जब हमने हाल ही में अमृत महोत्सव वर्ष मनाया और स्वतंत्रता के 76 वर्ष पूरे हो चुके हैं। अब भी 14 से 18 वर्ष के 25% बच्चे दूसरी कक्षा की साधारण मातृभाषा की किताब भी नहीं पढ़ सकते और सरल गणना नहीं कर सकते। अनगिनत प्रयोग शिक्षाविदों ने शिक्षा में किए हैं। कई प्रकार की योजनाएं बनाई गईं और वर्ष 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी जारी की गई । असर का परिणाम देखकर तो ऐसा लगता है कि शिक्षा के स्तर में गिरावट ही आई है। यह तब है जबकि राजकीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षक – प्रशिक्षण प्राप्त हैं एवं उन्हें अच्छा–खासा वेतन भी प्राप्त होता है । इसके बावजूद यदि ग्रामीण भारत के बच्चों की शैक्षिक स्तर की यह स्थिति है इसके पीछे कोई मूल कारण है जिसे संबोधित करना एवं उसका समाधान करना बहुत आवश्यक है। यदि इस गंभीर समस्या पर तत्काल उच्च प्राथमिकता से ध्यान नहीं दिया गया तो फिर भारत के 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' या जनसंख्या – लाभांश की बात करना बेमानी सिद्ध होगा ।

> **दुर्भाग्य तो यह है कि विभिन्न दल सत्ता में आए किंतु किसी ने भी इस ओर कोई विशेष ध्यान देने का प्रयास नहीं किया। राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों से केवल नामांकन बढ़ाने की अपेक्षा की जाती है और इसी कारण नामांकन की दृष्टि से आंकड़े लगभग शत प्रतिशत के पास कई साल पहले ही पहुंच चुके हैं। बोर्ड की परीक्षाओं का स्तर इतना कमजोर हो गया है कि सभी का उत्तीर्ण होना युवाओं को कोई उत्पादक कार्य करने के योग्य नहीं बना पाता है।**

अधिक युवा जनसंख्या देश के लिए लाभकारी तब हो सकती है जब वह कुछ क्रियाशील हो एवं किसी प्रकार का काम करने में सक्षम हो। जो बालक 14 से 18 वर्ष की आयु तक भी साधारण गुणा भाग नहीं कर सकता हो वह किस प्रकार अपने आगे की पढ़ाई जारी रख पाएगा एवं किस प्रकार वह अपने जीविकोपार्जन योग्य कोई भी साधन अपना कर रोजगार प्राप्त कर सकेगा ? बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण ही आज यह है कि जो युवा रोजगार के बाजार में प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या में जुड़ रहे हैं, वे नियोक्ता के लिए अथवा स्वयं किसी प्रकार का व्यवसाय करके पर्याप्त आय जुटाने में समर्थ नहीं हो पा रहे हैं। असर के सर्वे में यह भी पता लगा है कि कई परिवारों के पास स्मार्टफोन हैं। कई बार तो इनके कारण मानसिक विकृतियां उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे परिवेश में देश के भविष्य पर एक प्रकार का प्रश्न चिन्ह अवश्य लगता है। एक ओर जहां भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के कगार पर है, वहीं करोड़ों की संख्या में युवा, यदि कुछ भी लिखने–पढ़ने और गणना करने में समर्थ नहीं होंगे तो वह आगे किसी प्रकार पढ़ाई करने में सफल हो पाएंगे ?

दुर्भाग्य तो यह है कि विभिन्न दल सत्ता में आए किंतु किसी ने भी इस ओर कोई विशेष ध्यान देने का प्रयास नहीं किया। राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों से केवल नामांकन बढ़ाने की अपेक्षा की जाती है और इसी कारण नामांकन की दृष्टि से आंकड़े लगभग शत प्रतिशत के पास कई साल पहले ही पहुंच चुके हैं। बोर्ड की परीक्षाओं का स्तर इतना कमजोर हो गया है कि सभी का उत्तीर्ण होना युवाओं को कोई उत्पादक कार्य करने के योग्य नहीं बना पाता है। कुछ दशक पूर्व, पांचवी या आठवीं पास व्यक्ति भी शुद्ध भाषा लिख पाता था और गणना की क्रियाएँ न केवल कर पता था अपितु कई बार तो वह मौखिक रूप से भी ऐसा करने में सक्षम होते थे। जैसे–जैसे हमने शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के नाम पर जो भी प्रयोग किए वे वास्तव में प्रारंभिक शिक्षा के स्तर को कमजोर करने वाले ही सिद्ध हुए। अपना परिणाम बेहतर बताने के लिए हमने उत्तीर्ण होने के मापदंड को कम कर दिया। यह वैसा ही है जैसे ऊंची कूद वाले के लिए अर्हता अगर 2 मीटर रखी जाए तो बहुत थोड़े लोग सफल हो पाएंगे लेकिन यदि इसको घटकर एक मीटर कर दिया जाए तो लगभग सभी सफल हो जाएंगे। शिक्षा के साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। बोर्ड की परीक्षाओं के परिणाम आजकल 90–95% रहते हैं, किंतु दसवीं पास विद्यार्थी यदि पुराने समय के पांचवी के बराबर भी योग्यता नहीं रखते हैं तो फिर इस प्रकार की तथाकथित पढ़ाई का लाभ क्या है? यदि हम चाहते हैं कि आज के बालक–बालिका, सक्षम नागरिक के रूप में उभरें, तो इसके लिए पहली और सबसे महत्त्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि नींव को, अर्थात प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत किया जाए। किसी भवन की कमजोर नींव पर कितनी ही भव्य इमारत बनाने का प्रयास किया जाए यह सम्भव ही नहीं है। या तो वह बनेगी नहीं और कभी दिखावे के लिए बना भी दी गई, तो उसके ढहने में अधिक समय नहीं लगेगा। राजस्थान के परिपेक्ष में देखें, एक आदेश निकाल कर बडी संख्या में विद्यालय तो खोल दिए जाते हैं, किंतु कई वर्षों तक उनमें महत्वपूर्ण शिक्षकों के पद रिक्त ही पड़े रहते हैं। कोई भी शिक्षा संभव कैसे है जब बालकों के लिए शिक्षक ही उपलब्ध नहीं हैं? हाल ही में उदयपुर की यात्रा के समय कोटडा में पद स्थापित एक प्रधानाचार्य ने बताया कि उनके विद्यालय में 450 विद्यार्थी हैं और उनके अलावा केवल एक ही शिक्षक है। कल्पना कीजिए, उन बच्चों की शिक्षा की, जिस विद्यालय में 450 विद्यार्थी और 12 कक्षाएं हों।

सरकार का कोई अधिकारी या मंत्री, चाहे वह भारत सरकार का हो या राज्य सरकार का, इस रिपोर्ट को किसी न किसी रूप में गलत बताने का प्रयास करेंगे। किंतु वास्तविकता में रिपोर्ट कितनी सही है, यह प्रत्येक वह व्यक्ति जानता है जिसने कभी ग्रामीण क्षेत्र में जाकर स्कूलों का निष्पक्ष, निरपेक्ष रूप से आकलन करने का प्रयास किया हो। प्रारंभिक शिक्षा का किस प्रकार जीवन में उपयोग हो सकता है और जीवन में उपयोगी बहुत सारे काम जो बच्चों के लिए उपयोगी है वह किस प्रकार से शिक्षा के माध्यम से हो सकते हैं इस संबंध में विशेष प्रयास किए जाने के आवश्यक हैं। यह भाषा एवं गणना की मूलभूत दक्षता के बिना सम्भव नहीं है । वैसे तो यह सारी दक्षता बच्चों के पाठ्यक्रम के अनुसार पांचवी कक्षा तक ही आ जानी चाहिए, किंतु हकीकत तो 'असर' ने दिखाई है। शिक्षा की सही स्थिति जब कोई सामने लाने का प्रयास करता है तो उसे ही गलत सिद्ध करने की कोशिश की जाती है। यह वैसा ही है जैसे खराब तो चेहरा हो, किंतु आईने को दोष देकर उसे साफ करने की कोशिश करते रहें। इस प्रवृत्ति को छोड़कर सच को स्वीकार करने का साहस तो जनप्रतिनिधियों और शिक्षा के उच्च अधिकारियों को जुटाना ही होगा।

मैंने स्वयं ने, इसी संपादकीय के विभिन्न स्तंभों में कई बार इस बात का उल्लेख किया है कि कैसे प्रारंभिक शिक्षा के स्तर को सुधारा जा सकता है। आवश्यकता केवल इसी बात की है कि ईमानदारी से इस ओर ठोस प्रयास किए जायें। देश में बहुत बड़ी संख्या में 12वीं के विद्यालय, महाविद्यालय,तकनीकी महाविद्यालय आदि खोल दिए गए हैं। उन सब की शिक्षा ग्रहण करने में ग्रामीण क्षेत्र का वह बच्चा कैसे समर्थ हो पाएगा यदि उसकी नींव मजबूत नहीं है। स्वैच्छिक शैक्षिक संस्थाएं इस ओर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। राजस्थान में नई सरकार बनी है । उससे यह अपेक्षा की जा सकती है कि वह शिक्षा के महत्व को स्वीकार करते हुए राजकीय विद्यालयों के रिक्त पदों को शीघ्र भरना सुनिश्चित करे और जो भी स्वैच्छिक संस्थाएं ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ इस क्षेत्र में कार्य करना चाहें, उन्हें प्रोत्साहित करे। नागरिक समुदाय और विभाग, दोनों के प्रयास मिलकर दुगुने हो जाएंगे और शिक्षा के स्तर में तेजी से सुधार सम्भव है।

बोर्ड को भी अपनी परीक्षा पद्धति पर ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि जो बच्चा बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण करके निकले, वह वास्तव में अपेक्षित दक्षताएं रखता हो ताकि वह भविष्य में उच्च शिक्षा ठाहण करना चाहे तो उसे कोई असुविधा न हो और साथ ही यदि वह अपने जीवकोपार्जन का कोई अन्य मार्ग अपनाना चाहे तो उसमें भी अधिक सफलतापूर्वक कार्य कर सके।

आशा की जानी चाहिए कि 'असर' की इस रिपोर्ट को गंभीरता से लिया जाएगा एवं इस पर एक संवाद स्थापित करने के बाद उसके परिणाम स्वरुप आवश्यक कार्य योजना बनाकर काम किया जाएगा ताकि जब 'असर' की आगामी रिपोर्ट आए तो उसमें बेहतर संतोषजनक परिणाम हम प्राप्त कर सकें ।

इस दिशा में अब और समय व्यर्थ नहीं कर सकते हैं । अब और देर करने पर, देश की युवा पीढ़ी के साथ तो अन्याय होगा ही, देश के उज्जवल भविष्य पर भी प्रश्न चिन्ह लगेगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

अयोध्या में रामलला की प्रतिष्ठा वसुधैव कुटुम्बकम की प्रतिष्ठा है

डॉ. सतीश पूनियां

विश्व के इतिहास में 22 जनवरी 2024 की तारीख युगों–युगों तक याद रखी जाएगी। यह सिर्फ इसलिए नहीं कि इस दिन सनातन हिंदुओं के आराध्य प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, बल्कि इसलिए भी कि भारत के धैर्य, बलिदान, त्याग और तपस्या की भी प्राण प्रतिष्ठा हुई है। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में भी कहा कि यह नए कालचक्र का उदगम है। भारत सहित दुनिया के 160 देशों में बसे हिंदुओं के लिए 22 जनवरी का दिन कई सदियों बाद आई जीवंत दीपावली है। दुनियाभर के हिंदुओं के मन के भावों को टीवी स्क्रीन पर उनके उत्साह से देखा और महसूस किया गया।

मैं स्वयं दो बार वर्ष 1990 और 1992 की अयोध्या कारसेवाओं में रहा हूं। मैं व्यक्तिगत तौर पर इस पल को अनुभव कर सकता हूं। मैं अपने भावों को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। ऐसा मान लीजिए कि ईश्वर की तपस्या करने वाले के सामने उसके ईश्वर साक्षात प्रकट हो गए हों। यह तो पक्का विश्वास था कि जिस स्थान पर हमने कारसेवा की थी, वहां रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी, लेकिन यह पल हमारे जीवन में ही आ जाएगा, यह विश्वास नहीं था। अब जब पावन नगरी अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सनातन की सभी परंपराओं के साधु–संतों–संन्यासियों की साक्षात उपस्थिति में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है, तो निश्चित ही यह संपूर्ण भारतवर्ष के आत्मविश्वास, आत्मगौरव और श्रद्धा को कई गुना बढ़ाने वाला पल हमारे उस अधूरे विश्वास की पूर्णाहूति करने वाला अवसर बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि यह मंदिर गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठने वाले राष्ट्र की पहचान का मंदिर है और नव इतिहास का सृजन करता है। अयोध्या का भव्य राम मंदिर सिर्फ भारत के वैभवशाली गौरव का ही दर्शन नहीं करवाता, बल्कि भारत के भविष्य की भी तस्वीर प्रस्तुत करता है।

यह भारत के लोगों के उस अदम्य धैर्य और त्याग का भी प्रतीक है कि अपने ही देश में अपने ही आराध्य के मंदिर के लिए पांच सौ साल से संघर्ष करते करते कई पीढ़ियां गुजर गई, लेकिन हमने अपने अपनी श्रद्धा को मजबूती से पकड़े रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कई देश अपनी ऐतिहासिक गांठों को उलझाने में उलझ गए, लेकिन भारत ही ऐसा देश है जिसने अपनी ऐतिहासिक गांठ को न्यायपूर्ण तरीके से और सबके आपसी समन्वय से सुलझा लिया। राम भारत की आत्मा में बसते हैं। रामलला प्राण प्रतिष्ठा से पहले देश के सभी परिवारों को अयोध्या आने के लिए पीले अक्षतों का वितरण हुआ। जिस तरह से देशभर में पीले चावलों के लिए परिवार प्रतीक्षा कर रहे थे, वह हमारी आस्था और तपस्या पूरी होने के भाव को दर्शाता है। हर परिवार इस बात को लेकर उत्सुक था कि अब उनके राम टैंट में नहीं, बल्कि भव्य प्रासाद में विराजित होंगे और उन्हें उनके भव्य और दिव्य दर्शन होंगे। इसके लिए आने वाले दिनों में हरेक राज्य से विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बन रही है।

अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा साक्षात मानवीय मूल्यों और सर्वोच्च आदर्शों की स्थापना भी है। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इस दृष्टि से रामलला का यह भव्य मंदिर राष्ट्र की चेतना का मंदिर है। भगवान राम सदियों से भारतवर्ष की चेतना में रमे हुए हैं। प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह भारत की दृष्टि और दर्शन का मंदिर है। जब राम की प्रतिष्ठा होती है तो उसका प्रभाव हजारों हजार वर्षों के लिए होता है। राम की दृष्टि ही भारत की दृष्टि है। भारत राम की दृष्टि के साथ पूरे विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। पिछले नौ–दस वर्षों में जिस तरह से वैश्विक घटनाओं में भारत ने अपनी दृष्टि से दुनिया का नेतृत्व किया, उसका लोहा पूरे विश्व ने माना है। चाहे वह कोविड का दौर हो या फिर युक्रेन–रूस और हमास–इजराइली संघर्ष हो। भारत ने अपने आराध्यों के दर्शन से पूरी दुनिया को एक दृष्टि देने का काम किया है।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि आने वाला समय सिद्धी का है। निश्चित ही संकल्प के बाद सिद्धी का समय होता है। हमारा सदियों पुराना संकल्प पूरा हुआ है और अब समय आगे बढ़ने का है। कई सदियों के संघर्ष के बाद हम यहां पहुंचे हैं। निश्चित तौर पर मैं कह सकता हूं कि आने वाला समय भारत का है। भारत की युवा पीढ़ी का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के युवाओं के सामने हजारों वर्षों की प्रेरणा है। इस वक्त सकारात्मक परिस्थितियां हैं, इसलिए हमें बैठना नहीं है। भारत निश्चित ही समृद्धि के लक्ष्य पर पहुंचेगा। जिस तरह से पूरी दुनिया में भारत की नई पीढ़ी नेतृत्व कर रही है, यह बात मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूं कि पूरी दुनिया का भरोसा भारत पर बढा है। फिर चाहे हम जी–ट्वंटी की बात करें या फिर दुनियाभर के ताकतवर और छोटे देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंध, हर मोर्चे पर भारत ने दुनियाभर के मुल्कों के साथ अपने संबंधों को मजबूत, आत्मीय और गहरा किया है। भारत ने उन बहुत छोटे छोटे देशों से भी अपने संबंध प्रगाढ़ बनाए हैं जहां पूर्ववर्ती सरकारों के प्रतिनिधि पहुंच ही नहीं पाए थे। प्रधानमंत्री मोदी जब कहते हैं कि सबका साथ सबका विकास, तो वह सिर्फ भारत के लिए ही यह बात नहीं करते, वह पूरी दुनिया के लिए कहते हैं। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के लिए भी कहा है कि रामलला की प्रतिष्ठा वसुधैव कुटुंबकम की प्रतिष्ठा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का यह क्षण हमें कर्तव्य बोध भी करवाता है। प्रधानमंत्री ने तीन सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किए। गिलहरी, निषादराज और जटायु का। जिस तरह रामकाज के लिए गिलहरी और जटायु ने अपनी क्षमताओं के बावजूद अपने कर्तव्यों से मुंह नहीं मोड़ा था। माता सीता की सुरक्षा लिए जटायु महाबली रावण से भिड़ गया था। उसे पता था कि वह रावण से जीत नहीं सकता, लेकिन इसके बाद भी उसने अपना कर्तव्य पूरी तरह निभाया। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भी हजारों कारसेवक अपना कर्तव्य निभाते हुए बलिदान हो गए। उन्हें भरोसा था कि कभी न कभी उनकी आहूति रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में समिधा बनेगी। अयोध्या में रामलला का भव्य और दिव्य प्रेरणादायी मंदिर विश्व के सामने भारत की अटूट आस्था, त्याग, बलिदान और पुरुषार्थ का साक्षात उदाहरण बनकर खड़ा है, जो पूरे विश्व को हजारों साल तक प्रेरणा देता रहेगा। जय श्री राम।

– डॉ. सतीश पूनियां,
(लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हैं)।

नई सरकार की प्राथमिकताएं

भागीरथ शर्मा

''अन्त्योदय''

–राजस्थान में ग्रामीण गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक नूतन प्रयोग

संक्षिप्त पृष्ठभूमि :–स्वतन्त्रता के पश्चात विकास योजनाओं के माध्यम से गरीबी उन्मूलन का सभी राज्य सरकारों एवं केन्द्रीय सरकार का मुख्य उद्देश्य रहा है। इस दिशा में इस शताब्दी के 7वें दशक के पूर्वार्ध में कई प्रयोग किए गये, जिनमें लघु कृषक विकास योजना एवं सीमान्त कृषक एवं खेतीहर श्रमिक विकास योजनाएं प्रमुख थी जो प्रयोग के तौर पर देश के कुछ चुने हुए जिलों में भारत सरकार द्वारा लागू की गई थी। राजस्थान के 5 जिले इस योजना में लिए गये थे, साथ ही सूखा संभाव्य क्षेत्रीय विकास योजना में भी लघु कृषक विकास योजना के अनुरूप अनुदान सुविधाएं दी गई थी। इन सभी योजनाओं के मूल्यांकन से यह स्पष्ट हुआ कि इन कार्यक्रमों का लाभ मुख्य रूप से तुलनात्मक दृष्टि से खाते–पीते लघु कृषकों को ही मिल पाया था। सीमान्त कृषक या कृषि श्रमिक जो गरीबी की रेखा में सबसे नीचे के परिवार थे पूर्णतः वंचित रह गये । उपरोक्त निष्कर्षों को दृष्टिगत रखते हुए एवं राज्य में मोटे अनुमान के आधार पर वर्ष 1975 में लगभग 56 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या गरीबी की रेखा के नीचे आंकलित होने के कारण देश में आयोजना से आर्थिक विकास के इतिहास में प्रथम बार राजस्थान सरकार ने वर्ष 77–78 में 2 अक्टूबर, 1977 को 'अन्त्योदय' के नाम से सर्वथा नया कार्यक्रम प्रारम्भ किया।

'लेखक भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी अन्त्योदय कार्यक्रम के प्रभारी एवं राज्य प्रशासनिक सुधार आयोग, राजस्थान के सदस्य व विश्व बैंक के सलाहकार रहे है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ होने से पूर्व एक संक्षिप्त 'अप्रोच पेपर' तैयार किया गया एवं राज्य विधान सभा के बजट सत्र में सितम्बर, 1977 में घोषणा कर 2 अक्टूबर, 1977 से अन्त्योदय के प्रथम दौर का कार्यक्रम लागू कर दिया गया। उक्त पेपर के आधार पर राज्य के सभी लगभग 33000 गावों मे से प्रत्येक गांव से 5 निर्धनतम परिवारों का चयन कर उन्हें लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया था। इसके पश्चात, जून,1978 में इस नूतन योजना की प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की गई, जिसके आधार पर तत्कालीन कृषि पुनर्वित निगम से 187 करोड की ऋण राशि की सैद्धान्तिक स्वीकृति भी प्राप्त की गई एवं इस परियोजना प्रतिवेदन की प्रति तत्कालीन मुख्यमंत्री महोदय श्रीमान भैरुसिंहजी शैखावत द्वारा लोक नायक जयप्रकाश नारायणजी को पटना सम्मेलन में भी प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम की रूपरेखा :– अन्त्योदय का शाब्दिक अर्थ है – 'अन्तिम पंक्ति के आखरी व्यक्ति का आर्थिक उत्थान' –सर्वाधिक निर्धन व्यक्ति का चयन कर उसे सबसे पहले लाभान्वित करना ही इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य था। कार्यक्रम के लाभ की प्रक्रिया नीचे से प्रारम्भ होकर वार्षिक चक्रो से चक्र दर चक्र उपर की ओर बढना ही प्रमुख लक्ष्य रखा गया था।

चयन का आधार केवल 'आर्थिक निर्धनता' ही रखा गया था चाहे वह व्यक्ति किसी भी जाति, धर्म समुदाय का हो। कार्यक्रम क्षेत्रीय असमानता से सर्वथा मुक्त रखा गया था। राज्य के सभी 33000 ग्रामों में जनसंख्या के अनुपात में प्रतिवर्ष 3,5,7 व 10 परिवारों का चयन कर उसी वर्ष के वार्षिक चक्र में ही उन्हें लाभान्वित कर दिया जाने की क्रियान्वयन प्रक्रिया निर्धारित की गई थी। इस अभियान के दौरान ग्रामीण विकास, पंचायती राज एवं राजस्व अधिकारियों ने गांव–गांव में शिवर आयोजित कर ग्राम सभाओं में निर्धनतम परिवारों का चयन किया एवं उनको आर्थिक संसाधन देने के लिए ग्राम सभा द्वारा चयनित परिवारों से प्राप्त 'संसाधन विकल्पों' का अनुमोदन कराकर मौके पर ही सहायता व ऋण प्रार्थना पत्र तैयार करने की प्रक्रिया अपनाई गई।

निर्धनतम परिवारों को आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराने में सबसे बडी बाधा अनुदान के साथ ऋण उपलब्धता की थी। बैंक, जमानत व जटिल प्रक्रिया पूरी किये बिना ऋण नही देते थे। अधिकांश प्रयोजनों के साथ जमीन रहन रखना आवश्यक था। इस हेतु भारतीय रिजर्व बैंक को राज्य की ओर से एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तृत कर डिप्टी गवर्नर रिजर्व बैंक के साथ जून, 1978 में ही परियोजना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उच्च स्तरीय बैठक रिजर्व बैंक मुख्यालय पर करवाई गई एवं रिजर्व बैंक की ऋण नीति में प्रथम बार भारी संख्या में आमूलचूल परिवर्तन करवाए गये। डिप्टी गवर्नर रिजर्व बैंक को राज्य के 7–8 जिलों का सघन दौरा करवाकर आश्वस्त भी किया गया एवं इसी आधार पर 5 वर्ष की प्रोजेक्ट अवधि में लगभग 6 लाख परिवारों को लाभान्वित करने हेतु 187 करोड रूपये की ऋण राशि उपलब्ध कराने का निर्णय कराया गया।

कार्यक्रम की क्रियान्विति के लिए पंचायती राज संस्थाओं एवं जिला प्रशासन को उत्तरदायी बनाया गया एवं प्रति पखवाडें प्रगति की सूचना प्राप्त कर प्रगति की समीक्षा की भी नई प्रणाली लागू की गई जिसमें जिलों के नाम उनकी प्रगति की प्रतिशत के आधार पर क्रमवार लिखे जाते थे एवं बीच में 'राज्य औसत' की रेखा अंकित की जाती थी।

प्रशासनिक व्यवस्था :– कायक्रम के क्रियान्वय व्यवस्था में नीतिगत निर्णयों हेतु राज्य में उच्चतम स्तर पर मुख्यमंत्री महोदय की अध्यक्षता में नीति निर्धारण समिति का गठन किया गया। जिसके सदस्यों में सम्बन्धित मंत्रीगण को रखा गया। निगरानी का उत्तरदायित्व अधिकारी स्तर की कमेटी को सौपा गया जिसके अध्यक्ष मुख्य सचिव थे। राज्य सरकार के स्तर पर, कार्यक्रम की क्रियान्विति का भार पूर्णाधिकर प्राप्त 'अन्त्योदय' आयुक्त को सौपा गया जिनकी सहायता हेतु परियोजना निदेशक (क्रेडिट) को अन्त्योदय कार्यक्रम का प्रभारी अधिकारी बनाया गया।

प्रगति का सिंहावलोकन : – वर्ष 1977–78 (2 अक्टूबर, 1977) में प्रारम्भ किये गये अन्त्योदय कार्यक्रम के 2 वार्षिक चक्र पूर्ण किये गये। जिसके आधार पर प्रथम चक्र में 1,39,986 परिवारो को लाभान्वित किया गया। प्रथम चक्र में कतिपय निर्धतनम परिवारों ने संकोच एवं अज्ञानतावश सहायता लेने से मना भी कर दिया था जो अन्य परिवारों की उन्नति से प्रभावित होकर द्वितीय चक्र में लाभ लेने हेतु स्वतः ही आगे आ गये। द्वितीय चक्र 78–79 में भी चयनित लगभग 1,12,000 परिवारों को चयनित कर लाभान्वित किया गया।

मूल्यांकन : –राज्य में लागू की गई इस अनूठी योजना से प्रभावित होकर हिमाचल प्रदेश, कार्नाटक आदि कई राज्यों से एवं श्रीलंका, मलेशिया आदि अन्य देशों के प्रतिनिधिगण एवं विश्व बैंक के उस समय के अध्यक्ष मेकना मारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष भोला पासवान आदि ने राज्य में आकर इस योजना को देखा एवं सराहना की। कुछ राज्यों ने इस योजना को अपने यहाँ लागू भी कर दिया। हिमाचल में यह योजना सम्भवतः पूर्वानुसार कुछ वर्ष पूर्व तक चालू थी।

योजना आयोग के मूल्यांकन सम्भाग द्वारा अन्त्योदय के दोनों ही चक्रों (1977–78 व 1978–79) का सघन मूल्यांकन करवाया गया। केन्द्र में अन्य पार्टी का शासन होने के कारण यह मूल्यांकन और भी गहराई से किया गया। क्योंकि इस योजना की भारी सफलता एवं प्रशंसा से वे आश्वस्त नही थे। योजना आयोग के अतिरिक्त सचिव श्री बागला ने स्वयं परीक्षण मूल्यांकन गांवों में जाकर किये एवं उनकी रिपोर्ट में इस योजना की उपलब्धियों की प्रशंसा की गई। परिवारों की आय में वृद्धि, कारगर क्रियान्विति व्यवस्था, पश्चातवर्ती देख रेख, कारगर चयन प्रक्रिया, ग्राम सभा की भागीदारी से सभी ग्रामीणों को इस योजना का ज्ञान, चयनित परिवार एवं उन्हें दिये गये लाभ की बच्चे–बच्चे को जानकारी होना आदि इस योजना की विशेषताए बताई गई एवं इस योजना की उपलब्धियों को प्रशंसनीय बताया।

दुर्भाग्यवश राज्य में 1979–80 में सरकार परिवर्तन के साथ इस अनूठे कार्यक्रम को, जो गरीबी उन्मूलन के लिए लागू किये गये अब तक के सभी कार्यक्रमों में सबसे अधिक लोकप्रिय एवं कारगर कार्यक्रम था, एवं केवल दो चक्र ही पूरे हुए थे, कांग्रेस की नई सरकार द्वारा अचानक बन्द कर दिया गया। जिसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई एवं इसका यह लाभ अवश्य हुआ कि तत्कालीन केन्द्रीय सरकार ने इस कार्यक्रम से प्रेरित होकर इसके विकल्प के रूप में एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम पूरे देश में लागू कर दिया। पर उक्त कार्यक्रम जिसे अब स्वर्ण जयन्ती स्वरोजगार कार्यक्रम नाम दिया गया है, अभी तक भी लगभग 2 दशक से अधिक अवधि में भी वे सफलताएं अर्जित नही कर पाया है। जो 2 वर्ष की अल्पावधि में अन्त्योदय कार्यक्रम में की गई थी। अन्त्योदय की कारगर चयन व क्रियान्विति प्रक्रिया, पश्चातवर्ती देखरेख व्यवस्था तथा सभी विभागों के अन्य कार्यक्रमों एवं विपणन व्यवस्था से सुदृढ कडीबन्धन आदि विशेषताओं का अभाव, आज भी एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम की सबसे बडी कमजोरी है। तत्कलीन भाजपा सरकार द्वारा राजस्थान में ही चलाये गये अन्तोदय कार्यक्रम ने जो जन–जन में विश्वास अर्जित कर अपनी साख पैदा की थी वह अन्य किसी भी कार्यक्रम में नही हो पाया है। ऐसे लोकप्रिय कार्यक्रम को गरीबी उन्मूलन का प्रमुख कार्यक्रम बनाकर पुन; नयी भाजपा सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में पुनः लागू किया जाना सामयिक होगा।

– भागीरथ शर्मा,
आई. ए. एस. (से.नि)।

राशिफल मंगलवार 23 जनवरी, 2024

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, आर्द्रा नक्षत्र बुधवार प्रातः 6:26 तक, ऐन्द्रयन योग प्रातः 8:04 तक, कौलव करण प्रातः 8:16 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मकर, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–धनु, बुध–धनु, गुरू–मेष, शुक्र–धनु, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से बुधवार प्रातः 6:26 तक है। रवियोग बुधवार प्रातः 6:26 तक बना रहेगा। आज भौम प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:54 से 11:19 तक, लाभ–अमृत 11:19 से 1:58 तक, शुभ 3:18 से 4:37 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:57

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव और मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचिता सोच–विचार हो सकता है।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना पड़ सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

मीन
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

'राममय' हुई छोटीकाशी, घर-घर में छाया दीपावली जैसा उत्साह

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भगवा पताकाओं से सजा जयपुर शहर, हर ओर उमंग-जोश नजर आया

जयपुर। अयोध्या में प्रभु श्री राम विराज गए। इसका उल्लास पूरे देश के साथ छोटीकाशी जयपुर में भी छाया रहा। शहर की हर गली और चौराहा भगवामय नजर आया तो मंदिरों में आयोजनों की धूम रही। राम मंदिर फूलों और गुब्बारों से सजे रहे। सुबह से देर शाम तक धार्मिक

- **रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल पर श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई, कार्यक्रम में उमड़े हजारों शहरवासी**
- **जगतपुरा स्थित अक्षयपात्र मंदिर में कृष्ण-बलराम बने राम-लखन, धनुष बाण भी थामे**

आयोजनों की धूम रही। शाम होते-होते घरों में दीपावली का उत्साह छा गया। घर-घर में दीये जलाकर भगवान श्रीराम का स्वागत किया गया। इसके बाद देर रात तक आतिशबाजी की गई।

रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल पर अयोध्या के श्रीराम मंदिर का 35 फीट ऊंचा प्रतिचित्र सजाया गया। बंगाल के आए 150 कारीगरों ने इसका निर्माण किया। सोमवार शाम को अल्बर्ट हॉल पर भजन संध्या का कार्यक्रम और ड्रोन शो हुआ, जिसे देखने हजारों शहरवासी उमड़े। इस दौरान जय श्रीराम के जयकारों से शहर गूंज उठा।

वहीं दूसरी ओर राधे- राधे, जय श्री कृष्ण से गूंजायमान रहने वाला जयपुर का गोविंद देवजी का मंदिर सोमवार को राम लला की भक्ति में लीन रहा। पांच ब्राह्मणों ने संगीतमय अखंड रामचरितमानस का पाठ किए। वहीं, 11 ब्राह्मण बटुकों ने वेद पाठ किया। इस मौके पर हवन किया गया। दोपहर 12:30 बजे जब अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी उस समय मंदिर में राम दरबार की आरती की गई। पूरे मंदिर को बांदरवाल और फूलों से सजाकर विशेष रोशनी गई। शाम को संध्या झांकी में मंदिर परिसर में 3100 दीपक जलाए गए। रंगारंग आतिशबाजी भी की गई। ठाकुर श्रीजी को नवीन पीत वस्त्र पोशाक धारण करवाकर विशेष अलंकार श्रृंगार किया गया। जगतपुरा के श्री कृष्ण बलराम मंदिर में ठाकुर जी का राम-लखन के रूप में श्रृंगार किया गया। दोनों को विशेष मुकुट धारण कराकर धनुष-बाण थमाए गए। पूरे मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया। यहां दस दिवसीय राम कथा का आयोजन चल रहा है। बड़ी संख्या में भक्तों ने राम भक्ति में डुबकी लगाई। भक्तों ने रामायण के 108 श्लोकों का एक साथ उच्चारण किया। इसके बाद महाआरती की गई। शाम को हजारों की संख्या में दीप प्रज्जवलित किए गए तो दीपावली का दृश्य साकार हो उठा। मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने राम जन्मोत्सव पर बधाई देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल पर सोमवार शाम को भजन संध्या का कार्यक्रम और ड्रोन शो हुआ, जिसे देखने हजारों शहरवासी उमड़े।

मुख्यमंत्री प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़े

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के प्रतापनगर स्थित प्रेम मंदिर में भगवान श्रीराम के दर्शन किये। इसके बाद उन्होने मंदिर परिसर में अयोध्या में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा।

जयपुर। रामभूमि पर शंखनाद और श्रीराम की जयघोष के बीच सोमवार को नवनिर्मित श्री राम मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। संकल्प से सिद्धि, हर्ष और उत्कर्ष के दिन इस युगांतर और अलौकिक क्षण को देखकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शीश नवाया। जयपुर के प्रतापनगर स्थित प्रेम मंदिर से मुख्यमंत्री ने रामभक्तों के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा। शर्मा ने कहा कि सकल मनोरथ के दिन देश में नए सांस्कृतिक युग की शुरूआत हुई है। आज अयोध्या में ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति के मन में श्रीराम विराजमान हुए हैं। शर्मा ने कहा कि श्रीराम के राघव रूप को देखकर वर्षों का स्वप्न साकार हुआ है। राम हमारे रोम-रोम में हैं। इससे पहले उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को राम दीपावली पर शुभकामनाएं देकर कहा कि दुनिया आज रामलला का ऐतिहासिक धार्मिक उत्सव मना रही है। उन्होंने कहा कि श्रीराम ने अपने जीवन में सत्य, धर्म और प्रेम मूल्यों का पालन किया है, उसी तरह हमें भी उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात कर सशक्त व नैतिक समाज के निर्माण में अहम जिम्मेदारी निभानी चाहिए। शर्मा ने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इसमें राज्य सरकार द्वारा संत-महंत एवं पुजारियों का सम्मान किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अन्तर्गत अयोध्या में श्री राम मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। प्रतापगढ़ के सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य में वनपथ, पुलिया निर्माण तथा पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विकास कराने के साथ कई कार्य होंगे।

मत्स्य विभाग के घूसखोर डायरेक्टर को जेल भेजा

जयपुर। राजधानी में मछली पकड़ने का लाइसेंस देने के एवज में 35 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़े गए मत्स्य विभाग के डायरेक्टर और एडिशनल डायरेक्टर को एसीबी ने कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने दोनों रिश्वतखोरों को जेल भेज दिया। एसीबी के डिप्टी अभिषेक पारीक अब इस केस की जांच करेंगे।

35 हजार रुपए मछली ठेकेदार से रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार हुए दोनों अधिकारियों के घर से एसीबी को सर्च के दौरान जमीनों के दस्तावेज और बैंक लॉकरों की जानकारी मिली हैं।

जिसकी एसीबी वैल्यूवेशन कराएगी। जानकारी के अनुसार दोनों ही अधिकारियों के घर से बड़ी संख्या में जमीनों के दस्तावेज मिले हैं। यह जमीन अलग-अलग नामों से हैं। जिन के नामों से यह जमीन है उन लोगों को भी एसीबी मुख्यालय बुलाकर जमीनों को लेकर पूछताछ करेगी। वहीं बिश्नोई के घर से एसीबी को एक हथियार मिला था जिस की पुष्टि कर ली गई हैं। बिश्नोई के पास एक हथियार का लाइसेंस हैं। वहीं तीन बैंक लॉकरों की जानकारी एसीबी को मिली थी मंगलवार को बैंक खुलने के बाद एसीबी लॉकरों की भी जांच करेगी। उधर, 19 तारीख को एसीबी ने आईएस प्रेमसुख बिश्नोई को 35हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। नियमों की माने तो सरकारी अधिकारी के गिरफ्तार होने के 24 घंटे में उसे सस्पेंड कर दिया जाना चाहिए। लेकिन अभी तक डीओपी ने प्रेमसुख बिश्नोई को सस्पेंड नहीं किया हैं। जबकि एसीबी प्रेमसुख बिश्नोई को गिरफ्तार कर दो दिन का रिमांड लेकर जेल भेज चुकी हैं। डीओपी की ओर से अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया गया हैं।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

सं.: ईएल/118/45,46/2023-24/डब्ल्यू 6/टीएफ **दिनांक: 19.01.2024** मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। **क्र.सं. 1. एनआईटी संख्या: ईएल/जेपी/45/2023-24 कार्य का नाम:** Replacement of isolation switch for starting battery in power cars & Provision of High capacity IV coupler (500Amp) & 150sqmm feeder cable for AC coaches under Bulk RSP program 2022-23. **अनुमानित लागत:**1063981.56 **बयाना राशि:** 21300/- **निविदा खोलने की तिथि:**15.02.2024 **क्र.सं. 2. एनआईटी संख्या: ईएल/जेपी/46/2023-24 कार्य का नाम:** Electrical work in connection with Repairing and Replacement of main and mini pantry equipment's for two years at Jaipur coaching depot. **अनुमानित लागत:** 2044108.03 **बयाना राशि:** 40900/- **निविदा खोलने की तिथि:** 15.02.2024 **नोट:- ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता:** **http://www.ireps.gov.in** 85-AC/24

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करे

नाम परिवर्तन

मैं न. JC-703168K सुबेदार सतीश कुमार पुत्र श्री जयपाल सिंह मेरी पत्नी का नाम मंजू तथा जन्मतिथि 26.01.1977 दर्ज है। जबकि मेरी पत्नी का सही नाम मंजू लाम्बा है जिसकी जन्मतिथि 15.05.1977 है। निवासी ग्राम बास कालीपहाडी पोस्ट कालीपहाडी तहसील व जिला-झुंझुनू (राजस्थान) 333024

मैने अपना नाम रविन्द्र के स्थान पर रविन्द्र नैण कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता- विला नं. 17, यू.डी.बी., सिरसी विलास, सिरसी रोड, पालवाले हनुमानजी के पास, पांच्यावाला, जयपुर-302034 (राजस्थान)

मैनें मेरा नाम बाबू लाल रोहिला पुत्र श्री चिरंजीलाल से बाबू लाल टेलर पुत्र श्री चिरंजीलाल बदल लिया है। अतः भविष्य में मुझे बाबू लाल टेलर पुत्र श्री चिरंजीलाल के नाम से जाना जावे। पताः प्लाट नम्बर 107-108, आदिनाथ नगर, पाल वाले बालाजी का रास्ता, सिरसी रोड, सिरसी, जयपुर, राजस्थान

मैं लोकावती देवी M/o आर्मी नं. 15169393N हवलदार संजीत कुमार युनिट 199 मीडियम रेजिमेन्ट मेरे बेटे के सैन्य दस्तावेज में कमला देवी है जो कि गलत है, मेरा वस्तिवक नाम लोकावती देवी है। जो सही है।

मै बिजय प्रसाद गुप्ता F/o नं. 15169393N हवालदार संजीत कुमार युनिट 199 मीडियम रेजिमेन्ट मेरे बेटे के सैन्य दस्तावेज में विजय प्रसाद है जो कि गलत है मेरा बस्तिवक नाम विजय प्रसाद गुप्ता है जो सही है।

मै सुनिता कुमारी W/o आर्मी नंबर 15169393N हवादार संजीत कुमार यूनिट 199 मिडियम रेजिमेंट मेरे पति के सैन्य दस्तावेज मे मेरा नाम सुनिता है जो गलत है मेरा वास्तविक नाम सुनिता कुमारी सही है।

मै अन्वेशा सिंह, आर्मी नंवर 15169888A हवलदार कर्लक (स्टाफ ड्यूटी) जय सिंह, यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट की पूत्री हुँ। मेरे पिता के सैन्य दस्तावेजों में मेरा नाम अन्वेशा कुमारी" है जो कि गलत है। मेरा वास्तविक नाम अन्वेशा सिंह है।

My Name is Krishan Sharma. In my education records my father name is Kishore Sharma wrongly recorded his correct name is Kishor Sharma. Address. Bidwalo ki Dhani, Golyawas, Jaipur, Rajasthan 302020

भगवान राम के आदर्श हमें प्रेरणा देते हैं : राजेन्द्र राठौड़

शेखावाटी में हुए धार्मिक अनुष्ठान, मंदिरों में रामधुन सुनाई दी

चूरू, (कासं.)। पांच सौ वर्ष के इंतजार के बाद भगवान रामलला के अयोध्या स्थित भव्य मदिर में विराजमान होने के साथ ही शेखावाटी में राम लहर दिखाई दी। यहां मंदिरों में धार्मिक आयोजन हुए, जिसमें हनुमान चालिसा व सुन्दरकांड पाठ भक्तों द्वारा किया गया। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी चूरू नगर मण्डल द्वारा सफेद घंटाघर पर भगवान राम को भक्तिभाव के साथ याद किया गया। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा आदि ने हनुमान चालिसा का पाठ किया। साथ ही अयोध्या में भगवान राम के मन्दिर निर्माण हेतु हुई कार सेवा में जाने वाले कारसेवकों का शाल ओढाकर, प्रशस्ति पत्र देकर व माला पहनाकर अभिनंदन किया।

अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण हेतु हुई कार सेवा में जाने वाले कार सेवकों का चूरू में अभिनंदन किया।

- कारसेवकों का शाल ओढाकर, प्रशस्ति पत्र देकर व माला पहनाकर अभिनंदन किया

इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि यह हम सब भारतवासियों के लिए गौरव का क्षण है कि 500 वर्ष के इंतजार व हजारों लोगों के बलिदान के बाद हमें यह दिन देखने को मिल रहा है। राठौड़ ने कहा कि आज भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लोगों में जो उत्साह दिखाई दे रहा है, उससे लगता है कि देश में रामराज्य की स्थापना हो चुकी है। राठौड़ ने कहा कि भगवान राम के आदर्श हमें प्रेरणा देते हैं। उन्हीं की प्रेरणा से हम सब कार्यकर्ता राष्ट्र सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने कारसेवकों का सम्मान करते हुए कहा कि आप सबके त्याग और बलिदान का ही परिणाम है कि आज यह दिन हमें देखने को मिल रहा है, आप सब पर हमें गर्व है। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि भारत की संस्कृति में धर्म और कर्म दोनों का महत्व है। सहारण ने कहा कि हम सब भारतवासियों के प्रमुख आराध्य देव भगवान राम हैं। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

नगर मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत ने आगन्तुकों का स्वागत किया। मण्डल अध्यक्ष दीनदयाल सैनी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ध्याननाथ महाराज, पूर्व सभापति विजय शर्मा, प्रधान दीपचन्द राहड़, जिला महामंत्री भास्कर शर्मा, हेमसिंह शेखावत, अभिषेक चोटिया, पदमसिंह राठौड़, विक्रम कोटवाद, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, सुशील लाटा, योगिता प्रजापत, दिनेश शर्मा, विजय बावलिया, रवि दाधीच, पंडित बनवारीलाल शर्मा, मांगीलाल दर्जी, दिवाकर सहल, रामस्वरूप कटारिया, गोगराज सैनी, विनोद सैनी, मुकेश प्रजापत, गोपाल बालाण, ब्रहम्मानंद राजोतिया, राजीव शर्मा, सीपी खत्री सीपी शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रभा धंधावत, सोशल मीडिया जिला संयोजक रमेश शर्मा, विष्णु सोनी, पवन सरावगी, कपील रक्षक, हरिप्रसाद शर्मा, दयाल सिंह निर्बाण, सुनील ढाका, पवन चांवरिया, प्रकाश नायक, सुनिता प्रजापत, अरूण शर्मा, सोहन सहारण, बंशी बाल्मिकी, धर्मेन्द्र राकसिया, महावीर आसेरी, मोतीलाल सोनी, रजत शर्मा, लक्ष्मीनारायण सैन, मनोज तंवर आदि उपस्थित रहे।

आज भारत के सौभाग्य और स्वाभिमान का दिन : शेखावत

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कार्यक्रम में स्वागत किया।

जोधपुर, (कासं)। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार प्रात: छह बजे जोधपुर भदवासिया सब्जी मंडी में भव्य आतिशबाजी हुई। हजारों लोगों की उपस्थिति में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जय श्रीराम के उद्घोष के बीच कहा कि आज भारत के सौभाग्य और स्वाभिमान का दिन है। आज रामराज की स्थापना दिन का है। आज हम संकल्प लें कि अपना देश विकसित हो। अपने देश में राम का आदर्श स्थापित हो।

शेखावत ने कहा कि आज का दिन लाखों लोगों का प्रण पूरा होने का दिन है। हजार साल के इतिहास में हिंदुस्तान पर ढेरों आक्रमण हुए। हजारों बार हिंदुस्तान की संस्कृति और धर्म को नष्ट करने की कोशिश की गई। लाख लोग, जो राम मंदिर के लिए घरों से निकले, आज उन सबका प्रण पूरा होने का दिन है। उन हजारों-हजार लोगों का दिन है, जिन्होंने भरी जवानी में प्रण लिया कि भगवान राम का मंदिर बनेगा। आज का दिन उन लाखों माताओं और बहनों के संकल्प का दिन है, जिन्होंने अपनी राखी रामजी के मंदिर में समर्पित होने के लिए भेज दी। उन लाखों माताओं और बहनों का दिन है, जिन्होंने माथे पर टीका लगाकर अपने सुहाग को कुर्बान होने के वास्ते भेज दिया। आज हजारों कार्यकर्ताओं और कार सेवकों का दिन है। जेठाराम परिहार, राम शरद कोठारी और महेंद्र नाथ अरोड़ाजी का दिन है। सबका बलिदान आज फलीभूत हुआ है।

70 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त, दो गिरफ्तार

बंद बॉडी ट्रक कटेंनर में 600 कार्टन में पंजाब निर्मित शराब मिली

चूरू, (कासं)। दूधवाखारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बंद बॉडी ट्रक कटेंनर में 70 लाख रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त करके दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार नूनावत आई.पी.एस ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस सीकर रेंज सीकर द्वारा रेंज स्तरीय अवैध शराब व मादक पदार्थ की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू नरेश शर्मा आरपीएस व वृताधिकारी वृत चूरू जयप्रकाश अटल के निकट सुपरविजन

- लुधियाना पंजाब से जुनागढ़ गुजरात ले जाई जा रही थी अवैध शराब

में थानाधिकारी पुलिस थाना दूधवाखारा अल्का बिश्नोई उ.नि. के नेतृत्व में पुलिस थाना दूधवाखारा की गठित टीम द्वारा नाकाबंदी के दौरान एक बंद बॉडी ट्रक कटेंनर से खेमाराम पुत्र नवलाराम मेघवाल निवासी धनाउ पुलिस थाना धनाउ जिला बाड़मेर और अमुलख पुत्र नवलाराम मेघवाल निवासी धनाउ पुलिस थाना धनाउ जिला बाड़मेर के कब्जे से 600 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब पंजाब निर्मित जब्त करके दोनों को दबोच लिया। आरोपियों द्वारा प्रथमदृष्टया उक्त शराब लुधियाना पंजाब से जुनागढ़ गुजरात ले जाया जाना बताया गया है। जब्तशुदा शराब व बंद बॉडी ट्रक कटेंनर की अनुमानित कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है।

पिछले वर्ष 2023 में भी पुलिस थाना दूधवाखारा टीम द्वारा अवैध शराब की तस्करी की रोकथाम हेतु पजांब व हरियाणा राज्यों से ट्रकों में भरकर गुजरात ले जाई जा रही शराब के कुल 2873 कार्टन जब्त किये जाकर 5 बड़े व 2 छोटे वाहन सहित कुल 7 वाहन जब्त कर 8 मुलजिमानों को गिरफ्तार कर 8 अभियोग आबकारी अधिनियम में दर्ज किये गये थे। वर्ष 2024 में अब तक अवैध शराब पंजाब निर्मित के कुल 1000 कार्टन जब्त किये जाकर 2 बड़े वाहन जब्त कर 4 मुलजिमानों को गिरफ्तार कर 2 अभियोग आबकारी अधिनियम में दर्ज किये जा चुके हैं। इस कार्यवाही में अल्का विश्नोई उनि. की टीम में हैड कानि. जगदीश प्रसाद, कानि. जयप्रकाश, संजय, धर्मपाल व सुरेन्द्र शामिल रहे।

रेलकर्मी की तत्परता से यात्री की जान बची

कोटा, (निसं)। रेलकर्मी अपनी ड्यूटी के साथ कई सामाजिक मदद, यात्री की सहायता, खोये सामान को वापस दिलाने जैसे सराहनीय कार्य कर रेलवे की सकारात्मक छवि बनाये रखने महवपूर्ण भूमिका निभाते है। इसी प्रकार के एक सराहनीय कार्य का सीसीटीवी फुटेज सामने आया जिसमें गाड़ी संख्या 22981 कोटा-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस 19 जनवरी को शाम 5.20 बजे छूटने के दौरान एक मिलिट्री वर्दी पहने यात्री जल्दी में चलती ट्रेन के बी-4 के वातानुकूलित ट्री टीयर कोच में चढ़ने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण पायदान पर प्लेट्फॉर्म से घिसत रहा था जिस पर स्टेशन पर तैनात आन ड्यूटी उप स्टेशन अधीक्षक वाणिज्य पी एन गुप्ता की नजर पड़ी स्टेशन पर तैनात रेलकर्मी ने तत्परता से घसीट रहे यात्री को सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर खींच लिया। जिससे एक अनहोनी घटना होने से बच गई। अन्यथा यात्री बुरी तरह से जख्मी या यात्री की जान जोखिम हो सकती थी।

प्लास्टिक पाइप बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग

फैक्ट्री में रहने वाले करीब ग्यारह मजदूरों ने बाहर निकलकर पुलिस एवं मालिक को सूचना दी

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में स्थित प्लास्टिक पाईप बनाने वाली फैक्ट्री में आग लग गई। इसकी सूचना मिलने पर फायर बिग्रेड की आठ गाड़ियों ने मौके पर पहुंच आग पर काबू किया। आग से पूरा माल जलकर नष्ट हो गया तथा किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात में हिरणमगरी थाना क्षैत्र रोड़ नं. 12 पर स्थित प्लास्टिक पाईप बनाने वाली फैक्ट्री चिनार इण्डस्ट्रीज में अचानक आग लग गई। इसका पता चलते ही फैक्ट्री में रहने वाले करीब ग्यारह मजदूरों ने बाहर निकल कर पुलिस एवं मालिक को सूचना दी। इस

- आग लगने से लाखों का सामान जला, कोई जनहानि नहीं हुई
- आठ दमकल गाड़ियों ने करीब 25 चक्कर कर डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

पर हिरणमगरी थानाधिकारी दर्शनसिंह के निर्देश पर एएसआई दिनेशसिंह, रिको चौकी प्रभारी राजेन्द्रसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंचे। जहां निगम, हिंदुस्तान जिंक, एवं नारायण सेवा संस्थान की आठ दमकल की गाड़ियों ने करीब 25 चक्कर कर डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जब तक फैक्ट्री में रखा पूरा माल जलकर नष्ट हो गया। आग लगने के बाद विकराल रूप धारण कर लिया। जिसके चलते बाहर रखे माल ने भी आग पकड़ ली थी। इसकी सूचना मिलने पर फैक्ट्री मालिक हिरणमगरी सेक्टर 4 निवासी उमेश गर्ग भी वहां पहुंचे। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। आग से प्लास्टिक पिघल कर पानी की तरफ फैक्ट्री में फैल गया। जिससे बाहर रखे माल में भी आग लग गई और आग ने विकराल रूप ले लिया।

गुलाबचंद कटारिया ने उदयपुर में नीमज माता रोप-वे का शुभारंभ किया

लेकसिटी में यह दूसरा रोप-वे, फतहसागर झील के नैसर्गिक सौन्दर्य को ऊंचाई से निहार सकेंगे

उदयपुर, (कासं)। फतहसागर झील के किनारे स्थित नीमज माता रोप-वे का शुभारंभ सोमवार को असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने किया। उक्त रोप-वे के संचालन से पर्यटकों के साथ-साथ बुजुर्गजन को भी मदिर दर्शन में सुविधा मिलेगी। इस रोप-वे से पर्यटक व शहरवासी तीन मिनट में नीमच माता पहुंच सकेंगे। वहीं रोप-वे ट्रोली का एक मिनट के लिए बीच में ठहराव रहेगा जहां से लोग फतहसागर झील के नैसर्गिक सौन्दर्य को देख सकेंगे।

फतहसागर पाल के देवाली छोर पर आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए असम के राज्यपाल कटारिया ने कहा कि प्रकृति ने मेवाड़ को दो-दो हाथों से सौगातें दी है, तो हमारे पूर्वजों ने गौरवशाली इतिहास दिया है। हम सभी का दायित्व है कि उदयपुर आने वाला पर्यटक केवल यहां की झीलें और प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं रहे,

असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने नीमज माता रोप-वे के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित किया।

वह महाराणा प्रताप के स्वाभिमान, पन्नाधाय के बलिदान, चेतक की स्वामी भक्ति के गौरवशाली इतिहास से भी जुड़े। उन्होंने आयड़ नदी के सौंदर्यीकरण, देवास परियोजना के तृतीय और चतुर्थ चरण के कार्यों को भी गंभीरता से आगे बढ़ ाने की बात कही, ताकि आने वाले समय में उदयपुर में पानी की समस्या नहीं रहे। प्रारंभ में रोप-वे संचालक फर्म दामोदर रोप पे इंफ्रा लिमिटेट के तकनीकी निदेशक श्रवण अग्रवाल, जीडी पोद्दार, संस्कृति सहित अन्य ने राज्यपाल कटारिया, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल, महापौर गोविन्द टांक, उपमहापौर पारस सिंघवी, पूर्व यूआईटी अध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली, संभागीय मुख्य वन संरक्षक आरके सिंह, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) आरके जैन आदि का अभिनंदन किया।

जिला कलेक्टर पोसवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि

- रोप-वे के संचालन से पर्यटकों के साथ-साथ बुजुर्गजन को भी मदिर दर्शन में सुविधा मिलेगी

कटारिया की पहल पर वर्ष 2016 में रोप-वे की कार्ययोजना बनी थी। वर्ष 2018 में यूआईटी और दामोदर रोपवेज एण्ड इफा लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ। अप्रेल 2022 में इसका कार्य प्रारंभ हुआ। तकरीबन 13.5 करोड़ की लागत से तैयार इस रोप-वे की क्षेतिज लंबाई 429.419 मीटर है। समारोह को विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा तथा महापौर गोविन्दसिंह टांक ने भी संबोधित किया। आभार युडीए सचिव राजेश जोशी ने व्यक्त किया। संचालन राजेंद्र सेन ने किया। इस अवसर पर दामोदर रोप वे इंफ्रा लिमिटेड के अभिषेक चमरिया, यश झुनझुनवाला, यूडीए के बीएल कोठारी आदि उपस्थित रहे।

डेढ़ साल से फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। यहां के गांव हिम्मटसर में करीब डेढ़ साल पहले रात्रि के समय अपनी ढाणी में सो रहे रामेश्वर बिश्नोई की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने फरार इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी भरतपुर के सुखासीला बंध बारेठा निवासी राहुल शर्मा उर्फ मोहित पंडित ने रामेश्वर बिश्नोई की हत्या करने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर छह लाख की सुपारी ली थी। 9 मई 2022 वह साथियों के साथ गाड़ी में सवार होकर हिम्मटसर आया और रैकी कर 10 मई की तड़के 3 से 4 बजे के बीच ढाणी में बाहर चारपाई पर सो रहे रामेश्वर बिश्नोई की गोली मारकर हत्या कर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में पूर्व में पांच आरोपियों को अरेस्ट कर जेल भिजवा दिया था, लेकिन शातिर राहुल शर्मा करीब डेढ़ साल से फरार चल रहा था। उसे पकडने के लिए पुलिस ने कई बार उसके संभावित ठिकानों पर दबिश भी दी, लेकिन वह पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ ा। उसे पकडने के लिए पांच हजार का इनाम भी घोषित किया गया। एएसआई सौभाग्य सिंह की टीम ने उसे डिटेन कर उसके ठिकाने का पता लगाकर दबिश देकर अरेस्ट कर लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

रामलला की मूर्ति स्थापित होने की खुशी में घरों में दीप जलाये

हनुमानगढ़, (निसं)। अयोध्या में सोमवार को रामलला के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में लोग खुशी मना रहे हैं। हनुमानगढ़ जिले में इसे लेकर लोग उत्साहित हो रहे हैं। पूरा शहर भगवामय हो रहा है। भगवे रंग की चादर से प्रमुख बाजारों को सजाया गया है। हर तरफ श्रीराम के जयकारे लग रहे हैं। विभिन्न समाजों के प्रमुख लोगों ने इस दिन को दीपावली की तरह मनाने का निर्णय लिया है।

जंक्शन के सेक्टर छह स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित टॉक शो में विभिन्न समाज के पदाधिकारियों ने लोगों से अपने घरों में विशेष दीपमाला सजाने का आग्रह किया। रामायण व सुंदरकांड पाठ के जरिए राम आगमन की खुशियां मनाने की बात कही। वक्ताओं ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम मानवता के मसीहा थे। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा से युवा वर्ग को श्रीराम के आदर्श को जानने का अवसर मिलेगा। समाजसेवी सुमन चावला ने कहा कि राम हम सबके रोम-रोम में बसे हैं। ऐसे में उनके जन्म स्थान पर उनकी मूर्ति की स्थापना से हर तरफ खुशनुमा माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि जंक्शन में अबोहर मार्ग पर स्थित गोविंद धाम गोशाला में महा आरती होगी। इसके अलावा 11000 दीपों की माला सजाई जाएगी। इसी तरह टाउन क्षेत्र में भी प्रमुख गोशालाओं व मंदिरों में दीपमाला सजाने का कार्यक्रम होगा। जगह-जगह सुंदरकांड व रामायण पाठ होंगे।

इस दौरान भंडारा भी लगाया जाएगा। अयोध्या में श्रीराम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी एलईडी पर किया जाएगा। यह व्यवस्था लगभग सभी प्रमुख स्थानों पर की गई है। ताकि आमजन श्रीराम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को ऑनलाइन तरीके से देख सके। कार्यक्रम के दौरान एक वक्ता ने कहा कि मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद हनुमानगढ़ से अयोध्या धाम के लिए विशेष ट्रेन चलाने की मांग भी सरकार के समक्ष रखी गई है। आने वाले महीने में इस संबंध में सुखद संकेत मिलने की संभावना है। वहीं सोमवार को होने वाले आयोजनों में अध्योध्या कार सेवकों का सम्मान भी किया जाएगा।

जंक्शन के सैक्टर नंबर छह स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित पत्रिका टॉक शो में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक, सर्व ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद शर्मा, पार्षद मुकेश भार्गव, समाजसेवी सुमन चावला, नीलकंठ महादेव सेवा समिति के अश्वनी नारंग आदि मौजूद रहे।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृति की अंतिम तिथि अब 31 जनवरी

पेपरलेस ऑनलाइन आवेदन 31 जनवरी तक किया जा सकता है

बीकानेर, (निसं)। शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति में पेपरलेस ऑनलाइन आवेदन अब 31 जनवरी तक किया जा सकता है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पंवार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में राजस्थान के मूल निवासियों के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष समूह योजना पूर्व में विशेष पिछड़ा वर्ग अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु,

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पंवार ने जानकारी दी

मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं में राज्य की राजकीय एवं निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं एवं राज्य के बाहर की राजकीय राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रमों में प्रवेशित या अध्ययनरत शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों द्वारा वेबसाईट अथवा एसएसओ पोर्टल पर अथवा मोबाईल ऐप के माध्यम से 31 जनवरी तक ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है।

पंवार ने बताया कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों द्वारा आनलाईन आवेदन व शिक्षण संस्थानों द्वारा नवीन पंजीयनए पूर्व में पंजीकृत की मान्यता एवं पाठ्यक्रमवार फीस स्ट्रक्चर अपडेट करने के लिए भी अतिम तिथि 31 जनवरी 2024 निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र भरने से पूर्व संबंधित विद्यार्थी को जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आय घोषणा पत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारियां जनाधार पोर्टल पर अपडेट करवानी होगी। योजना से संबंधित नियम व दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालयों को संबंधित विश्वविद्यालय से शैक्षणिक सत्र 2023-24 की मान्यता या सम्बद्धता एवं पाठ्यक्रम संचालन की अनुमति भी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अथवा अपडेशन निर्धारित अवधि में अवश्य करवानी होगी। जिससे छात्रवृत्ति पोर्टल पर विद्यार्थियों के शिक्षण संस्थाओं का नाम प्रदर्शित हो सकेगा।

एक दर्जन से अधिक मोरों की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले के सेरुणा पुलिस थानान्तर्गत माणकरासर गांव में एक के बाद एक कर एक दर्जन राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मौत होने का मामला सामने आया है। इससे ग्रामीण हैरान व परेशान है। ग्रामीणों ने इसकी इत्तला वन विभाग को दी है। एक साथ इतने मोरों की मौत के बाद बीकानेर व श्रीडूंगरगढ़ से वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंची। दो दर्जन मोरों की मौत की सूचना है। उधर तड़प रहे मोरों का इलाज शुरू कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि गांव व गांव के आसपास अभी भी मृत अवस्था में मोर मिल रहे हैं। ऐसे में मरने वाले मोरों की संख्या और बढ़ सकती है। प्रशासनिक अश्धिकारियों के साथ-साथ जीवदया प्रेमी तथा आपणो गांव सेवा समिति के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। प्रथम दृष्टया में मोरों की मौत का कारण जहरीला दाना बताया जा रहा है।

दिनदहाड़े घर से तीन साल के मासूम का अपहरण

बच्चे को ले जाते देखकर मकान मालिक ने शोर किया, अपहरणकर्ता फरार हो गए

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर में मुखर्जी नगर में सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे एक व्यक्ति मकान के बेडरूम में घुसकर तीन साल के मासूम का अपहरण कर ले गया। इस दौरान एक व्यक्ति बाहर गली में रैकी करता रहा। बच्चे को ले जाते देखकर मकान मालिक ने शोर किया और उनके पीछे भाग लेकिन अपहरणकर्ता बच्चे को लेकर फरार हो गए।

इस मामले की सूचना पर पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर इलाके में नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस इलाके में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने बताया कि मुखर्जी नगर का एक व्यक्ति चंडीगढ में रहता है और उसकी पत्नी व तीन साल का बच्चा यहां एक मकान में किराए पर रह रहे है। सोमवार सुबह बच्चे की मां बाहर गई थी। इसी दौरान गली में दो व्यक्ति आए। इसी दौरान काम वाली आई तो मकान मालिक दूसरा दरवाजा खोलने के लिए गया। तभी छोटे दरवाजे से एक व्यक्ति अंदर घुस गया और कमरे में जाकर बच्चे को उठाकर लेकर भाग निकला। काम वाली महिला व मकान मालिक ने शोर किया और मकान मालिक उनके पीछे भागा लेकिन तब दोनों व्यक्ति बच्चे को लेकर फरार हो गए थे। इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर इलाके में नाकेबंदी कराई गई। सूचना के बाद सीओ सिटी प्रशांत कौशिक, कोतवाल देवेन्द्र सिंह मय जाब्ते के मौके पर पहुंच गए। पुलिस को अंदेशा है कि बच्चे के पिता ने ही यह घटनाक्रम कराया हो।

कोरियर कम्पनी के कर्मचारियों से 60 लाख रु. के जेवर व डायमंड लूटने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजधानी की बजाज नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन जनवरी को इलाके में कोरियर कम्पनी के कर्मचारियों से हुई 60 लाख रुपये के सोने चांदी व डायमंड लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से लूटा गया माल और वारदात में प्रयुक्त चौपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि कोरियर कम्पनी में काम करने वाले एक कर्मचारी ने ही ही लूट का प्लान बनाया था। उसने अपने चार साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अन्य आरोपित के सम्भावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

बजाज नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- **पुलिस ने आरोपियों से लूटा गया माल और वारदात में प्रयुक्त चौपहिया वाहन जब्त किया है।**
- **पुलिस वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी की तलाश में जुटी है।**

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ज्ञानचंद यादव ने बताया कि तीन जनवरी को इलाके में गोपालपुरा पुलिया के नीचे दिन-दहाड़े लाखों रुपये के सोने चांदी व डायमंड लूटने वाले चेतराम गुर्जर (36) निवासी गांव बामनवास जिला गंगापुर सिटी, रामकेश गुर्जर (27) निवासी ग्राम लालसोट जिला दौसा, लेखराज गुर्जर (23) लालसोट जिला दौसा और सागर मीणा (25) निवासी बामनवास जिला गंगापुर सिटी को बापर्दा गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी लेखराज बैरवा उर्फ फौजी फरार चल रहा है। उसकी तलाश जारी है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने घटना को अंजाम देने के लिए एयरपोर्ट से ही स्विफ्ट डिजायर कार में सवार होकर कोरियर कम्पनी के कर्मचारियों का पीछा किया। फिर टोंक रोड पर गोपालपुरा पुलिया के नीचे उतरते समय कार को कम्पनी के कर्मचारियों की स्कूटी के आगे लगाकर घटना को अंजाम दिया गया।

कोरियर कंपनी में काम करने वाले आरोपित कर्मचारी सागर मीणा ने ही लूट की योजना बनाई थी। उसको एयरपोर्ट से आने वाले कोरियर डिलीवरी के बारे में पूरी जानकारी थी। उसने प्लान बनाकर अपने चार साथियों को लूट की वारदात में शामिल किया। उसने अपने चार अन्य साथियों को मिलाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। इस वारदात के बाद पुलिस के आलाधिकारी के निर्देशन में एक टीम गठित की। पुलिस टीम ने लगातार कड़ी मेहनत करते हुए घटनास्थल गोपालपुरा पुलिया से लेकर मंडावरी लालसोट तक सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल कर आरोपियों को चिन्हित किया। कार पर लगे टैटू को लेकर पुलिस को क्लू हाथ लगा। टैटू से कार की पहचान आसान हो गई।

100 से अधिक सीसीटीवी फुटेजों को खंगालते हुए लुटेरों को ढूंढते पुलिस दौसा के मण्डावरी लालसोट जा पहुंची। लोकल पुलिस से मदद लेने पर बामनवास निवासी चेतराम गुर्जर की कार होने का पता चला।

जांच में सामने आया कि वह पिछले 14-15 दिन से घर नहीं आया है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर तुंगा इलाके में साथी लुटेरों के साथ कार में घूमते रविवार देर रात गिरफ्तार कर लिया।

श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा विशिष्टोत्सव के उपलक्ष्य में राजभवन हुआ विशेष कार्यक्रम

जयपुर। श्री राम जन्म भूमि में आयोजित श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा विशिष्टोत्सव का राजभवन में अयोध्या से विशेष प्रसारण हुआ। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पूरे देश के लिए हर्षोल्लास का, आनंद का और राममय होने का गौरवपूर्ण अवसर है। उन्होंने राम लल्ला के मंदिर में विधिवत विराजने की सभी को बधाई देते हुए भगवान श्री राम से देशवासियों की खुशहाली और सदा मंगल की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने भी बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी।

अयोध्या मंदिर निर्माण और मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

- **अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा भारतीय संस्कृति से राममय होने का पर्व : मिश्र**

की राजभवन के दरबार हाल से सीधे प्रसारण के बाद पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक अभिजीत घोषाल का "राम भजन प्रवाह" कार्यक्रम भी आयोजित हुआ।

अभिजीत ने राम की महिमा और उनके जीवन आलोक से जुड़ी मनभावन भजन प्रस्तुतियां दी। अभिजीत घोषाल ने राम के 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटने पर मनाए गए उत्सव से जुड़े गान "श्री राम आए, रघुनंदन हम गाएं, उनके स्वागत में हम दीप जलाएं..." से राम भजन प्रवाह का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने "श्री राम के शरणागत हो लें, सब काम बन जाए.. हे राम, हे राम..." की सुमधुर प्रस्तुति देते हुए सभी को राममय कर दिया। उन्होंने लक्ष्मणाचार्य लिखित "रघुपति राघव राजा राम" की भी प्रस्तुति दी। उनके साथ ही उपस्थित जन भी समवेत स्वरों में इस भजन को गाते हुए भाव विभोर हो उठे। इसके बाद उन्होंने "श्री राम शोभा नाम", "श्री राम लल्ला", "गंगा महिमा", "शिव महिमा गान" और अन्य सांगीतिक भजन प्रस्तुतियों से उपस्थित जनों को भक्ति भावों से सराबोर री कर दिया। भजन प्रवाह के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र ने कलाकार अभिजीत घोषाल को शाल ओढ़ाकर विशेष रूप से सम्मानित किया। राज्यपाल के मुख्य सचिव सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल ने आगंतुक गणमान्य लोगों की अगवानी की।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में अयोध्या के श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण देखा।

परिवहन दस्ते पर हमले करने वाले तीन गिरफ्तार

जयपुर। सेज थाना पुलिस ने 21 जनवरी को वाहन चेकिंग के दौरान परिवहन दस्त पर हमले करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त एक बस और इनोवा कार भी जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम संजीव नैन ने बताया कि सेज थाना पुलिस ने 21 जनवरी को वाहन चेकिंग के दौरान परिवहन दस्त पर हमले करने वाले कमल कुमार शर्मा,मुकेश कुमार शर्मा,और बाबूलाल शर्मा को गिरफ्तार किया गया है और तीनों ही आरोपित भंभोरिया सेज के रहने वाले है।

करधनी में ब्याज माफिया से परेशान युवक ने फांसी लगाई

जयपुर। करधनी इलाके में ब्याज माफिया से परेशान होकर फांसी का फंदा लगाकर एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के भाई ने थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि नवलगढ झुंझुनू निवासी बाबूलाल सैनी (40) ने आत्महत्या की है जो गोविंदपुरा करधनी में किराए के कमरे में रहकर लोहे की फैबरिकेशन का काम करता था। जिसने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। अगले दिन सुबह कमरे से बाहर नहीं निकलने पर पड़ोसी साथी पहुंचे तो कमरे में बाबूलाल का शव फंदे से लटका मिला। आत्महत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फंदे से शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया हॉस्पिटल की मोर्चरी में भिजवाया।

अयोध्या का श्रीराम मंदिर प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरवान्वित क्षण : सतीश पूनियां

पूनिया ने गोविंददेवजी मंदिर में संतों, भाजपा कार्यकर्ताओं व आमजन के साथ अयोध्या के श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लाइव देखा

जयपुर (कासं)। पवित्र नगरी अयोध्या में भव्य मंदिर में भगवान श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा पर भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने जयपुर में चांदपोल स्थित भगवान रामचंद्र जी मंदिर में पूजा अर्चना व दर्शन कर प्रदेश और देश की खुशहाली की कामना की और मंदिर जयश्रीराम के नारों से गुंजायमान रहा।

अयोध्या में भगवान श्रीराम के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सतीश पूनियां ने जयपुर के आराध्य भगवान गोविंद देवजी मंदिर में संतों, जयपुरवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एलईडी स्क्रीन पर लाइव देखा और कहा कि अयोध्या में रामलला विराजमान का पवित्र दिन प्रत्येक सनातनी और भारतवासी के लिए सौभाग्यशाली और गौरवान्वित क्षण है। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष, बलिदान और त्याग के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम जी के भव्य मंदिर निर्माण से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक इस लम्बी यात्रा में असंख्य कार सेवकों का योगदान रहा, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता से राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिसके 140 करोड़ भारतीय साक्षी बने हैं। साथ ही मोदी सरकार ने दृढ़ संकल्प से देश के बुनियादी और वैचारिक मुद्दों के समाधान से पूरी दुनिया में भारत का स्वाभिमान बढ़ाने का कार्य किया है और कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाकर आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये मोदी सरकार कार्य कर रही है।

प्रदेश से बाहर की विधवा अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 में प्रदेश से बाहर की विधवा अभ्यर्थियों को अधिक अंक के बावजूद नियुक्ति नहीं देने पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

अदालत ने राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि प्रदेश से बाहर की विधवा महिला अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की क्या मंशा है? जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश सुनीता कुमारी व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि यदि राज्य सरकार की ओर से जवाब नहीं दिया जाता तो 24 जनवरी को संबंधित अधिकारी पेश होकर इस संबंध में स्पष्टीकरण पेश करे।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रामप्रताप सैनी और अधिवक्ता आमिर खान ने अदालत को बताया कि अदालत की ओर से नोटिस जारी करने के बाद अब तक चार बार प्रकरण की सुनवाई हो चुकी है, लेकिन राज्य सरकार और कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से अब तक अपना जवाब पेश नहीं किया गया है। दो माह पूर्व भी राज्य के महाधिवक्ता ने पेश होकर कहा था कि याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति देने पर विचार किया जाएगा। इसके बावजूद भी तक तक इस संबंध में अदालत को लिखित जानकारी नहीं दी गई। याचिका में कहा गया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 16 दिसंबर, 2022 को तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे। जिसमें याचिकाकर्ताओं ने विधवा कोटे में आवेदन किया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता प्रदेश से बाहर की विधवा महिलाएं हैं। उनके अंक सामान्य विधवा अभ्यर्थियों से अधिक आए हैं। इसके बावजूद भी उन्हें नियुक्ति नहीं दी जा रही है। जबकि उनसे कम अंक रखने वाली कई अन्य महिला अभ्यर्थियों को करीब तीन माह पूर्व नियुक्ति दी जा चुकी है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को इस संबंध में अपनी मंशा बताने को कहा है।

जे.डी.ए. को 700 करोड़ रु. देने वाली नींदड़ योजना पिछले 5 सालों से ठंडे बस्ते में पड़ी

इस योजना के लिए जमीन गवां देने वाले किसानों को भी मुआवजे का लंबे समय से इंतजार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के खजाने में 700 करोड रुपए देने वाली सीकर रोड की पॉश 'नींदड़ योजना' पर पिछले कांग्रेस राज में कोई काम नहीं हुआ। जेडीए के जिम्मेदार अधिकारी इस योजना को लेकर लापरवाह हैं, नतीजन पिछले 5 सालों से यह स्कीम तो ठंडे बस्ते में पड़ी है ही, दूसरी तरफ जिन किसानों ने जमीन गवां दी, उन्हें भी मुआवजे का लंबे समय से इंतजार है। भाजपा सरकार आने के बाद अब किसानों को मुआवजा की उम्मीद बंधी है, साथ ही योजना के जमीन पर उतरने की संभावना है।

जयपुर की मुख्य सीकर रोड पर ग्राम नींदड़ में जेडीए ने 14 साल पहले यहां बड़ी आवासीय योजना प्रस्तावित की थी। कई किसानों से योजना के नाम पर उनकी जमीन भी ले ली गई। ना तो योजना पूरी तरह धरातल पर उतर पाई और ना ही किसानों को अपनी जमीन देने के बावजूद इतने सालों में अब तक मुआवजा मिल पाया। यह योजना इतनी बड़ी है और यहां के मौजूदा बाजार भाव की बात करें तो इस अकेली योजना से जेडीए को करीब 700 करोड रुपए का राजस्व मिल सकता है। चार साल पहले किसानों के एक धड़े ने अधिक मुआवजे की मांग पर आंदोलन किया था। उसके बाद यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

- **सीकर रोड पर हरमाड़ा के नजदीक नींदड़ ग्राम में पिछले 14 सालों से प्रस्तावित है योजना**
- **करीब 327 हैक्टेयर भूमि पर काटी जानी थी योजना, 286 हैक्टेयर जमीन अवाप्ति की पहली अधिसूचना वर्ष 2010 में जारी हुई थी**

सूत्रों के मुताबिक नींदड़ आवास योजना करीब 327 हैक्टेयर में प्रस्तावित है। करीब 286 हैक्टेयर भूमि अवाप्ति के लिए पहली अधिसूचना 4 जनवरी 2010 को जारी की गयी थी। शेष 41.45 हैक्टेयर भूमि जविप्रा की स्वंय की भूमि है। भूमि अवाप्ति का अवार्ड दिनांक 31 मई 2013 को जारी किया गया। 41.27 हैक्टेयर भूमि का नकद मुआवजा सिविल कोर्ट में जमा कराया जा चुका है। अवाप्ति के खिलाफ काश्तकारों की ओर से दायर याचिकाओं को हाईकोर्ट खारिज कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने भी 4 सितम्बर 2018 के अपने आदेश में अवाप्ति की प्रक्रिया को सही माना। करीब 600 खातेदार जेडीए के पक्ष में अपनी 122 हैक्टेयर भूमि समर्पित कर चुके हैं। योजना से प्रभावित करीब 600 खातेदार अपनी खुद की जमीन जेडीए को दे चुके हैं. इनमें से कई खातेदार पिछले 8 से 10 साल से अपनी जमीन देने के बदले मुआवजे का इंतजार कर रहे हैं। जल्द मुआवजा देने की मांग को लेकर नींदड़ आरक्षण पत्रधारी किसान संघर्ष समिति की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भी दिया।

जमीन देने वाले करीब 450 खातेदारों को जेडीए आरक्षण पत्र जारी कर चुका है। इन खातेदारों को 20 फ्रतिशत आवासीय व पांच प्रतिशत व्यावसायिक भूमि देने का आरक्षण पत्र दे चुका है। गत 27 नवंबर 2017 को जेडीए ने करीब 90 खातेदारों को भूखंड आवंटित किए थे।

इन किसानों की मांग थी कि हम अपनी जमीन दे चुके हैं, हमारे पास रहने के लिए कोई जमीन नहीं बची है। ऐसे में मकान बनाने के लिए जेडीए ने लॉटरी के माध्यम से भूखंडों का आवंटन किया था लेकिन पूरा 25 प्रतिशत विकसित भूखंड का मुआवजा नहीं दिया गया था। करीब 150 खातेदार ऐसे हैं, जिन्होंने वर्ष 2020 तक जेडीए को अपनी जमीन समर्पित कर दी थी लेकिन जेडीए ने इन्हें 4 साल बीतने के बावजूद आरक्षण पत्र जारी नहीं किया है। इस तरह करीब 600 खातेदार या किसान योजना के लिए अपनी जमीन दे चुके हैं, लेकिन जेडीए ने इन्हें विकसित भूखंड का पूरा मुआवजा अब तक नहीं दिया है। जेडीए 1 जनवरी 2020 को यहां काम शुरू किया था लेकिन किसानों के एक धड़े ने अधिक मुआवजे की मांग को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया बाद में इन किसानों की मांग को लेकर जेडीए और राज्य सरकार के स्तर पर बैठक भी हुई।

इस मौके की भूमि पर प्रस्तावित यह नींदड़ आवासीय योजना जेडीए का खजाना भर भर सकती है। क्योंकि यह योजना सीकर रोड पर 14 नंबर पुलिया से मात्र डेढ़ से 2 किलोमीटर दूरी पर है। योजना की भूमि सीकर रोड से बिल्कुल लगती हुई है। यहां आवासीय और व्यावसायिक बाजार भाव 40 हजार से एक लाख रुपए प्रति वर्ग गज तक हैं। इस कुल योजना का 40 फीसदी हिस्सा सुविधा क्षेत्र और सड़क के लिए प्रस्तावित है। करीब 25 फ़ीसदी जमीन किसानों को बतौर मुआवजे दी जानी है। इस तरह जेडीए के खुद के पास 35 फ़ीसदी जमीन बचेगी।

यहां का बाजार भाव तो जेडीए को करीब 700 करोड रुपए का राजस्व मिल सकता है। मुआवजे का इंतजार कर रहे किसानों को अब प्रदेश की नई सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं, उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा सरकार इस योजना को जरूर साकार करेगी।

सनातन धर्म का 500 साल का इंतज़ार ख़त्म : दिया कुमारी

जयपुर (कासं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को सिटी पैलेस स्थित सीतारामद्वारा में श्रीराम का पूजन किया। दिया कुमारी ने पूजा-अर्चना कर सम्पूर्ण प्रदेश के कल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने अंबाबाडी स्थित राममंदिर से विश्व हिन्दू परिषद की रामरथ यात्रा को रवाना किया। उपमुख्यमंत्री ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम विद्याधर नगर के प्रसिद्ध मंदिर ढेहर का बालाजी परिसर में बड़ी स्क्रीन पर लाईव देखा, प्राण-प्रतिष्ठा पूर्ण होने पर श्रीरामलला की आरती की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत का उद्बोधन सुना। इस अवसर पर विद्याधर नगर के पार्षद, प्रमुख कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। दिया कुमारी ने भारी संख्या में एकत्र आमजन को संबोधित करते हुए उन्हे इस ऐतिहासिक क्षण के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हिन्दु धर्मावलंबियों का पाँच सौ सालों का इंतज़ार आज समाप्त हो गया। ये ऐतिहासिक घडी हमारे जीवन में आना केवल माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़निश्चय का परिणाम है। उन्होंने इससे पहले विद्याधर नगर के मंगलम विहार में कलश यात्रा और कार्यक्रम के बाद सेंट्रल स्पाइन व्यापार मंडल द्वारा आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में भी भाग लिया।

सार-समाचार

निवारू रोड पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ

जयपुर। प्रभु श्रीराम की मूर्ति की अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष में सोमवार सुबह 11 बजे श्री निर्जेश्वर महादेव राधा गोविंद मंदिर गणेश नगर निवारू रोड में संगीतमय सुंदरकांड और भजनों का कार्यक्रम रखा गया। जहां वार्ड 43 की पार्षद अर्चना शर्मा व समाजसेवी कन्हैयालाल प्रधान ने क्षेत्र के कार सेवकों को भगवान श्री राम की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान किया गया। अरूण भारद्वाज ने पार्षद अर्चना शर्मा व समाजसेवी कन्हैयालाल प्रधान का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया।

प्रेसिडेंट एकादश ने मैच जीता

जयपुर। माथुर सभा की ओर से आज़ाद मैदान जगतपुरा में रविवार को वार्षिक क्रिकेट मैच खेला गया। प्रेसिडेंट इलेवन ने यह मैच 3 विकेट से जीता। वाईस प्रेसिडेंट इलेवन ने 131 रन बनाय। ऋषभ ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। अमन, अक्षत और अतिन ने 2-2 विकेट चटकाय. जवाब में प्रेसिडेंट इलेवन ने 7 विकेट पर यह लक्ष्य हासिल किया। मैन ऑफ द मैच सिद्धार्थ ने 3 विकेट लिए और बेस्ट बैट्समैन कार्तिक को दिया गया।

हनुमान चालीसा पाठ व पौषबड़ा कार्यक्रम

जयपुर। श्री राधे गोविंद मंदिर केश्यावाला श्योसिहपुरा में अयोध्या राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में हनुमान चालीसा व पौषबड़ा कार्यक्रम समस्त ग्रामवासियों की ओर से आयोजित किया गया। भगवान को भोग लगाने के बाद प्रसादी वितरित की गई।

राम भक्तों ने निकाली प्रभातफेरी

जयपुर। अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में वार्ड नंबर 86 में सोमवार सुबह नगर भ्रमण और प्रभात फेरी निकाली गई। भव्य झांकी के साथ स्थानीय लोगों ने नगर भ्रमण किया। कई जगहों पर प्रभातफेरी पर पुष्प वर्षा की गई। पूरा माहौल राम मय हो गया, इस मौके पर सैकड़ों राम भक्त मौजूद थे। इनमें मनोज गोतोड़, राज भँवर सिंह, गिरवर सिंह, रतन लाल गुप्ता, घनश्याम खंडेलवाल, मोहन लाल, भवानी सिंह, गिराज सेन, राजेंद्र सिंह व हनुमान कुमावत मौजूद थे।

राममय माहौल के बीच सुन्दरकांड पाठ

जयपुर। सारस्वत ब्राह्मण समाज जिला जयपुर, सारस्वत महिला मण्डल और सारस्वत युवा मण्डल के संयुक्त तत्वाधान में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विश्वगुरू दीप आश्रम श्यामनगर, सोडाला में भव्य सुंदरकांड और भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। सारस्वत ब्राह्मण समाज के महामंत्री सुरेश सारस्वत ने बताया संरक्षक अजय ओझा द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ समाज बंधुओं ने विद्वान पंडितों के साथ विधिवत सुंदरकांड का पाठ किया और देश की तरक्की के लिए कामना और प्रार्थना की। रवीन्द्र शर्मा ने शक्ति और भक्ति से ओतप्रोत भजन सुनाया। प्रसिद्ध शेफ शकुन्तला ओझा ने हाथ से बनाये पेड़ों की प्रसादी का वितरण किया। शकुंतला ओझा व डॉ. सरीना कालिया को सम्मानित किया गया। अशोक ओझा और अरुण ओझा ने बताया ये उनका 590 वाँ सुंदर कांड पठन है। सारस्वत महिला मण्डल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने बताया कि उपस्थित समाज बंधुओं ने राम मय माहौल में भजन कीर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन आर. जे. राखी शुक्ला, उपाध्यक्ष सारस्वत महिला मंडल तथा रविंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर पौषबड़े का आयोजन भी किया गया।

गौशाला में दीप महोत्सव का आयोजन

जयपुर। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रथिष्टा को लेकर जयपुर के मंदिरों के अलावा प्रदेश की गौशालाओं में भी भव्य आयोजन हुए। श्रीपिंजरापोल गौशाला, टोंक रोड, जयपुर में भारतीय गौशाला सहयोग परिषद व श्रीपिंजरापोल गौशाला समिति के संयुक्त् तत्वावधान में प्रात: पंचगव्य से गौमाता का स्नान कराया गया। परिषद के संरक्षक डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि साथ ही गौठान की साफ-सफाई कर शाम को लाइटिंग की गई। गौशाला परिसर में देर रात तक गौमाता को रामधुनी सुनाई गई। शाम 4 बजे सुंदरकांड का पाठ किया गया। सुंदरकांड पाठ के बाद भगवान राम दरबार का पूजन कर भक्तों ने गौमाता का अभिषेक किया। देर शाम को गौशाला परिसर में गाय के गोबर से बने 5100 दीपकों से दीप महोत्सव मनाया गया। दीप महोत्सव के बाद गौभक्तों के लिए प्रसादि का भी आयोजन किया गया।

9 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान के तहत विधायकपुरी एवं रामगंज थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 09 किलों 740 ग्राम गांजा और 1 किलो 920 ग्राम भांग बरामद किया है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि सीएसटी ने विधायकपुरी न्न रामगंज इलाके में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने श्रवण यादव (28) निवासी सामोद जिला जयपुर ग्रामीण,राजेश उर्फ राजू यादव (30) निवासी गोविंदगढ़ जिला जयपुर ग्रामीण और गंगा साह (56) निवासी बेलहर जिला बांका (बिहार) हाल रामगंज को गिरफ्तार कर 9 किलों 740 ग्राम गांजा और 1 किलो 920 ग्राम भांग बरामद की है।

ARBiT
it happens here...

Speak Up and Succeed Day

Throughout human history, various cultures have sometimes embraced and sometimes rejected the idea of *speaking up*. The days, when employees will simply blindly follow their leaders without speaking up, are coming to an end. And that's a good thing! In this new era of giving everyone a voice, the idea of creating a *speak up culture* in companies and workplaces continues to grow and develop. *Speak up and Succeed Day* is here to encourage those who have something to say, to go ahead and say it, in a meaningful and respectable manner.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
23 January 2024
A-B

#EVENT

THE ART OF HABITS

"In the Era of Digitalization, where we are all glued to the screens of our devices, processing our brains with AI, internet, and vast information, it is crucial to train our minds and develop habits that are not only versatile but also meet the evolving needs of the hour," said Neha Dhadda.

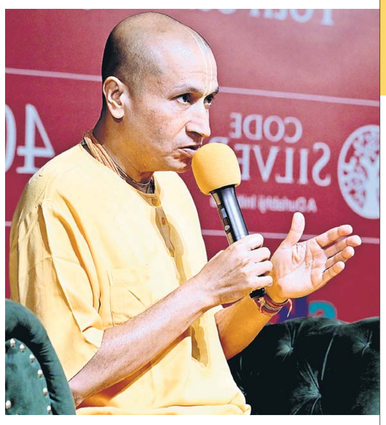

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Adapting to the Digital Age

In a recent event, FICCI FLO Jaipur orchestrated a captivating Talk Session featuring Gauranga Das, a distinguished motivational speaker and author. The session, themed around "The Art of Habits," aimed to enlighten attendees on the profound significance of personal development in the digital era.

Neha Dhadda, Chairperson of FLO Jaipur Chapter, stressed the importance of cultivating *versatile and meaningful habits* in an era dominated by constant digital stimuli.

"In the Era of Digitalization, where we are all glued to the screens of our devices, processing our brains with AI, internet, and vast information, it is crucial to train our minds and develop habits that are not only versatile but also meet the evolving needs of the hour," said Neha Dhadda.

Pillars of Habit Transformation

Focus: Overcoming Mind's Three Cancers

Gauranga Das elucidated the challenges, posed by a distracted mind in an age, bombarded by data, especially through social media. He identified complaining, comparing and criticizing as the three cancers of the mind, urging individuals to embrace their unique capabilities.

Intention: Setting the Right Course

Emphasizing the paramount role of intention, Das urged the audience to purify their motives. He underscored the need for intentions rooted in love, rather than being swayed by greed or fear.

Resilience: Bouncing Back from Defeats

Discussing internal mental strength, Das encouraged cultivating resilience, the ability to overcome provocation and respond effectively to challenges. Resilience, he stressed, hinges on a steadfast sense of one's unchanging identity.

Empathy: Breaking the Chains of Self-Obsession

Das delved into the root cause of bad habits, advocating for empathy, the ability to view others with compassion. Breaking free from self-obsession, he suggested, is vital for ethical living.

Holistic Approach: Balancing Development

Gauranga Das highlighted the need to prioritize family bonds alongside educational and economic development.

ABCD Approach: Mastering the Art of Habits

Introducing the ABCD approach for mastering the art of habits:

- Association with Like-Minded People
- Books that add value to our lives
- Contemplation of Self
- Diet that nourishes the body

This holistic approach, according to Das, serves as a roadmap for individuals striving to master their habits and navigate the complexities of modern life.

Vijaynagar salient has now grown to a total of 16 villages, primarily inhabited by *Lishus* and ex-servicemen of *Assam Rifles,* with a population of up to 6000. Due to its geographical peculiarity, the settlement is completely dependent on its air link for transportation of men, material and supplies. Assam Rifles, in coordination with the Indian Air Force, provides air transportation for the population of Vijaynagar. These air sorties endeavour to provide a link between the isolated salient and Upper Assam, despite constraints of extremely unpredictable weather conditions. As there is no public distribution system presently functioning in Vijaynagar, Assam Rifles has been assisting local population to fulfil their requirements of essential goods and commodities, by ferrying them from the open market and supervising its sale through village authorities at market prices.

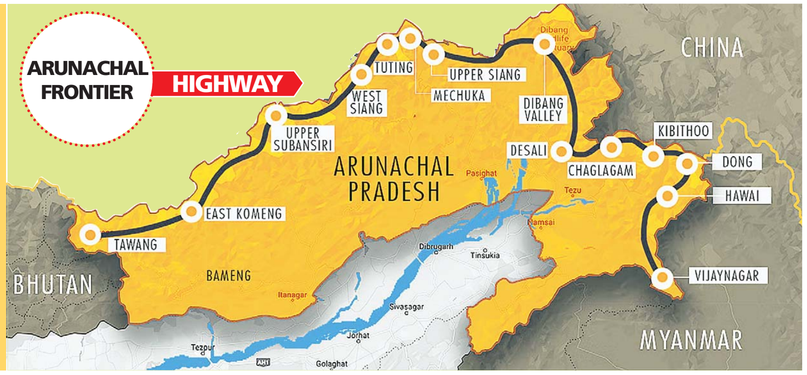

Constructing To Win A War!!

Major Vishnu Kumar Mishra (SO1 (G), HQ 25)

#THE LASTING TALE

Vijaynagar salient is located in the eastern frontier of the nation, colloquially called "East of the North East." Approximately *2059 square kilometres of land* is located near the tri-junction of India, Myanmar and China, jutting inside the unstable Kachin State of Myanmar. The discovery of the salient dates back into the history during pre independence era. The region was then administered by North-East Frontier Agency (NEFA), which was one of the political divisions in British India and existed as hitherto fore, as part of the Indian Republic till 1972, when *Union Territory of Arunachal Pradesh* was established.

Vijaynagar can only be reached on foot or by air via the Vijaynagar Airport (also called the 'Vijaynagar Advanced Landing Ground'). This is the 8th Advanced Landing Ground (ALG) in Arunachal Pradesh, upgraded by the Indian Airforce (IAF) and Indian Army (IA) in September 2019, to allow the landing of fighter jets and large transport planes. The upgrade involved building local link roads among villages around Vijaynagar.

A road connection to nearby Miao, costing 225 crores, was dedicated in February 2013 but has been delayed by environmental activists, concerned about the National Park. The issue was resolved by adding a prefabricated bridge to protect park life, and facilitate monitoring by the Forest Department. In September 2019, the Governor of Arunachal Pradesh ordered new construction by first completing the central bridge road, already being built in Kolkata. There are plans to extend this road to Putao Airport in Myanmar under the Look East policy, thus connecting it to both, India's and Myanmar's national highway networks.

The first mention of the isolated salient, appeared in the history in 1945, during WW II. During invasion by the Japanese Forces along India - China - Burma frontier, the Allied forces, while retreating from Fort Hertz (now Putao, Myanmar), accidentally, took the route through 'Chaukhan Pass' and reached Miao, after a treacherous foot journey of three weeks. The forces were rescued by Assam Rifles troops and were maintained by air drops during the period. The brave soldiers of the Assam Rifles, who took part in the rescue operations, were awarded by the Royal British Army.

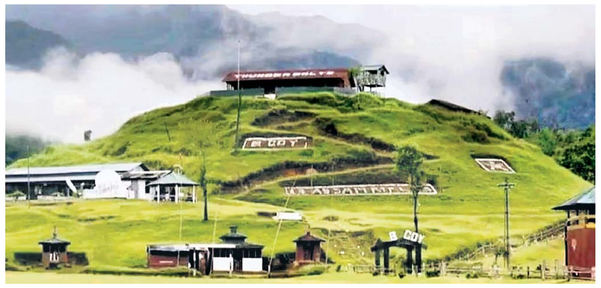

Assam Rifles Post at Vijaynagar.

> During invasion by the Japanese Forces along India - China - Burma frontier, the Allied forces, while retreating from Fort Hertz (now Putao, Myanmar), accidentally, took the route through 'Chaukhan Pass' and reached Miao, after a treacherous foot journey of three weeks.

In 1950s - 1960, during demarcation and delineation process of boundary between India and Myanmar, area, ahead of Miao Bum, was not known due to lack of cartographic details. Almost at the same time, Chinese tribals, called *Lishus* or *Yobins* were reported to be making ingress into the uninhabited Indian Territory, especially in Vijaynagar. Their hunter parties, in pursuit of musk deer, discovered the valley, cleared some patches of jungles and started settling down.

The reconnaissance attempts 'to identify land routes to the valley' were made in February 1953 by the Assistant Political Officer of Tirap and in June 1960, by a column of 7 Assam Rifles. However, both these attempts were abandoned owing to extremely hostile weather conditions.

Prior to 1960, very little was known to the outside world about Vijaynagar. In a signal, written by Mr C H Kahre, Deputy Advisor to Governor in December 1961, he expressed the concerns over immigration from Burma into our territory. He also mentioned the urgent requirement for construction of Dakota airstrip and positioning of minimum one wing of Assam Rifles in the area. He urged the government for establishment of civil administration and introduction of, as many volunteers as possible, into the settlement.

Prior to Chinese aggression in 1962, requirement of 'Indian inhabitation' in the area was necessitated by the Government of India. Consequently, in October 1961, Brig. (later, Maj. Gen.) Ajit Singh Guraya, Inspector General, Assam Rifles, decided to lead an expedition to the Chaukan Pass, himself. An expedition named *SRI-JITGA II* was organized for reconnaissance of land routes to the Chaukan and Hukawng passes. The aim was to establish 'Indian Administration in the area by opening an *Assam Rifles post* at a suitable place, from where foreign intrusion into our territory could be checked.' With steely resolve and herculean efforts, the Assam Rifles expedition, under the leadership of Brig. Guraya, achieved success. After concerted efforts for almost one year, platoon strength of 7 Assam Rifles was stationed in November 1961, which named the place as "Vijaynagar."

Indian government subsequently colonised the remote but strategic location, with 200 families of Assam Rifles ex-servicemen in four batches, from 1963-64 to 1970-71. They were transported to Vijaynagar by Dakota aircraft and landed at Advance Landing Ground, which was prepared by the troops of Assam Rifles. The ex-servicemen were given incentives in the form of cash, cattle, houses, land and free air transportation.

Vijaynagar salient has now grown to a total of 16 villages, primarily inhabited by *Lishus* and ex-servicemen of *Assam Rifles* with a population of up to 6000. Due to its geographical peculiarity, the settlement is completely dependent on its air link for transportation of men, material and supplies. Assam Rifles, in coordination with the Indian Air Force, provides air transportation for the population of Vijaynagar. These air sorties endeavour to provide a link between the isolated salient and Upper Assam, despite constraints of extremely unpredictable weather conditions. As there is no public distribution system presently functioning in Vijaynagar, Assam Rifles has been assisting local populations to fulfil their requirements of essential goods and commodities, by ferrying them from the open market and supervising its sale through village authorities at market prices.

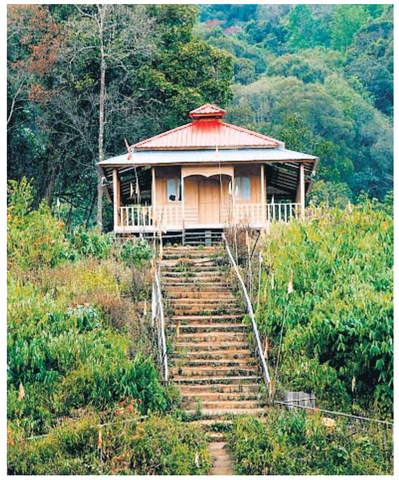

> All houses have been lit up by Assam Rifles by distribution of state-of-the-art solar lights. In the past few years, major projects have been undertaken by the Assam Rifles to connect this salient to the rest of the country.

Since commencement of the settlement process, the force has helped establishing inhabitation in the salient, by providing assistance in allotment of land, building houses and development of properties and continues to aid villagers in times of emergent need. The *air-maintained Company Operating Base of Assam Rifles* at *Vijaynagar* provides a sense of security and normalcy in the border area in the absence of a police station or a police representative.

Assam Rifles has been providing medical assistance to the needy residents, as a part of its civic action programmes, which aim at 'instilling a sense of care and feeling to the citizens.' The doctor of the Assam Rifles, posted at Vijaynagar, provides medical cover to the patients. Assam Rifles troops often give preference to the locals so that sick and needy residents could be flown to Dibrugarh in the Assam Rifles Air maintenance sortie. To augment the communication infrastructure, Assam Rifles post has opened the services of its DSPT to the local public, as there is no other telecom connectivity in the region. Assam Rifles has constructed a 'community hall,' having a dish antenna and television for the local population to enable them to know and connect to the happenings with rest of the country.

All houses have been lit up by Assam Rifles by distribution of state-of-the-art solar lights. In the past few years, major projects have been undertaken by the Assam Rifles to connect this salient to the rest of the country.

Another milestone, to provide land connectivity to Vijaynagar, was achieved recently through the concentrated efforts of the 'Assam Rifles' in projecting the requirement of road connectivity in all government forums. It culminated into a successful survey by the 'Border Roads Organization' in September 2019. The land connectivity is now expected to be resumed in a faster timeframe.

Living up to the motto, "Friends of the North East People," Assam Rifles has retained its focus, in positive frame, to build future of local population at Vijaynagar and contribute towards socio-economic development of the society, in general, and towards nation building, in particular.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SYMBOLISM

Significance and Meaning of *Saffron* Colour

The scientific reason behind *Indian saints* wearing *saffron* colour!

Often, *saffron* is touted as nothing more than a religious colour that holds mythological significance. When we look at it spiritually, the colour resonates with two auspicious things in Hindu mythology, the colour of the sunrise/sunset (*sandhya*) and of fire (*agni*).

The *Sun* and the *Fire* are two of the most important elements that hold significant powers. But, as it is a world that is raged by science today, we can't help but ask if there is a scientific reason behind *saints* wearing the colour *saffron* in India?

Though, the reason may not be exactly what resonates in their minds, when they wear it, was there any reasoning behind it 'being so' in the first place? Read along to understand the science behind this choice of colour and he has interesting scientific insights to share.

The *seven chakras*

The seven primal colours are associated to *seven chakras* of our body. These are red, saffron/orange, yellow, green, blue, indigo and violet. Every colour has a different wavelength and has different impacts on our minds when we look at them and / or concentrate on them.

Colour vibration therapy

When we see a colour, it forms an image on the retina which is transformed into electrical signals which are then sent to the brain. The optic nerve of the eye connects it to the visual cortex and other areas of the brain. This is what makes different colours send different vibrations to the brain.

The *red chakra*

Now, the *red chakra* is the first chakra and is the *muladhar* or the root chakra, which is related to the genital area. It is the most important for your survival as it is the *instinctual chakra*. This chakra is associated with the primal energy and manages the musculoskeletal system of the human body.

The *saffron chakra*

Moving on to the second primary chakra, that is the *saffron chakra*, also called *Svadhishthana or the Sacral chakra*. It is associated to one's colon, bladder, kidney, reproductive system and urinary bladder. Buddhists also believe that orange is the colour of bliss as it is the amalgamation of red and yellow. Concentrating on the orange colour can yield multiple benefits in one's life, both, on the mental as well as physical plane.

How colours heal

This is the science of *vibration* that uses colours to heal. People facing fatigue problems are asked to concentrate on *lord Hanuman*. Now, the colour of lord Hanuman is red, a colour that denotes strength and stamina. When one concentrates on lord Hanuman, he/she also indirectly concentrates on the colour red, making it 'colour vibration therapy.'

It is science!

Saints wear *saffron* and it isn't just an unreasonable choice. There is science behind the choice of the colour and it is, in fact, the colour of the most *spiritual chakra*, one which has unimaginable healing powers.

In India, colours play a very important role in religion and cultures, showing a very deep significance that transcends purely decorative values. Artists use colour on the deities and their dresses signifying their qualities.

Proper use of colours creates an environment, which should keep a person cheerful. Some of the main colours used in religious ceremonies are red, yellow (turmeric), green from leaves, white from wheat flour, etc.

Hinduism

A colour of purity, it represents religious abstinence, purging and resultant purity. It is the colour of saints and ascetics, those who have renounced the world. Wearing *saffron colour* symbolizes the quest for 'Knowledge of Godhead.'

In symbolism, *Saffron* comprises of the colours of Sun, Mars and Jupiter that relates to something.

Driving the *Desire* (Mars) for Truth or *Moksha*, liberation (Sun) with the help of knowledge and one who dispels it (Jupiter).

When sages moved from one ashram to another, it was customary to carry fire along. The inconvenience to carry a burning substance over long distances may have given rise to the symbol of a saffron flag.

It is the colour of holy men and ascetics who have renounced the world. Wearing the colour symbolizes the 'quest for light.' It is the battle colour of the *Rajputs*, the warrior caste.

THE WALL

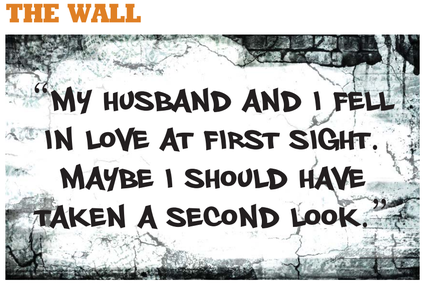

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

'500 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद रामलला को विराजमान करने का संकल्प पूरा हुआ'

बालोतरा, (निसं)। हिन्दू समाज की संस्कृति राम में ही है। मर्यादा को लेकर जिनके आदर्श प्रत्येक भारतवासी के कण-कण में है। सदियों से हमारे पूर्वजों ने रामलला को विराजमान करने का जो सपना संजोया था आज वो पूरा हुआ है। ये बात कथावाचक पुराण मार्तण्ड कथा रसज्ञ पंडित प्रमोद शास्त्री ने श्री राणी भटियाणी मन्दिर संस्थान (जसोलधाम) की ओर से चनणामाई मन्दिर में प्रभु श्रीराम मन्दिर (अयोध्या) प्राण प्रतिष्ठा के धार्मिक अनुष्ठान के तहत आयोजित हो रही रामकथा के अष्टम पर कही।

उन्होंने कहा आज समूचे विश्व के राम भक्तों का करीब 500 साल का लंबा इंतजार खत्म हुआ है। श्री रामचंद्र का अवतार दुष्टों का अंत करने और धर्म की स्थापना के लिए हुआ था। श्री राणी भटियाणी मन्दिर संस्थान अध्यक्ष रावल किशनसिंह जसोल ने कहा भगवान श्री राम देश का आत्मविश्वास है, 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद संकल्प पूरा हुआ, प्रधानमंत्री के मंगल हाथों से प्राण प्रतिष्ठा हुई। भारत को इसी दिन का इंतजार था। हमने इस दिन के लिए 5 शताब्दी का इंतजार किया है।

बालोतरा के निकट जसोल में धार्मिक अनुष्ठान के तहत कार्यक्रम आयोजित हुए।

अवध में प्रभु श्री राम मंदिर (अयोध्या) प्रतिष्ठा की खुशी में श्री राणी भटियाणी मन्दिर संस्थान (जसोलधाम) की ओर से जसोल ग्राम में प्रसाद का वितरण किया गया। संस्थान ने 3 हजार 500 पैकेट प्रसाद बना कर जसोल ग्राम के प्रत्येक घर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के सहयोग से वितरण किया। साथ ही संस्थान ने सभी ग्रामवासियों से सायंकाल में अपने-अपने घरों में दीपोत्सव करने का आव्हान किया। श्री राम मंदिर की प्रतिष्ठा को लेकर कथा स्थल पर बड़ी एलईडी लगाई गई। जिसके माध्यम से अयोध्या में प्रभु की प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को दिखाया गया।

संस्थान की ओर से आयोजित श्री राम कथा के अष्टम दिवस श्री राम मंदिर प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सुन्दकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमे भगवान राम का गुणगान किया गया। श्री राम कथा के अष्टम दिवस पर आरती लाभ गौड ब्राह्मण समाज की ओर से गोपिकिशन गौड ने लिया। इस दौरान संस्थान समिति सदस्य कुं. हरिश्चन्द्रसिंह, संस्थान सचिव गजेंद्रसिंह व घनश्यामसिंह शेखावत, वैदाचार्य दीपक भट्ट, पंडित मनोहरलाल अवस्थी, भूरसिंह सोढा, देवेंद्र कुमार, मुल्तानमल, पुखराज, नारायण, मूलाराम, देवाराम माली, पंचानाराम लोहार सहित सैकडों सनातन धर्म प्रेमीगण मौजूद रहे।

सड़क हादसे में दो जनों की मौत, एक घायल

एक और घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा-शाहपुरा मार्ग पर रामपुरिया के निकट रविवार देर रात को घटित सड़क हादसे में एक और घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही मृतकों की संख्या दो हो गई। वहीं एक अन्य घायल को उदयपुर रैफर किया गया है। वहीं मृतक के परिजनों व ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर मोर्चरी पर धरना शुरु भी दिया। चेतावनी दी गई है कि अगर मांग नहीं मानी गई तो स्टेट हाइवे जाम किया जायेगा।

- एक अन्य घायल को उदयपुर रैफर किया गया
- मृतक आश्रितों को मुआवजे की मांग को लेकर परिजन व ग्रामीण मोर्चरी पर धरने पर बैठे

मांडल पुलिस के अनुसार, शाहपुरा मार्ग पर रामपुरिया से आगे बाइक से सरदार नगर की ओर जा रहे तीन युवकों को किसी वाहन ने चपेट में ले लिया था। हादसे के बाद दुर्घटनाकारित करने वाला वाहन मौके से भाग निकला। हादसे में बाइक सवार सरदार नगर निवासी भंवर पुत्र मोहन गाडरी की मौत मौके पर ही हो गई। दो घायलों रामलाल पुत्र बालु जाट व कैलाश पुत्र गिरधारी गाडरी को एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां हालत में सुधार नहीं होने से कैलाश गाडरी को उदयपुर रैफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। कैलाश का शव परिजन एमजी अस्पताल ले आये।

वहीं मृतक आश्रितों को मुआवजे की मांग को लेकर परिजन व ग्रामीण एमजी अस्पताल की मोर्चरी पर धरने पर बैठ गये। ग्रामीण कालू जाट ने कहा कि हादसा एक खनन कंपनी के डंपर से हुआ है। ऐसे में मृतकों के एक-एक परिजनों को खनन कंपनी में नौकरी दी जाये। जाट ने कहा कि जब तक उनकी मांगें नहीं मान ली जाती, वे शव नहीं लेंगे। साथ ही चेतावनी दी कि अगर फिर भी मांगें नहीं मानी गई तो स्टेट हाइवे जाम किया जायेगा। उधर, मांडल पुलिस ने लोगों से समझाइश कर मामले को शांत करवाया है। मांडल चौकी प्रभारी चिराग खां कायमखानी का कहना है कि हादसे में घायल रामलाल जाट का उदयपुर के अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। वहीं दूसरी और हादसे में दो युवकों की मौत की खबर से सरदार नगर में शोक छा गया। शोक के चलते गांव के बाजार भी बंद रखे गए।

मारपीट के आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस पर हमला

आरोपी के परिजनों ने पुलिस पर पत्थरों से हमला कर दिया और आरोपी को भगा दिया

छबड़ा, (निसं)। पाली थाना क्षेत्र के सेमली गांव में सोमवार को मारपीट के आरोपी को पकड़ने गए पुलिस कर्मियों पर आरोपी के परिजनों ने पत्थरों से हमला कर दिया और आरोपी को पुलिस के कब्जे से छुड़ाकर भगा दिया। पुलिस ने एक दर्जन महिला पुरूषों के विरुद्ध पुलिस कर्मियों पर हमला करने एवं राजकार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। वहीं पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर घर की महिलाओं के साथ अभद्रता करने एवं मनगढ़ंत कहानी बनाकर झूठा फंसाने का आरोप लगाया है।

- एक दर्जन महिला-पुरूषों के विरुद्ध हमला व राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज

पली थानाधिकारी प्रहलादसिंह ने बताया कि घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में सेमली निवासी गोविन्द मीणा लगभग एक वर्ष से फरार चल रहा था। सोमवार को सूचना मिलने पर दोपहर 12 बजे हैड कांस्टेबल धर्मेन्द्र गालव, कांस्टेबल विनोद कुमार, उगमाराम, भरतसिंह बाइक से सेमली पहुंचे तो ट्यूबवैल से भागकर घर आते समय पुलिस कर्मियों ने गोविंद को पकड़ लिया। इस पर गोविंद के पिता लक्ष्मीनारायण, राधेश्याम, हंसराज, दिनेश, विमल, भांजा कमलपुरा निवासी पवन मीणा, महिलाएं राजबाई, राधाबाई, कांतिबाई, रूकमाबाई, नटीबाई, टिन्नी आदि ने गोविंद को छुड़ा लिया और सरसों के खेत में भगा दिया। यह सभी हम पुलिसकर्मियों से लामकझूमा हो गए और हम पर पत्थर फेंके। सूचना मिलने पर थानाधिकारी प्रहलादसिंह मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के हमले में धर्मेन्द्र व विनोद के चोटें भी आई है।

सेमली निवासी लक्ष्मीनारायण ने बताया कि गोविंद गांव में नहीं था, पुलिसकर्मी जब घर पहुंचे तो उन्होंने गोविंद को गिरफ्तार करवाने की बात कही और हमने कहा कि हमें उसके बारे में कोई जानकारी नहीं है तो पुलिस ने घर की महिलाओं के साथ अभद्रता की और हमारे साथ मारपीट की। पुलिस द्वारा मनगढंत कहानी बनाकर झूठी रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस के साथ कोई महिला कांस्टेबल भी नहीं थी। पूर्व महिला सरपंच राधाबाई ने पुलिस कर्मियों पर घर में घुसकर परिजनों के साथ अभद्रता व मारपीट किए जाने के मामले में छबड़ा पहुंचे एसपी को परिवाद सौंपकर मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की मांग की है।

तीन दशक बाद पहली बार नगर भ्रमण पर ठाकुरजी की शोभायात्रा निकली

ठाकुरजी की नगर भ्रमण यात्रा के साथ हजारों लोग शामिल हुए

लालसोट/मंडावरी, (निसं)। कस्बे में सोमवार को रामलला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तीन दशक बाद ठाकुर जी को नगर भ्रमण कराया गया।

इस अवसर पर ठाकुरजी की नगर भ्रमण यात्रा के साथ हजारों लोग जो भगवा जागृत रैली में शामिल हुए इसके साक्षी रहे। इस मौके पर सीताराम जी के मंदिर में छप्पन भोग की झांकी सजाई गई एवं लक्ष्मीनाथ मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों में भगवान को आकर्षक श्रंगार कर सजावट की गई। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के पर्व पर सुबह पांच बजे स्थानीय लोगों के एक जन समूह द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें राम के भजन एवं श्लोक उच्चारित करने से दिन की शुरुआत आध्यात्मिक रंग के साथ हुई। ऋषि के साथ महिलाओं द्वारा प्रत्येक घर के आगे राम नाम से ओत प्रोत रंगोलियां सजाई गई।

- शोभायात्रा में मौजूद महिला व पुरुषों ने धार्मिक भजनों पर नृत्य किया

इस मौके पर सुबह करीब 12 बजे कस्बे स्थित सीताराम मंदिर से ठाकुर जी की नगर भ्रमण शोभायात्रा रवाना हुई। जहां कस्बे के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई शोभायात्रा गुजरी। इस दौरान धर्मावलंबियों द्वारा फूलवर्षा भी की गई। शोभायात्रा में मौजूद महिला व पुरुषों द्वारा धार्मिक भजनों पर नृत्य किया गया।

मंडावरी कस्बे में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर ठाकुरजी की नगर भ्रमण शोभायात्रा निकाली गई।

इस आयोजन को लेकर व्यापार मंडल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों आदि द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। शोभायात्रा करीब एक किलोमीटर लंबी रही इसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों और एक किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें लग गई। जिसे शोभायात्रा में तैनात मंडावरी थाना अधिकारी धर्मेंद्र मीणा सहित पुलिस जाप्ते द्वारा मंडावरी थाना पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत कर यातायात चालू कराया गया। शोभायात्रा के अंत में ठाकुर जी की सामूहिक आरती पूजा की गई एवं प्रसादी का वितरण भी किया गया।

इस दौरान व्यापार मंडल महासंघ के अध्यक्ष सुरेश खानपुर, हलवाई संघ के अध्यक्ष मुकेश कुमार सैनी, हिंदू सनातन मंच के मंडल अध्यक्ष विनोद घी वाला, रेडीमेड कपड़ा संगठन के अध्यक्ष रामफल सैनी फल मंडी एसोसिएशन के अध्यक्ष पप्पू खटवा वाले, वस्त्र व्यापार संघ के अध्यक्ष गोपाल गोयल, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल मीणा, पूर्व प्रधान बदरी लाल मीणा, राजमल सोनी, सतीश चौधरी, अशोक चौधरी, कमलेश चौधरी, हुकम चंद हिंडोनिया, विशंभर चौधरी, विनोद बजाज, ब्राह्मण युवा संघ के अध्यक्ष दीपक भेडोल्या, देहात इकाई अध्यक्ष शिव कुमार आदि कई संगठनों के पदाधिकारी एवं भारी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब मौजूद रहा।

स्वप्न के आधार पर की खुदाई तो निकली हनुमान प्रतिमा

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के नवाडेरा क्षेत्र के साबेला तालाब के किनारे स्थित राम मंदिर परिसर क्षेत्र में एक युवक को आये स्वप्न के आधार पर जब खुदाई की गई तो बजरंगबली की प्रतिमा निकली। जैसे ही यह समाचार क्षेत्र में फैला तो बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी एकत्रित हो गए। जैसे-जैसे खबर फैलती गयी धर्मप्रेमियों का हुजूम उमड़ता गया और प्रतिमा पर फूल माला व सिंदूर, अबीर, गुलाल चढ़ा कर धर्म प्रेमी प्रभु श्री राम व बजरंगबली के जयकारे लगाते रहे।

मिली जानकारी के अनुसार सलूम्बर जावत निवासीलक्ष्मण नामक युवक को अपने गाव में पिछले 3 दिनों से डूंगरपुर नवेडेरा स्थित राम मन्दिर के निकट हनुमान प्रतिमा के भूगर्भ में होने के स्वप्न आ रहे थे तो इस सम्बंध में वह डूंगरपुर आया और क्षेत्र में दो दिनों से जगह ढूंढने घूमता रहा और उसके बाद उसने इस सम्बंध में ग्रामवासियों को जानकारी दी। जिस पर वहां पहुंचकर लोगों ने लगभग 6 फिट खुदाई के दौरान हनुमान की प्रतिमा नजर आयी जिसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद क्षेत्रवासियों ने जयकारे से वातावरण को गुंजायमान किया। वहीं कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। इस सम्बन्ध में यह बात भी सामने आ रही है कि उक्त जमीन अग्रवाल समाज की बतायी जा रही है।

खुदाई में निकली हनुमान प्रतिमा

- साबेला तालाब के किनारे राम मन्दिर के निकट खुदाई में निकली हनुमान प्रतिमा

भूल से गलत दवाई खाई, अस्पताल में मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान पुलिस थाना क्षेत्र स्थित मदेरणा कालोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने भूल से गेहूं में डाली जानी वाले दवाई का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने एमजीएच में भर्ती करवाया। मगर उसकी तबीयत बिगड़ती ही गई। उपचार के बीच मौत हो गई। इस बारे में पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव परिजन को सौंपा। माता का थान पुलिस ने बताया कि आसोप निवासी मूलचंद पुत्र भोलाराम सोनी ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 20 जनवरी को मदेरणा कॉलोनी क्षेत्र में रहने वाले उसके बहनोई ललित कुमार सोनी ने दवाई की जगह गेहूं में डालने वाली रासायनिक दवाई का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर इलाज के लिए महात्मा गांधी अस्पताल लेकर गए। जहां उपचार के बीच उसकी मौत हो गई।

आपसी विवाद के चलते मारपीट, मामले दर्ज

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के अलग-अलग थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के चलते मारपीट के प्रकरण दर्ज किए गए। संबंधित थाना पुलिस अब जांच कर रही है। सदर बाजार थाने में दी रिपोर्ट में आमली का बास घोड़ों का चौक निवासी मयंक पुत्र गुरूप्रकाश रांकावत ने पुलिस को बताया कि रात्रि के समय वह घोड़ों का चौक आया था, जहां पर करण सोनी ने उसके साथ मारपीट की।

वहीं नागौरी गेट थाने में दी रिपोर्ट में नागौरी गेट के बाहर जटिया कॉलोनी निवासी सूरज पुत्र रामकुमार जटिया ने पुलिस को बताया कि रात्रि के समय मौहल्ले में ही हिमांशु भाटी, खुशाल और प्रमोद भाटी ने उसका रास्ता रोककर मारपीट की। जिससे वह चोटिल हो गया। इधर देवनगर पुलिस ने बताया कि राजीव गांधी कॉलोनी पाल लिंक रोड निवासी टैक्सी चालक मनोहर सैन पुत्र शिवकरण सैन ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि रात के समय सरफराज भाई, मोसिमन, लक्की, समरी, और शांतिलाल ने रास्ता रोककर मारपीट जिससे वह चोटिल हो गया।

प्रतापनगर पुलिस ने बताया कि पांचीव रोड निवासी एक महिला ने बताया कि महेन्द्र, ललित आदि ने उसके घर में घुसकर मारपीट की। पुलिस ने लज्जाभंग में केस दर्ज किया। वहीं कुड़ी भगतासनी थाने में दी रिपोर्ट में हंसराज राठी ने पुलिस को बताया कि उसके प्लॉट पर कब्जा करने की नीयत से हनुमानराम, हेमाराम, रूपाराम, कुम्भाराम, जगदीश, फरसाराम, अजय उर्फ जसवंत वगैरा ने तोड़फोड़ की और नुकसान पहुंचाया।

क्वार्टज पत्थरों से भरे डम्पर जब्त

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने क्वार्टज पत्थरों से भरे हुए 6 डम्पर जब्त किए हैं। थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस ने राज्य सरकार के निर्देशों पर अवैध खनन व परिवहन पर कार्रवाई करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सोमवार को गस्त के दौरान गांव बहड से क्वार्टज पत्थरों से भरे हुए 6 डम्पर जब्त किए हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में चार चालकों को गिरफ्तार किया है। डम्परों में करीब 150 टन पत्थर भरा हुआ था।

हनुमान चालीसा और रामचरित मानस की मांग अचानक बढ़ी

बीकानेर, (कासं)। धार्मिक पुस्तकों का स्टॉक समाप्त होने व मांग बढ़ ने से गीता प्रेस गोरखपुर ने भी ऑर्डर लेने बंद कर दिए हैं। स्थानीय विक्रेताओं के पास सबसे ज्यादा हनुमान चालीसा और रामचरित मानस की बिक्री हुई है। सालभर में यह जितने बिकते थे। उतने एक सप्ताह में बिक्री हो जाने से स्टॉक समाप्त होने की स्थिति है। अयोध्या में श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में धार्मिक माहौल बना हुआ है। हर तरफ भगवान राम के भजन, हनुमान चालीसा तथा रामायण की चौपाईयों की गूंज है। वहीं मंदिरों में भी धार्मिक आयोजनों की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा। इस बीच शहर में धार्मिक पुस्तकों की मांग बीते दस दिन के दौरान कई गुणा देखने को मिली है। दुकानदारों को भी ऐसा माहौल बनने से भगवान श्रीराम से जुड़ी धार्मिक पुस्तकों की बड़ी तादाद में बिक्री होने का पहले अनुमान नहीं था। लिहाजा स्टॉक भी लगभग समाप्त हो चुका है।

यहां तक की गीता प्रेस गोरखपुर ने भी ऑर्डर लेने बंद कर दिए हैं। स्थानीय विक्रेताओं के पास सबसे ज्यादा हनुमान चालीसा और रामचरित मानस की बिक्री हुई है। सालभर में यह जितने बिकते थे, उतने एक सप्ताह में बिक्री हो जाने से स्टॉक समाप्त होने की स्थिति है। धार्मिक पुस्तकों के विक्रेता विश्वनाथ डागा ने बताया कि 25 साल में पहली बार हनुमान चालीसा, रामचरित मानस एवं सुंदरकांड पुस्तकों की इतनी मांग देखी गई है। नवरात्रा में दुर्गा सप्तशती की पुस्तकें अधिक बिकती रही हैं। धार्मिक पुस्तक विक्रेता सतपाल कौशिक ने बताया कि अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की 22 तारीख की घोषणा काफी पहले हो गई थी। परन्तु उस समय ज्यादा मांग नहीं होने से किसी ने प्रकाशकों को ऑर्डर नहीं दिए। अब बीकानेर में 100 से ज्यादा बड़े धार्मिक आयोजन होने से हनुमान चालीसा और रामचरित मानस और सुन्दरकांड की मांग अचानक ही बढ़ गई। आयोजक श्रद्धालुओं को यह धार्मिक पुस्तकें बांटने के लिए खरीद रहे हैं। गीता प्रेस गोरखपुर के पास भी स्टॉक नहीं है। अयोध्या के धार्मिक माहौल को देखते हुए दुकानों पर धार्मिक पुस्तकों की खरीद के लिए 50 फीसदी से ज्यादा ग्राहकी बढ़ गई है।

- सालभर में ये जितने बिकते थे, उतने एक सप्ताह में बिक्री हुई

युवक का शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रताप नगर थाना इलाके में मिर्ची मंडी के पास अचेत मिले युवक को एमजी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मोर्चरी में शव को सुरक्षित रखवाया है। रामनगर मिर्ची मंडी के पास (35) वर्षीय अज्ञात युवक अचेत मिला था, जिसे एंबुलेंस से एमजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोशल मीडिया के जरिए पुलिस ने युवक की पहचान के प्रयास शुरू किए हैं, हालांकि युवक की पहचान नहीं हो पाई है। मृतक नीले रंग की जींस, कत्थई शर्ट पहने है। दांयें हाथ में तांबे का कड़ा पहने हैं।

युवक को ट्रक ने कुचला, मौत

बीकानेर, (निसं)। नाल पुलिस थाना क्षेत्र में बीती रात राह चल रहे युवक को ट्रक ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक नोखा क्षेत्र के दासनूं गांव का रहने वाला था। जीवराज सिंह पुत्र सुगन सिंह इस क्षेत्र में मेहनत मजदूरी करता था। बीती रात को वह अपने परिजन के साथ पैदल जा रहा था। इसी दौरान ट्रक ने जीवराज सिंह को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जीवराज सिंह उछलकर सडक पर जा गिरा। उसके बाद ट्रक का पहिया जीवराज सिंह के उपर से निकल गया। जिससे जीवराज सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

उप कारागृह भीम के लिए 15 बीघा जमीन आवंटन, नहीं हुआ नवीन भवन निर्माण

उप कारागृह के लिए 10 वर्ष पूर्व 15 बीघा जमीन आवंटित हुई थी

भीम, (निसं)। उपकारागृह भीम के लिए 10 वर्ष पूर्व 15 बीघा जमीन आवंटन होने के बावजूद भी नवीन भवन निर्माण को लेकर इंतजार बना हुआ है। भीम जेल में 12 कैदियों की क्षमता है वर्तमान में 6 बंदी निरूद्ध है। भीम जेल में पुलिस थाना भीम, देवगढ़, दिवेर, बार एवं आबकारी थाना देवगढ़ आदि थानों के मुलजिम जेल में निरुद्ध रहते हैं। कभी-कभी तो भी जेल में 25 से 30 बंदियों को रखने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कार्यवाहक उपकारापाल विजय कुमार से प्राप्त जानकारी के अनुसार भीम उपकारागृह में एक उप कारापाल का पद स्वीकृत है जो वर्तमान में रिक्त है। हेड कांस्टेबल के चार पदों में से दो पद रिक्त हैं तथा कांस्टेबल के 11 पद है जो सभी कार्यरत हैं। भीम जेल के लिए वर्ष 2014 में नंदावट स्थित खसरा संख्या 1419 बटा 2546 में 2667 में 15 बीघा भूमि का आवंटन किया गया है। जिसे सीमांकन करवा दिया गया है तथा 15 सितंबर 2023 को तारबंदी हेतु 6. 50 लाख का प्रस्ताव जेल मुख्यालय जयपुर में पत्राचार किया गया है। भीम जेल में वर्ष 2014 से 17 तक जेल के भवन का रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के लिए करीब 10 से 15 लाख रुपए की लागत से निर्माण कार्य करवाया गया था, तब तक भीम जेल के बंदियों को ब्यावर जेल में शिफ्ट किया जाता था।

उपकारागृह भीम के बाहर तैनात जेल पुलिसकर्मी।

फरवरी 2023 से मार्च 2023 तक जेल सुरक्षा हेतु जेल के ऊपर डबल जाली लगवाया गया तब भी बंदियों को गंगानगर भीलवाड़ा जेल में शिफ्ट किया गया था। अगस्त 2023 को जेल की भूमि पर पत्थरगढ़ी और साइन बोर्ड लगाने हेतु तथा नवीन जेल भवन निर्माण हेतु बजट आवंटन को लेकर जेल मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

प्रबंधक निदेशन राजस्थान पुलिस आधारभुत संरचना एवं निर्माण निगम लिमिटेड जयपुर को 20 अप्रैल 2023 को नवीन जेल भवन निर्माण हेतु अनुमानित व्यय ब्यूरो भी प्रस्तुत किया गया है। भीम जेल के नवीन भवन निर्माण को लेकर स्थानीय जेल प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा सरकार के समक्ष पुरजोर मांग नहीं उठाने को लेकर नवीन जेल भवन निर्माण कार्य का मामला ठंडे बस्ते में है।

संक्षिप्त

श्री राम पुस्तकालय की स्थापना की

पीपलू। अयोध्या में श्री रामलला की जिस मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठापना हुई, उसी मुहूर्त में जयकिशनपुरा में भी बालिकाओं के लिए निःशुल्क पुस्तकालय श्रीराम पुस्तकालय की शुरुआत विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुई। इसकी शुरुआत से अब बालिकाओं को अपने गांव में ही शांत वातावरण में पढने की सुविधा मिल सकेगी। गांव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के नवाचारी शिक्षक दिनकर विजयवर्गीय ने बताया कि आज के समय में किसी गांव में लाइब्रेरी का होना उस गांव की तरक्की में बडा सहायक है।

विशाल भजन संध्या आज

निवाई। श्री गणेश्याम सेवा कुंज के तत्वावधान में मंगलवार को बच्चों की शिक्षा के लिए जैन कॉलोनी में विशाल भजनामृत गंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। चेतन पारीक ने बताया कि श्याम भजन संध्या के दौरान नरोत्तम अग्रवाल व मुरारी अग्रवाल द्वारा बाबा श्याम का विशेष दरबार का मनमोहक श्रृंगार करेंगे। इस दौरान दरबार के समक्ष अखंड ज्योत जलाई जाएगी। भजनामृत गंगा कार्यक्रम में गायक महेश दरगड, अनिल बावरा, महेश खण्डेलवाल, रवि पारीक, मनीष साहू, राकेश गुरुजी व राहुल जोशी भजनों पर मनमोहक प्रस्तुति देगें।

पूर्व एटीओ का आकस्मिक निधन

कोटपूतली। गायत्री परिवार कोटपूतली के वरिष्ठ सदस्य व शाखा प्रमुख एवं सेवानिवृत एटीओ रामकुमार शर्मा निवासी मौहल्ला बाछड़ी का सोमवार को शाम 04.30 बजे 86 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पडने से आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे पत्नी बीना देवी, पुत्र अनिल शर्मा, पौत्र व पौत्रियों से भरा पुरा परिवार छोडकर गये है। शर्मा का अन्तिम संस्कार मंगलवार को किया जायेगा।

निकाली कलश यात्रा

निवाई। सिरस में श्रीराम मंदिर अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर सोमवार को श्योसिंहपुरा, वजीराबाद, खलीलाबाद में कलश यात्रा निकाली गई। सिरस गांव के दादू पंथी बालाजी मंदिर में ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड व हनुमान चालीसा के पाठ किए।

जय श्री राम के नारों से गूंजा पावटा प्रागपुरा, निकाली शोभायात्रा

■ कहीं जगमगाए दिए, कहीं निकाली शोभायात्रा

पावटा। उपखंड पावटा सहित आस पास के क्षेत्र के लिए अविस्मरणीय पल रहेगा, जय श्रीराम की गूंज और मंत्रों के उच्चारण के मध्य आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्त्वाधान व मोहनदास महाराज के सानिंध्य मे प्रभु श्रीराम की शोभायात्रा निकली।

पूरा पावटा कस्बा सोमवार को रामलला की धुन में मंत्रमुग्ध नजर आया। आदर्श रामलीला मैदान पावटा से दोपहर दो बजे शोभायात्रा निकाली गई। इसमें रथ में राम-सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी सवार थे। डीजे व ढोल ढमाकों के आगे युवा नाचते गाते हुए चल रहे थे। वहीं महिलाओं ने भगवान श्रीराम की आरती उतारकर मंगलगीत गाये। वहीं लोग शोभायात्रा में श्रीराम के गगनभेदी जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इससे माहौल भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा का ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत किया। वही शोभायात्रा को लेकर जगह-जगह सैंकड़ों स्वागत द्वार बनाए गए वही आर्कषक रंगोलियो भी बनाई गई। शोभायात्रा कस्बे के मुख्य मुख्य मार्गों से होते हुए वापस आदर्श रामलीला मैदान पावटा पहुंची। इसके बाद हनुमान चालीसा व महाआरती एवं उसके बाद दीपोंत्सव व आतिशबाजी कर एक बार फिर दीपावली मनाई गई। इसमें जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा कस्बे के मुख्य मुख्य मार्गों से होते हुए वापस आदर्श रामलीला मैदान पावटा पहुंची। इसके बाद हनुमान चालीसा व महाआरती एवं उसके बाद दीपोंत्सव व आतिशबाजी कर एक बार फिर दीपावली मनाई गई। इसमें ग्रामीणों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा पर विधायक कुलदीप धनकड ने भी पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया व महाआरती मे शामिल होकर प्रभु श्री राम का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ता अमरनाथ पटेल, महेश पारिक, संरक्षक उमेश टांक, सुभाष गोयल, वीरेंद्र बंसल, अध्यक्ष योगेश शर्मा, निदेशक मोहन गौड, सचिव चेतन जोशी, उपाध्यक्ष नरेंद्र गौड, रामशरण बोहरा, सोनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, लक्की भारद्वाज, शुभम शर्मा, विजय सोनी, ललित शर्मा, सदस्य, सुनील गौड, दीपक पटेल, विकास शर्मा, सुभाष टिलावत सहित वरिष्ठजन, पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पावटा में मोहनदास महाराज के सानिंध्य मे प्रभु श्रीराम की शोभायात्रा निकली।

प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण

अलवर। अयोध्या में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर अलवर दक्षिण जिले के हजारों मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम, अनुष्ठान एवम प्रसादी वितरण हुआ।

इसी क्रम मे अधिकतर मंदिरों मे सजावट की व एल.ई.डी. से सीधा प्रसारण देखा गया जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता के सानिध्य मे अलवर शहर के माधव मंडल मे पुराना कटला स्तिथ जगतनाथ मंदिर मे एल ई डी से हजारों कार्यकर्ताओ व आमजन ने सीधा प्रसारण देखा गया व प्रसादी वितरीत ग्रहण की। जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने इस अवसर पर कहा की यह सनातन धर्म के लिए एक गौरव का दीन ही करीब 500 सालो के वनवास के बाद प्रभु श्री राम अयोध्या वापस आए हे आज का दिन युगों युगों तक के लिऐ अमर हों गया है। साथ ही भगवान राम का टेंट से लेकर आज गर्भगृह तक का सफर मे अपना जीवन का बलिदान देने वाले उन सभी राम भक्तो को सादर नमन। इस अवसर पर जिला मंत्री मीना सैनी,जिला प्रवक्ता जितेंद्र गोयल, जलि मिडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता, विधान सभा सयोजक राजेंद सेखवात मंडल अध्यक्ष रवि यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष तरुण जैन, मंडल महामंत्री सुनील चौधरी, उपाध्यक्ष शंकर लाल सैनी, पूर्व पार्षद संदीप गुप्ता,अशोक जैन,राकेश शर्मा, राजेंद्र छिपी, गणेश कुमार छिलवाल, यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

सार-समाचार

गर्भवती महिला के लिए रक्तदान किया

निवाई। गर्भवती महिला का प्लेटलेट कम होने से ऑपरेशन रोकने पर रक्तदाता बन्नालाल प्रजापत मेहंदवास एसडीपी रक्तदान किया। प्रजापति ब्लड ग्रुप के संयोजक सांवरा प्रजापति लक्ष्मीपुरा जाटान ने बताया कि प्रजापति ब्लड ग्रुप टोंक के सक्रिय सदस्य रक्तदाता बन्नालाल प्रजापत मेहंदवास ने अपने गांव मेहंदवास से 15 किलोमीटर दूर अग्रवाल हॉस्पिटल टोंक में एडमिट चल रही गर्भवती महिला बीना रैगर निवासी गिरोली का प्लेटलेट काउंट कम होने के कारण ऑपरेशन रुका हुआ था। रक्तदाता बन्नालाल प्रजापत मेहंदवास ने सुबह 6 बजे अस्पताल पहुंचकर महिला के लिए रक्तदान किया। इसके बाद महिला का ऑपरेशन हो सका। रक्तदाता बन्ना लाल ने अबतक 21 बार रक्तदान किया है।

सजाई झांकी, निकाली शोभायात्राऐं

पीपलू। कस्बे के महावीर चौक पर भगवान की झांकी सजाकर आतिशबाजी की गई। कूट वाले बालाजी, लक्ष्मण महाराज मंदिर, श्री विश्वकर्मा मंदिर, भूतेश्वर शिवालय पर रामधुनी करके प्रसाद वितरण किया। बनवाडा में रामलला की झांकी सजाकर रामधुनी मंडल के साथ कलश शोभायात्रा निकाली गई। कुरेडा में 251 महिलाओं के साथ विशाल कलशयात्रा निकाली गई। डोडवाडी में भक्तों की टोली ने प्रत्येक मंदिर पर पहुंचकर रामधुनी की। ग्रामीणों ने भक्तों का स्वागत किया गया। संदेडा लक्ष्मीनाथ मंदिर हरिपुरा में शोभायात्रा निकालकर पंगत प्रसादी, चौगाई में अन्नकूट प्रसादी, बगडी में रघुनाथ महाराज, हनुतिया, नानेर, सोहेला, रानोली, झिराना में विभिन्न आयोजन के साथ प्रसाद वितरण हुआ।

कलश यात्रा निकाली

सिसोला। बालाजी मंदिर से विशाल कलशयात्रा निकाली गई। सर्व समाज की महिलाएं ने सिर पर मंगल कलश धारण किए। युवक-युवतियांए महिला-पुरुष रामधुन पर नाचते, जयकारें लगाते हुए चले। युवा ध्वज पताका लहरा रहे थे।

आम सूचना हर खासो आम सूचित हो कि मेरा अभिभाष्य श्री अमर सिंह पुत्र श्री हनुमान सिंह उम्र-48 वर्ष जाति-राजपूत निवासी-प्लाट नं.62 ए देव नगर हाज्यवाला, सांगानेर, जयपुर के पुत्र रविन्द्र सिंह व प्रविन्द्र सिंह कहने में नहीं है तथा आहूत हो गए है कोई व्यक्ति इनसे लेन-देन करता है तो स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्य ने रविन्द्र सिंह व प्रविन्द्र सिंह तथा उनके वारिसान पत्नी व बच्चों को स्व अर्जित सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है।
जयपुर 22/11/24 भागीरथ सिंह चौहान एडवोकेट, मो. 9314626229

सेवा कार्य ही राम राज्य की परिभाषा : कसाना

■ श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जरूरतमंदों को किया कम्बल वितरण

कोटपूतली। भाजपा नगर मंडल के तत्वाधान में सोमवार को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाईव प्रसारण कस्बे के आदर्श नगर स्थित टेलीफोन एक्सचेंज के सामने किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती प्रीति देवी मैमोरियल सोसायटी के तत्वाधान में गाडिया लुहारों को कम्बल भी वितरित किये गये। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना ने भगवान श्रीराम के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर 125 जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किये गये।

मुख्य अतिथि कसाना ने कहा कि सेवा कार्य ही एक आदर्श राम राज्य की प्रथम परिभाषा है। सोसायटी अध्यक्ष बृजेश सैनी व अनिल शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन भूपेन्द्र यादव ने किया। इस दौरान भाजपा नेता फूलचन्द सैनी, विस्तारक मोहरसिंह, इंजी. विक्रम कसाना, बालकृष्ण सैनी, जिला कोषाध्यक्ष शशि मित्तल, जिला संयोजक कमल कसाना, कमलेश छावड़ी, पुष्कर शर्मा, अशोक सुरेलिया, विमल गोयल, कमलेश सैनी, बजरंग सैनी, गोविन्द, खुशवंत, लक्ष्मण सिंह, पंकज शर्मा, रविन्द्र सिंह, सतीश सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

इसी तरह कस्बे सहित जिले के सभी गांवों के मन्दिरों में जहां धार्मिक आयोजन हुए वहीं भंडारों का भी आयोजन हुआ। चहुंऔर प्रभात फेरियां, भव्य शोभायात्राएं निकाली गई। कस्बे के अग्रसेन तिराहे पर जहां 11 हजार दिपकों से रामलला का स्वागत किया गया। वहीं नागाजी की गौर स्थित मन्दिरों में भी राम भक्तों ने मन्दिरों में भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं देर शाम हजारों दिपकों व भव्य आतिशबाजी के साथ रामलला का स्वागत किया गया।

श्री राममय हुई निवाई, उमड़ा सैलाब

निवाई। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर सोमवार को शहर में भव्य आयोजन हुआ। नगरपालिका के तत्वावधान में बस स्टेण्ड पर विशेष मंच बनाया गया जिस पर भगवान राम का आदम कद चित्र लगाया गया।

इस अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ गणगौरी बाजार मंदिर स्थित कंकाली माता मंदिर से हुआ। शहर के मुख्य मार्गो से होकर कलश यात्रा अहिंसा सर्किल के परिक्रमा लगाते हुए कार्यक्रम स्थल बस स्टेण्ड पहुंची जहां पर कलशों को स्थापित किया गया। कलशयात्रा में शामिल युवाओं ने भगवान राम के भजनो पर अपनी ही धून में झुमते हुए नजर आए। पार्षद नितिन छाबडा ने बताया कि बस स्टेण्ड पर बनाए गए विशेष मंच पर श्री प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा श्रीराम पंचायत की जीवंत झांकी सजाई गई। विशेष मंच पर भगवान रघुनाथजी को विराजमान किया गया। श्री अयोध्या धाम में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के बाद विधायक रामसहाय वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंवरिया ने की आरती की। पूरे कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट दिखाने के लिए नगर पालिका की ओर से बडी स्क्रीन लगाई गई। जहां पर देखने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। सोमवार को सुबह से ही पूरे शहर का माहौल राममय दिखाई दिया। दोपहर 12:2० बजे जैसे ही अभिजीत मुहूर्त में अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई वैसे ही बस स्टेंड पर श्रद्धालुओं के उमडे हुए ज्वार ने भगवान जय श्रीराम के जयकारे से पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया।

निष्पादन अधिकारी नियुक्त न्यायालय उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां जयपुर (शहर) जयपुर
दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
दीवान चैम्बर नवाब साहब की हवेली, त्रिपोलिया बाज़ार, जयपुर, फ़ोन नं. - 0141-2573236

क्रमांक: RLB/6401/2023-24 **नीलामी की सूचना** दिनांक: 22.01.2024
(राजस्थान सहकारी सोसायटी नियम 2003 के नियम 94 के अन्तर्गत)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित दोषी ऋणी सदस्यों द्वारा डिक्रीधारी दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की बकाया ऋण राशि नहीं चुकाने के कारण इनकी निम्नांकित सम्पत्ति को कुर्क कर कब्जे में ले ली गई है। उक्त कब्जा शुदा सम्पत्ति जहां जैसी भी स्थिति में है, के आधार पर निम्नांकित दिनांक को प्रातः 11:30 बजे वर्णित नीलामी स्थल पर खुली बोली से नीलाम की जायेगी। अतः इच्छुक व्यक्ति नियमानुसार नीलामी स्थल पर मौके पर उपस्थित होकर आवेदन कर बोली लगावे।

ऋणी सदस्यों का नाम	सम्पति का विवरण	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि	नीलामी दिनांक
श्रीमती इशरत स्कॉट पत्नी डेरिक स्कॉट हाल निवासी प्लॉट नं 205 हटवाडा मेहनत नगर, 60 फीट रोड, जयपुर	1. प्लॉट में 20, कबीर कॉलोनी, सुशिलपुरा, अजमेर रोड, जयपुर एवं 2. प्लॉट न 15 डी, कबीर कॉलोनी, सुशिलपुरा, अजमेर रोड, जयपुर	550000/- 2500000/-	137000/- 625000/-	07.02.2024
मैसर्स सनातन ब्रदर्स प्रो. मीना कुमारी खत्री पत्नी व सह ऋणी गोपाललाल खत्री निवासी फ्लैट न. HA-304 तृतीय मंजिल प्रताप अपार्टमेंट प्रताप नगर सांगानेर जयपुर	प्लाट नं. 233 संशोधित पट्टा सं. 658 शिक्षा सागर कॉलोनी, टोंक रोड, सांगानेर, जयपुर	1500000/-	375000/-	08.02.2024

नीलामी स्थल: दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. दीवान चैम्बर, नवाब साहब की हवेली, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर। (नीलामी की कार्यवाही से पूर्व नीलामी स्थल बदलने का अधिकार निष्पादन अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा। नीलामी की शर्तें: नीलामी स्थल अथवा निश्पादन अधिकारी के उपरोक्त वर्णित कार्यालय अथवा वर्णित कार्यालय अथवा डिक्रीधारी बैंक के प्रधान कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में देखी या प्राप्त की जा सकती है।
निष्पादन अधिकारी, दी राजलक्ष्मी महिला अरबन कॉ-ऑपरेटिव बैंक लि

नगर परिषद् की कारगुजारी, लापरवाही की हदें पार

■ मिली भगत ऐसी की जर्जर नाले का पुराने मलबे व घटिया सामग्री से किया जा रहा रिपेयरिंग कार्य

कोटपूतली। कस्बे के नागाजी की गौर से आईटीआई कॉलेज तक बना गंदे पानी का नाला जहां लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है वहीं नगरपरिषद् के अधिकारियों से लेकर ठेकेदारों तक यह नाला अब किसी कमाई के जरिए से कम नहीं है।

करीब 15-20 वर्ष पूर्व बने इस नाले की सफाई की बात कि जाये तो इस नाले की सफाई महज फाईलों में होती रही और ठेकेदार अधिकारियों से गठ-जोड़ कर सरकार के सफाई के पैसे को पलीता लगाते रहे। नतीजन नागाजी की गौर स्थित हरिजन बस्ती गंदे पानी से जलमग्न होने लगी। जिसको लेकर विभिन्न वार्डो के पार्षदों ने जलभराव की समस्या की आवाज उठाई तो नगरपरिषद् के अधिकारियों की नींद खुली और आनन-फानन में नगरपरिषद् द्वारा जेसीबी मशीन की सहायता से उक्त नाले को साफ कराने की जहमत उठाई। जिसके चलते नाले के उपर डाले गये लेन्टर को जगह-जगह से तोड़ कर दर्जनों किचड़ की ट्रॉली सड़क पर डाल दी। जिससे ना केवल लोगों का जीना मुहाल हुआ बल्कि पिछले करीब 20 दिन से बीच रास्ते में पड़ा नाले का मलबा और खुला पड़ा नाला हादसे को न्योता दे रहा था।

इस बीस दिन के दौरान करीब आधा दर्जन लोग गिर कर इस नाले में चौटिल भी हुए। लेकिन अभी तक नाला पुरी तरह से साफ नहीं हुआ है जिसके चलते नाले में भारी मात्रा में किचड़ व पन्नियां जमा है। अब उक्त नाले की रिपेयरिंग का काम शुरू किया गया है बताया जा रहा है कि उक्त नाले की रिपेयरिंग का ठेका करीब 50 लाख रूपये का छोड़ा गया है। बावजुद इसके भी ठेकेदार लापरवाही की हदें पार करते हुए नगरपरिषद् के अधिकारियों से मिली भगत कर नाले की जर्जर दिवारों को पुराने मलबे व घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर हादसे की दिवार बनाने में लगे हुए है। जब ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था तो भाजपा नेता दयाराम प्रजापति, पार्षद प्रमोद गुरूजी, पार्षद प्रतिनिधि विजय आर्य, प्रफुल्ल रमन, बबलु श्रीवास्तव व मुन्ना ड्राईवर सहित वार्ड के कई लोगों ने विरोध किया तो ठेकेदार ने कहा कि 50 लाख रूपये में तो ऐसी ही रिपेयर होगी नया निर्माण नहीं कर सकता।

आपको बता दें कि उक्त नाले के उपर से हल्के व भारी वाहनों की आवाजाही रहती है, जिसमें स्कूली वाहन भी शामिल है। यदि ऐसे में नाले की दिवार तहस नहस होकर बड़ा हादसा हुआ तो इसका जिम्मेवार कौन होगा? क्योंकी उक्त नाले में विगत 9 दिसम्बर 2018 को शाम करीब 5 बजे नाले का लेन्टर टूट गया था जिसमें एक ओवरलोड बजरी का ट्रेक्टर धंस गया था। जिसके चलते अपने घर के बाहर बैठी पांच महिलाएं ट्रॉली के नीचे दब गई थी। जिसमें दो महिलाओं नर्बदा जांगिड व भगवानी जांगिड की ट्रॉली के नीचे दबने से दर्दनांक मौत हो गई थी। वहीं बीना टेलर, अनीता सैन व संतरा देवी गंभीर घायल भी हुई थी जिनमें वार्ड नं. 40 की वर्तमान पार्षद मनीषा छावड़ी की सास संतरा देवी आज तक अपाहीज की जिन्दगी जीने को मजबूर है।

गणेश शर्मा पैदल जयपुर पहुंच कर सीएम को देंगे बधाई

उनियारा/चोरू। प्रेरक संघ प्रदेश संरक्षक एवं देह दानकर्ता गणेश शर्मा भगवान राम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम की सफलता को लेकर चूरू कस्बे स्थित हनुमान जी के मंदिर में हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड के पठान का आयोजन किया गया इसके पश्चात हनुमान जी एवं श्री रामचंद्र जी की मां आरती उतार चूरू से जयपुर पैदल पहुंचकर मुख्यमंत्री को बधाई देने के थाणी है।

प्रेरक संघ प्रदेश संरक्षक एवं देह दानकर्ता गणेश शर्मा 23 जनवरी को श्री राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं जन्मोत्सव के अवसर पर चौरू कस्बे से पैदल रवाना होकर राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई संदेश देने के लिए जाएंगे। इनके साथ इस पैदल यात्रा में चौरू निवासी महावीर मीणा भी पैदल जायेंगे। उल्लेखनीय रहे कि उनियाराव खंड के महात्मा गांधी पुस्तकालय वाचनालय परिसर के प्रदेश संरक्षक गणेश शर्मा ने महात्मा गांधी की जयंती पर बेरोजगारी से त्रस्त होकर अपने देहदान की घोषणा की थी। महात्मा गांधी पुस्तकालय वॉचनालय प्रेरक संघ के प्रदेश संरक्षण के गणेश शर्मा निवासी चोरू ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय प्रधानमंत्री माननीय राज्यपाल मुख्यमंत्री को चोरू ग्राम पंचायत सरपंच रामसहाय मेरूठा के माध्यम से पत्र भेज कर अवगत करा बेरोजगारी से त्रस्त होकर 2 अक्टूबर 2023 को महात्मा गांधी पुस्तकालय वाचनालय प्रेरक संघ के प्रदेश संरक्षण गणेश शर्मा अपनी सर्वेक्षण से बेरोजगार प्रेरकों के हितार्थ दे दान को सरपंच के समक्ष घोषणा की है उन्होंने बताया कि वह 31 मार्च 2018 से बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं सरकार द्वारा अब तक कोई सुध नहीं ली गई है।

पौषबड़ा महोत्सव में प्रसादी पाई

विराटनगर। विराटनगर ग्राम पंचायत बागावास चौरासी में राम मंदिर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा शुभारम्भ पर ठाकुर जी महाराज मंदिर में पौषबड़ा महोत्सव आयोजित हुआ। सन्तोष मीणा ने बताया कि पौषबड़ा महोत्सव सर्वसमाज के सहयोग से किया गया। इस दौरान ठाकुर जी मंदिर में झांकी सजाई गई। मंदिर में पोषबडों का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण की गई। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर की परिक्रमा करते हुए खुशी शांति की कामना की। धार्मिक कार्य में भाग लेने से आंनद की अनुभूति होती है। हर व्यक्ति को अपनी कमाई का कुछ हिस्सा धर्म के कार्य में लगाना चाहिए। इस मौके पर पुजारी राजेन्द्र शर्मा, छाजुराम मीणा, लालचंद मीणा, मनोज मीणा युवा नेता, किशन प्रशापत, जगदीश मीणा बाबा, गब्दु राम मीणा, मनोज पारिक, गिरिराज शर्मा, विकास मीणा, सन्तोष मीणा, लक्ष्मण सिंह सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031, फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
अधिकृत अधिकारी- पुष्पेन्द्र सैनी, संपर्क नम्बर-9772306344 ई-मेल-pushpendra.saini1@idfcbank.com
विधि अधिकारी- आंचल शर्मा, संपर्क नम्बर-7737204242 ई-मेल-aanchal.sharma@idfcbank.com

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से कालम (ii) के अनुसार ऋण ग्रहिता(ओ) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) को सूचित किया जाता है कि कालम (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है, तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड जो पहले आईडीएफसी बैंक लि. के नाम से जाना जाता था, के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 27.02.2024 को "जहाँ है जैसी है", "जो कुछ है यह है" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर, जेसा नीचे वर्णित है, कालम (iv) के अनुसार ऋणग्रहिता (ओं) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड) को बकाया राशी की वसूली के लिये की जायेगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तो के लिये क्रमशः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेब साइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक, अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC को देखें।"

निलामी का विवरण

क्रम सं.	डिमांड नोटिस तिथी एवं राशि	ऋण	ऋण ग्रहिता (ओं) एवं सहऋणग्रहिता (ओं) के नाम	सम्पत्ति का पता	आरक्षित मूल्य राशि	ईएमडी राशि	ईएमडी तथा दस्तावेज जमा कराने का अंतिम समय व तिथि (आनलाइन) तक/पहले	निलामी की तिथि तथा समय	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि व समय	अधिकृत अधिकारी विवरण	विधि अधिकारी विवरण
1	04.10.2022 को रूपये 1,22,35.380.92/-	10067015948	गोयल पेपर कारपोरेशन 2. सौरभ गोयल 3. मोहन लाल गोयल	फ्लैट नं. के के-1/103, पहली मंजिल, कुल क्षेत्रफल 1871 वर्ग फिट, कृष्ण कृपा-1, प्लाट नं. 1, सुभाष नगर, जयपुर, जिसमें 3 बेडरूम, 1 ड्राइंग रूम, 1 किचन रूम, 1 डाइनिंग हाल, तीन टायलट, लाबी, बालकनियाँ तथा खुली छत, तथा जिस प्लाट पर फ्लैट बना है उसकी सीमायें है- पूर्व-पैट्रोल पम्प, पश्चिम-प्लाट नं. 2, जो कृष्ण कृपा-।। के नाम से जाना जाता है, उत्तर-नाला, दक्षिण-रोड 18 मीटर चौडी	रूपये 1,06,64,700/-	रूपये 10,66,470/-	26.02.2024 सायं 5.00 तक	27.02.2024 प्रातः 11.00 से दोपहर में 1.00 तक	20.02.2024 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक	पुष्पेन्द्र सैनी, सम्पर्क नम्बर 9772306344 ई-मेल आईडी-pushpendra.saini1@idfcbank.com	आंचल शर्मा, सम्पर्क नम्बर 7737204242 ई-मेल आईडी-aanchal.sharma@idfcbank.com
2	26.04.2021 को रूपये 42,21,081.75/- व 26.04.2021 को रूपये 4725077/-	10029302198 10029367677	1. मै. भारत एन्टरप्राइजेज 2. विमल थवन 3. कंचित थवन 4. मोहिनी थवन मै. 3 के पैक प्रो.	सम्पत्ति जी-2, क्लासिक रेजीडेन्सी, ए-18, हेम मार्ग, स्वेज फार्म, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर, राजस्थान-302019, का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 1350 वर्ग फिट, और सीमायें है- पूर्व-प्लाट नं. ए-17, पश्चिम-प्लाट नं. ए-19, उत्तर-रोड, दक्षिण-प्लाट नं. ए-35	रूपये 57,37,500/-	रूपये 5,73,750/-	26.02.2024 सायं 5.00 तक	27.02.2024 प्रातः 11.00 से दोपहर में 1.00 तक	20.02.2024 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक		

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

दिनांक- 22.01.2024
स्थान- जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड, पूर्व में आईडीएफसी बैंक के नाम से जाना जाता था
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड IDFC FIRST Bank
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031, फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
अधिकृत अधिकारी- सरदीप राठौड, संपर्क नम्बर-9887772255 ई-मेल-sardeep.rathore@idfcbank.com
विधि अधिकारी- आंचल शर्मा, संपर्क नम्बर-7737204242 ई-मेल-aanchal.sharma@idfcbank.com

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से कालम (ii) के अनुसार ऋण ग्रहिता(ओ) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) को सूचित किया जाता है कि कालम (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है, तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड जो पहले आईडीएफसी बैंक लि. के नाम से जाना जाता था, के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 27.02.2024 को "जहाँ है जैसी है", "जो कुछ है यह है" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर, जेसा नीचे वर्णित है, कालम (iv) के अनुसार ऋणग्रहिता (ओं) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड) को बकाया राशी की वसूली के लिये की जायेगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तो के लिये क्रमशः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेब साइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक, अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC को देखें।"

निलामी का विवरण

क्रम सं.	डिमांड नोटिस तिथी एवं राशि	ऋण	ऋण ग्रहिता (ओं) एवं सहऋणग्रहिता (ओं) के नाम	सम्पत्ति का पता	आरक्षित मूल्य राशि	ईएमडी राशि	ईएमडी तथा दस्तावेज जमा कराने का अंतिम समय व तिथि (आनलाइन) तक/पहले	निलामी की तिथि तथा समय	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि व समय	अधिकृत अधिकारी विवरण	विधि अधिकारी विवरण
1	21.03.2023 को रूपये 52,71,141.24/-	26147927	देवेन्द्र सिंह 2. जमिदार उद्योग 3. प्रभावति देवी 4. संदीप कलिरावन 5. सुशीला देवी 6. देवेन्द्र सिंह द्वारा जमिदार उद्योग	कन्वार्टिड प्लाट के बचे हुए हिस्से का पूरा व प्रत्येक भाग, खसरा नं. 864/1, रकबा 11 बिस्वा जिसमें से 528 वर्ग गज अर्थात जिसमें से 528 वर्ग गज अर्थात 441.46 वर्ग मीटर भूमि, ग्राम कलवाड, तहसील व जिला जयपुर, राजस्थान-302012, क्षेत्रफल 1056.73 वर्ग मीटर, और सीमायें है- पूर्व-श्री कन्हैया लाल की भूमि, पश्चिम-रोड 20 फिट चौडी, उत्तर-अन्य भूमि, दक्षिण-लक्ष्मण जी के प्लाट का बचा हुआ हिस्सा	रूपये 78,18,650/-	रूपये 7,81,865/-	26.02.2024 सायं 5.00 तक	27.02.2024 प्रातः 11.00 से दोपहर में 1.00 तक	20.02.2024 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक	सरदीप राठौड, सम्पर्क नम्बर 9887772255 ई-मेल आईडी-sardeep.rathore@idfcbank.com	आंचल शर्मा, सम्पर्क नम्बर 7737204242 ई-मेल आईडी-aanchal.sharma@idfcbank.com
2	08.04.2021 को रूपये 34,99,43.42/-	13256336	हंसराज सिंह चमन देवी हंसराज सिंह मै. शुभम फैशन चमन देवी	प्लाट नं. ए-18, क्षेत्रफल 100.00 वर्ग गज, महलापुरम ब्लाक-ए, ग्राम कोट, तहसील-मोजमाबाद, का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, जयपुर राजस्थान, और सीमायें है- पूर्व- 30 फिट चौडी रोड, पश्चिम-प्लाट नं. ए-18, उत्तर-प्लाट नं. ए-19, दक्षिण-प्लाट नं. ए-7	रूपये 202,500/-	रूपये 20,250/-	26.02.2024 सायं 5.00 तक	27.02.2024 प्रातः 11.00 से दोपहर में 1.00 तक	20.02.2024 प्रातः 11.00 से सायं 4.00 तक		

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को वेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

दिनांक- 22.01.2024
स्थान- जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड, पूर्व में आईडीएफसी बैंक के नाम से जाना जाता था
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)

संक्षिप्त

लोक देवता को किया ससम्मान प्रतिष्ठित

बौंली- बामनवास । नगर पालिका चौराहे बौंली निवाई रोड के पास काफी समय से नीचे रखें लोक देवता घांसभेरू के स्वरूप को सोमवार को धार्मिक नागरिकों ने विचार करके एक चबूतरा बनाकर उन्हें उसे पर ससम्मान प्रतिष्ठित कर दिया। ज्ञात रहे घांसभेरू को अनेको जगह बदलकर अलग-अलग स्थान पर पहुंचा दिया गया था आखिर लोक देवता है उनका तो कोई दुनिया में है नहीं उन्हें कोई कहीं भी ले जाओ। इस गंभीरता को देखते हुए कुछ नागरिक ने इस पर विचार किया एवं राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन जहां संपूर्ण देश राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मना रहा था इसी दौरान नागरिकों ने घांसभैरू की शुध लेकर उनका एक पक्का चबूतरा बनाया और उस पर उन्हें ससम्मान प्रतिष्ठित कर दिया। इस दौरान दीनदयाल गुर्जर, अखिलेश शर्मा, मोहन गुर्जर, प्रवीण गोयल सहित अनेको भक्तजन उपस्थित थे घांस भेंरू के स्वरूप को उठाने के लिए क्रेन की सहायता ली गई।

धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

दूदू । अयोध्या में आयोजित राम जन्मभूमि मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर जिला मुख्यालय दूदू एवं आसपास के क़स्बों गांव में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाकर धूमधाम से मनाया गया इस दौरान जिला मुख्यालय पर पुलिया के नीचे विशाल कार्यक्रम का आयोजन कर जाकर झांकियां सजाई गई साथ ही बाहर से आए कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां की गई समारोह के दौरान अयोध्या में आयोजित समारोह का एलईडी द्वारा सीधा प्रसारण आमजन को दिखाया गया पूजा अर्चना महा आरती के बाद नगर परिषद परिसर में प्रसाद वितरण किया गया इस दिन विभिन्न मंदिरों में भी धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाकर पूजा अर्चना की गई मंदिरों घरों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की छतों पर श्री राम लिखें ध्वज लगाए जाने के साथ ही रोशनी एवं दीपक जलाया जाकर सजावट की गई क्षेत्र में इस पर्व को दीपावली की तरह धूमधाम से मनाया गया भक्त जनों में धार्मिक आस्था के प्रति काफी उत्साह नजर आया जगह-जगह श्रीराम के जयकारों के नारे भी लगाते हुए लोग नजर आए ।

गौशाला का शिलान्यास

श्रीमाधोपुर। इलाके के अरणियां में सोमवार को यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कई कार्यक्रमों में शिरकत की। अरनियां में ग्रामीणों ने सीताराम बाडीगर के नेतृत्व में घोड़ी पर बैठाकर ग्रामीणों द्वारा भव्य विजयी जुलूस निकाला । उसके बाद गांव के सार्वजनिक चौक पर मंत्री खर्रा का गर्मजोशी के साथ सरपंच गणपति देवी के नेतृत्व में भव्य सम्मान किया। इस दौरान यूडीएच मंत्री ने कहा कि आपने जो प्यार स्नेह दिया है उसकी किमत भी आने वाले समय में चुकाई जायेगी। इसके बाद मंत्री खर्रा कुलडा टीबा अरनिया में श्री कृष्ण गौशाला की नींव का पत्थर रखकर शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया। गौशाला कमेटी द्वारा भी मंत्री तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों का साफा माला एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। इसके बाद मंत्री खर्रा मूंड़रु पहुंचे जहां पर रामलला के विशेष परियोजन पर नरसिंह देव मंदिर में स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई की। और ग्रामीण जनों एवं कार्यकर्ताओं के साथ अयोध्या से भगवान राम लला प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को देखा।

श्रीरामलला प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का सीधा प्रसारण किया

टोंक । रामलीला मैदान पर सर्व समाज के बैनर तले गांधी पार्क मौहल्लें के युवाओं की ओर से दो दिवसीय रामोत्सव के तहत सोमवार को श्रीराममलला प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का सीधा प्रसारण एलईडी के माध्यम से किया गया।

आयोजन से जुड़े अजय चायवाला ने बताया कि लाईव प्रसारण देखने भाजपा नेता, मौहल्लावासियों सहित सर्व समाज के महिला-पुरुष व बच्चे जुटे। दोपहर साढ़े 12 बजे बाद

- दो दिवसीय रामोत्सव के तहत प्राण-प्रतिष्ठा का एलईडी के माध्यम से प्रसारण किया गया

टोंक के गांधी पार्क में अयोध्या मे राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का एलईडी से सीधा प्रसारण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य नेताओं की मौजूदगी में श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा होते मैदान में भव्य आतिशबाजी कर भगवान के जयकारों के बीच एक-दूसरे को बधाई दी गई। इसी प्रकार प्रसादी का वितरण किया गया। वही दो दिवसीय रामोत्सव के पहले दिन रविवार को जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें श्री बालाजी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुती दी, जिसमें सिंगर कैलाश सैनी, विजय महावर ने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे, श्रीरामराज अब आया है, घर-घर भगवा लहराया है, वीर हनुमाना अति बलधामा, मरुधर की जोत, लिलन प्यारी, बांस की बांसूरी, सांवरिया सेठ दे दे आदि भजनों की प्रस्तुती दी। वही डांसर महेश (काजल) ने भजनों पर प्रस्तुती। देर रात चले भङ्ग संध्या में श्रद्धालुओं ने भजनों का आनंद लिया। वही शाम 6 बजे से धार्मिक भजनों पर डांडिया का किया गया।

वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया

टोंक। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. रूबीना परवीन अंसारी द्वारा निवाई स्थित परमार्थ सेवा समिति वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया। सचिव डॉ. रूबीना परवीन अंसारी ने वृद्धाश्रम निवाई में निवासरत वृद्धजनों को जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संरक्षण की आवश्यकता एवं संवैधानिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम-अधिनियमित किया गया था। इस अधिनियम की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वरिष्ठ नागरिक जिस व्यक्ति की देखभाल एवं संरक्षण में है, उसके द्वारा वरिष्ठ नागरिक को परित्यक्त कर देना एक दण्डनीय अपराध है, जिसमें अधिकतम 3 माह की कैद अथवा 5 हजार रू. जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। न्यायालयों में भी वरिष्ठ नागरिकों के मामलों को त्वरित निपटान की दृष्टि से प्राथमिकता दी जाती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक में भी नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवा) योजना चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के मूलभूत अधिकारों एवं लाभों को रेखांकित करना, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के तहत पात्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए मौजूदा विभिन्न विधिक प्रावधानों के लाभ प्राप्त करने में जिला एवं तालुका स्तर पर कानूनी सहायता एवं प्रतिनिधित्व प्रदान करना आदि है।

प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो को लेकर बैठक

मोदी के रोड शो को लेकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मण्डल अध्यक्षों और महामंत्रियों के साथ बैठक ली ।

चौमूं / कालाडेरा (निसं) यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 जनवरी, 2024 को जयपुर में होने वाले भव्य रोड शो कार्यक्रम को लेकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मण्डल अध्यक्षों और महामंत्रियों के साथ शहर के निजी होटल में मीटिंग ली।

विधानसभा क्षेत्र चौमूं से कार्यकर्ताओं के जाने के लिए जिम्मेदारिया सौंपी। विधानसभा क्षेत्र चौमूं के कार्यकर्ता नख़राली ढाणी होटल जेतपुरा से दोपहर 1 बजे एकत्रित होकर जयपुर के लिये रवाना होंगे। चौमूं से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर जाएँगे। इस मोके पर नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, बाँसा मण्डल अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, कालाडेरा अध्यक्ष बनवारी शर्मा, गोविन्दगढ़ कार्यवाहक मण्डल अध्यक्ष गोपाल डेनवाल, महामंत्री जितेन्द्र सिंह, रामवरूप वर्मा, मोहन यादव, बलदेव टाँक, संदीप भात्रा, जमनलाल सेनी, पप्पू शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

राम के जयकारों से गूंजा जयपुर

श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कौशल्या दास जी महाराज की बगीची स्थित राम मंदिर में सनातन प्रेमियों के साथ देखा।

जयपुर । अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार सुबह से ही मंदिर रोशन हो गए। राम जन्म के लिए पूरा जयपुर शहर तैयार में कई स्थानों पर एलईडी से सीधा प्रसारण अयोध्या से दिखाया गया। हर बाजार रोशनी, केसरिया ध्वजा से सजाया गया। कई सार्वजनिक स्थलों पर आमजन को बडी स्क्रीन पर अयोध्या में होने वाले प्रतिष्ठा महोत्सव का सीधा प्रसारण दिखाया गया। भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी ने बताया कि श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विद्याधर नगर स्थित डेहर के बालाजी मंदिर परिसर में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कौशल्या दास जी महाराज की बगीची स्थित राम मंदिर में सनातन प्रेमियों के साथ देखा। रत्ना कुमारी ने बताया कि मेरे लिए यह बहुत ही भावुक करने वाला क्षण है कि हम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं कोटि-कोटि रामभक्तों के भागीरथ प्रयास और अनवरत संघर्ष के परिणामस्वरूप इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने हैं।

रामलला के रंग में रंगा शहर

श्रीमाधोपुर। अयोध्या में राम मंदिर में सोमवार को हुई रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर कस्बे सहित आस पास का ग्रामीण आंचल रामलला के रंग में रंग गया। पहली बार रामलला के इस पावन पर्व पर सोमवार को श्रीमाधोपुर शहर को सजाया गया है।

कस्बे व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में भी मंदिर सजे हैं,घरों में रंगोलियां बनाई गई हैं। जगह-जगह सुंदरकांड और हनुमान चालीसा के पाठ हुए। कस्बे में आसपास की कॉलोनी, मोहल्लों के लोग एक साथ भाव विभोर होकर भगवान के आगमन को देखा।पूरे कस्बे में सवेरे से ही ऐसा माहौल लग रहा था कि दिवाली आ गई हो। वहीं के महावीर दल में नवनिर्मित मंदिर में पंचमुखी हनुमान जी की प्रतिमा की स्थापना हरिद्वार के संत बालक नाथ महाराज के सानिध्य में की गई। अयोध्या के श्री राम मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा समय के अनुसार ही पंचमुखी हनुमान मंदिर में भी हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की गई।

मनोहरपुर के रामद्वारा मंदिर में नहीं हुई सजावट

मनोहरपुर । कस्बे में अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे भारत देश में उत्सव हर्षोल्लास मनाया जा रहा है।जिला कलेक्टर के आदेशानुसार सभी जगह पर मंदिर की भव्य सजावट भी की जा रही है।पर मनोहरपुर नगर पालिका क्षेत्र का एक ऐसा मंजर देखने को मिल रहा है की मनोहरपुर कस्बे के कई मंदिर परिसर में जिला कलेक्टर के आदेशो की धज्जियां उडाई गई।

- पालिका ने करीब 98 हजार का टेंडर देने के बाद भी आधे मंदिर अंधेरे में रहे

जिला कलेक्टर ने कुछ दिन पूर्व ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सभी मंदिरों में भव्य सजावट करवाने के निर्देश दिए गए थे।जिस पर नगर पालिका ने जिला कलैक्टर के आदेशों को धज्जियां उडाते हुए कई मंदिरों में सजावट के नाम पर खानापूर्ति की गई है।जिससे लोगो में काफी रोष व्याप्त है।ओर वही राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर रामद्वारा मंदिर में ही नगर पालिका के द्वारा सजावट नहीं करवाई गई। और आधे मंदिर में सजावट कर खानापूर्ति की गई।आधे मंदिर अंधेरे में रहे।जानकारी अनुसार नगर पालिका ने प्रत्येक मंदिरों की सजावट को लेकर करीब 98 हजार रुपए का टेंडर जारी किया है। फिर भी नगर पालिका की ओर से सजावट में खानापूर्ति की जा रही है ।वही मंदिरों में नाममात्र ही सजावट कर आधे मंदिरों को अंधेरे में रख दिया है।जिससे हिंदू समाज के लोगों ने नगर पालिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। लोगो ने बताया की चतुर्भुज मंदिर,रामद्वारा मंदिर,गोपीनाथ मंदिर, राधा वल्लब, बृज नंदन मंदिर,जुगलजी मंदिर, नरसिंह मंदिर,बाल हनुमान मंदिर में सजावट नहीं करवाई गई है।

प्रतिमा का अनावरण

श्रीमाधोपुर। इलाके के पृथ्वीपुरा गांव के लाडले शहीद वीर जवान की प्रतिमा का अनावरण सोमवार को यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने किया। जानकारी के अनुसार मंत्री खर्रा ने पृथ्वीपुरा में भारत पाक युद्ध के दौरान शहादत देने वाले वीर शहीद भंवर सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण किया। शहीद भंवर सिंह शेखावत जो कि 15 जुलाई 1969 को भारतीय नौ सेना में भर्ती हुए थे। प्रशिक्षण के पश्चात उन्हें खुखरी युद्धपोत पर नियुक्त किया गया था। वर्ष 1971 तक वह एमई-1 रैंक पर पर पदोन्नत हो गए थे। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पिता-पुत्र दोनों राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा कर रहे थे। 9 दिसंबर 1971 की रात्रि को, खुखरी युद्धपोत दीव के समुद्री क्षेत्र में घूम रही एक पाकिस्तानी पनडुब्बी को नष्ट करने के लिए उसकी खोज कर रहा था। रात्रि के 8:45 बजे शत्रु पनडुब्बी से प्रक्षेपित टॉरपीडो लगने से यह पोत दीव के समुद्र तट से 40 नॉटिकल मील अंतर पर समुद्र में जलमग्न हो गया।

राहुवास में 221 कलशों की विशाल भव्य ध्वजा यात्रा निकाली

रामगढ पचवारा । उपखंड क्षेत्र के राहुवास तहसील मुख्यालय पर सोमवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर अयोध्या धाम में प्रतिष्ठापन के पवित्र अवसर पर गोपीनाथ मंदिर से विशाल ध्वजा यात्रा एवं 221 कलशों की शोभा यात्रा निकाली गई।

शोभा यात्रा मुख्य बाजार के चौराहे से होकर छोटे हनुमान मंदिर होते हुए खेड़े वाले बालाजी मंदिर पहुंचकर महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लालसोट विधायक रामबिलास डूंगरपुर रहें भाजपा मीडिया प्रभारी मोतीलाल शाहजहांनपुरा ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ ान पर भारतवर्ष में 14 जनवरी से 22 जनवरी को श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या धाम कार्यक्रम सम्पन्न होने तक सभी देवालयों पर विशेष साफ सफाई सहित धार्मिक अनुष्ठानों रामायण पाठ हवन आदि सहित अन्य कार्य आयोजित किए जा रहे हैं समूचे भारतवर्ष में दीपावली जैसा माहौल दिखाई दे रहा है घर पर भगवा श्रीराम पताका लगी हुई है। सोमवार को राहुवास तहसील मुख्यालय पर गोपीनाथ मंदिर से पूजा अर्चना के साथ रवाना हुई ध्वजा यात्रा एवं कलेश यात्रा का पर जगह जगह पुष्प वर्षा की गई श्रीराम के जयकारों से समूचे बाजार में अयोध्या जैसा शोरगुल रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लालसोट विधायक रामबिलास डूंगरपुर ने ध्वजा यात्रा में पैदल चलकर खेड़े वाले बालाजी मंदिर पहुंचकर महाआरती में शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व सरपंच दिनेश महावर, संन्तोष बोहरा, नीरज बोहरा प्रेमप्रकाश शर्मा राजकुमार गुप्ता रमेश गुप्ता कैलाश खंडेलवाल, मदन मोहन छीपा, राधामोहन छीपा, हरिनारायण मोड़ लल्लू राम पूर्व सरपंच हरकेश मीणा सोनू रामोतार गुप्ता, गिर्राज भिंवाल, गोपाल छीपा, छुट्टनलाल गुरूजी, जगदीश मीणा, रामभजन सीताराम गुप्ता, हनुमान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राहुवास तहसील मुख्यालय पर 221 कलशों की भव्य कलश शोभा ध्वजा यात्रा निकाली।

संगीतमय हनुमान चालीसा का वाचन

चौमूं / जयपुर। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि के स्थान पर भव्य श्री रामलला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समारोह के मंगल मय अवसर पर चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा कस्बे में भगवान श्रीराम के महाउत्सव को लेकर कालाडेरा ग्राम पंचायत के संरपच अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि के स्थान पर भव्य श्री रामलला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह के मंगल मय अवसर पर कालाडेरा में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सोमवार 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के समय प्रातः 10:00 बजे कस्बे में स्थित श्री सीताराम जी के मंदिर के सामने भगवा चौक पर संगीतमय हनुमान चालीसा और रामधुनि के बीच प्राण, प्रतिष्ठा के दुर्लभ क्षण का साक्षी बनने हेतु एलईडी स्क्रीन लगाकर लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इससे पूर्व संपूर्ण ग्राम में प्रत्येक घर में भगवा ध्वज फहराया जाएगा तथा भगवा बंदनवारों से ग्राम में मुख्य मार्गों सहित अनेक स्थानों पर सजावट की गई।

श्री राम के जयकारों की गूंज रही

राजगढ़। कस्बे में अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धा एवं भक्ति के माहौल के साथ सोमवार को श्री राम के जयकारों की गूंज रही। दोपहर 12बजे तक कोहरे के आगोश के बावजूद युवा बुजुर्ग एवं महिला धर्म प्रेमियों ने अपनी भागीदारी निभाई एवं कार्यक्रम को ऊंचाइयां प्रदान की।

चहुं और राम नाम की गूंज सुनाई दी। गोविंद देव जी मंदिर,हनुमान मंदिर,गणेश मंदिर, सीताराम जी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, बडगूजर मंदिर,एवं प्रमुख बाजारों को युवा एवं धर्म प्रेमियों ने सजावट एवं झंडी बैनरों से श्री राम मय कर दिया। , गोविंद देव बाजार, चौपड़ बाजार, काकवाडी, गोल मार्केट एवं मालाखेड़ा बाजार, मालाखेड़ा गेट अन्य बाजारों को सुंदरता एवं भव्यता प्रदान की। बजरंग मंडल, शिव मित्र सेवा समिति हम अन्य संस्थाओं की ओर से झांकियां के साथ शोभायात्रा निकाली। मंदिरों में भजन संध्या का आयोजन हुआ वहीं घर-घर में लोगों ने दीपक जलाकर खुशी का इजहार किया। पंडित भवानी सहाय स्मारक एवं अन्य स्थानों पर एलईडी के माध्यम से लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखा।

कस्बे में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धा एवं भक्ति का आलम रहा। युवा बुजुर्ग एवं व्यापारी सहित महिलाओं ने इस कार्यक्रम का भरपूर धर्म लाभ कमाया। प्रमुख मंदिरों में भव्य झांकियां के दर्शन करने वालों का ताता लगा रहा। माचाड़ी चौक सीताराम मंदिर पर श्री राम जन्म से लेकर अन्य भजन एवं सत्संग का आयोजन किया गया। राजेंद्र दीक्षित एवं मुरारी लाल शास्त्री, आचार्य के बी शर्मा एवं अन्य की मौजूदगी में कार्यक्रम में श्री राम की महिमा बुलंदियों पर छाई। युवा धर्म प्रेमियों ने प्रमुख बाजार में भव्य सजावट एवं रोशनी के साथ अन्य आयोजन किया वहीं प्रसाद वितरण कर सभी का मन मोह लिया। कस्बे सहित ग्रामीण अंचल में आस्थावान लोगों ने अपने अपने स्तर पर प्रसाद वितरण एवं भंडारों का आयोजन कर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को बुलंदी पर पहुंचाया।

कार सेवक ने अयोध्या के पुराने दिन याद किए

दौसा। मंडावरी कस्बे के अयोध्या गोलीकांड के चश्मदीद रहे कार सेवक कैलाश शर्मा पान वाले बताते हैं कि उस समय राम मंदिर को लेकर आम जन में बडा जुनून था एवं लोग किसी भी हालत में राम मंदिर विवादित मामले को लेकर चुप बैठने को तैयार नहीं थे।

सभी के मन में था कि राम मंदिर किसी भी हालत में वहां खड़ा होना चाहिए उसमें रामलला विराजने चाहिए। कार सेवक कैलाश चंद शर्मा पान वाले ने कहा कि मंडावरी से रामधन मीणा बागी अशोक गुप्ता सुरेश नापित सहित चार लोग कर सेवक बनाकर रवाना हुए थे।

उन कार सेवकों को आदर्श विद्या मंदिर मंडावरी से लोगों की भीड़ ने विधिवत पूजा अर्चना कर गाजे बाजे के साथ एक ऐतिहासिक क्षण की अनुभूति करवाते हुए रवाना किया था। वे 25 अक्तूबर को दोसा रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर अयोध्या के लिए तीन साथियों के साथ निकले थे। जहां एक साथी रास्ते में भटक गया उनसे छूट गया। 27 अक्तूबर का समय था जहां उस समय कार सेवकों को उत्तर प्रदेश की मुलायम सरकार ढूंढ ढूंढ कर निकल रही थी एवं अस्थाई बनाई गई जेल में गिरफ्तार कर नजर बंद कर रही थी।

कार सेवक कैलाश ने बताया कि 27 अक्तूबर को अशोक गुप्ता एवं रामधन बागी सहित तीनों कर सेवकों को उन्नाव रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया गया एवं एक अस्थाई जेल में उनको गिरफ्तार कर कैद कर दिया गया। उसे जेल में उन तीनों कर सेवकों को द्वारा करीब 12 घंटे के आस पास समय गुजरा गया एवं इस दौरान तीनों कार सेवकों ने उस जेल से फरार होने की योजना बनाई।

तीनों कार सेवकों के फरार होने को अमली जामा जिस जेल में तीनों कर सेवक बंद थे उसके पास मकान में लगे पाइप ने पहना दिया जिस पाइप को देखकर जेल से भागने की योजना बनी थी । वही पाइप कार सेवकों को भगाने में मददगार साबित हुआ। इस पाइप के सहारे चढ़कर हम उसे जेल के पास वाले मकान में दाखिल हुए एवं उस मकान के मालिक द्वारा भी हमारी मदद की गई हमें नाश्ता भोजन कराया गया एवं वहां से मंदिर तक पहुंचाने का रास्ता भी बताया गया।

रास्ते में उनको खाने-पीने सहित विभिन्न मदद भरपूर मिलती रही थी। इसके बाद लगातर प्रयास के बाद हम अयोध्या राम मंदिर के लिए चोरी चुपके भेष बदलकर ऊन्नाव रेल्वे स्टेशन से रवाना हो गए। इसके बाद अयोध्या से करीब 50 किलोमीटर दूर एक स्टेशन पर जिसका इनको नाम पता नहीं है वहां कड़ी जांच को देखकर वे वहां उतर गए और पैदल चलकर नो दिन की यात्रा कर दो नवंबर को अयोध्या राम मंदिर स्थल पहुंचे। जहां डेढ़ किलोमीटर की परिधि में कार सेवकों को रोकने के लिए जो मुलायम सरकार द्वारा अभेध सुरक्षा चक्र बना था उसको तोड़ना बड़ा मुश्किल प्रतीत हो रहा था। लेकिन मन में राम नाम का जुनून था जिसके सहारे में आगे बढ़ते चले गए जहां गोलीबारी हो रही थी। कारसेवक खुद की जान की परवाह किए बिना बढ़ते रहे जहां एक पल के लिए उनकी सांस रुक गई।

क्योंकि बंदूकधारी कुछ पुलिसकर्मी उनके सामने निशान लगाकर खड़े हुए थे तब उनको लगा कि अब उन पर गोली चलना तय है। लेकिन अचानक एक व्यक्ति को देखकर उन पुलिस कर्मियों ने तनी हुई बंदूको को वहां से हटा लिया, जब उनके द्वारा पता किया गया कि किस व्यक्ति को देखकर पुलिस कर्मियों ने गोली नहीं चलाई तो पता चला कि वह कोई उत्तर प्रदेश का रिटायर्ड बडा पुलिस अधिकारी था जिसकी वजह से तीनों कार सेवकों की जान बच गई।

इसके बाद मंडावरी कस्बे में उनके घर सूचना प्राप्त हुई की कर सेवक कैलाश चंद शर्मा को पुलिस ने गोली मार दी है और उनकी मौत हो गई ऐसे में 24 घंटे उनके घर में चूल्हा नहीं जला और मातम की स्थिति बनी रही।

राममय हुए अनेक कार्यक्रम

फागी । श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के तहत हुए कार्यक्रमों से फागी कस्बा राममय हो गया। सनातन धर्म रक्षा समिति की ओर से हुए कार्यक्रमों ने आमजन ने बढचढ कर हिस्सा लेकर रामभक्ति से ओतप्रोत नजर आये। प्रातकाल श्री पंचमुखी हनुमान से निकाले गये राम नाम संकीर्तन में सैकडों लोगों ने पूरे नगर में प्रभात फेरी निकाली तो व्यापार महासंघ की ओर से मुख्य बाजार में आयोजित हजारों रामभक्तों ने संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का पठन कर कस्बे के 36 कारसेवकों का सम्मान किया। दोपहर तेजाजी मन्दिर से अमरनाथ मित्र मण्डल द्वारा आयोजित विषाल रामरैली में विभिन्न स्कूलों की सजीव झांकियों के साथ हजारों नगरवासियों ने जय श्रीराम के नारों के लगाते हुए नगर भ्रमण किया जहां सैकडों स्थानों पर प्रभुराम की आरती उतारते हुए पुष्पवर्शा की।श्री सीताराम जी मन्दिर में सम्पूर्ण नगर का विषाल भण्डारा आयोजित किया जहां करीब 15 हजार नगरवासियों ने एक साथ प्रंगत प्रसादी में रामप्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में सनातन धर्म रक्षा समिति के कन्हैया लाल पारीक सत्येन्द्र कुमार झण्डा जगदीश गुर्जर सहित हजारों नगरवासियों की सहभागिता रही।

भजन कीर्तन, आरती, प्रसाद वितरण से मनाया अयोध्या उत्सव

टोंक में अयोध्या उत्सव विशाल गो-गुड सेवा के साथ मनाया गया।

टोंक। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन टोंक द्वारा स्थानीय गांधी गौ-शाला के प्रांगण में अयोध्या उत्सव विशाल गो-गुड सेवा के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम संयोजक एवं संघटन के शहर अध्यक्ष भगवान भण्डारी ने बताया कि सोमवार को प्रातः इस कार्यक्रम में सर्व सनातन समाज के महला-पुरुषों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का आरम्भ प्रभु श्रीराम के नए विठाह के चित्र के पूजन-अर्चना वंदन एवं द्वीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मंगलाचरण वंदना पाटोदी एवं रेखा जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। भगवान भण्डारी द्वारा मंत्रोच्चार किया गया। कार्यक्रम में मधुर संगीत के साथ गौरव बिंदल ने संगीत मय रामायण की चोपाईया गाकर वातावरण को भक्ति मय कर दिया, इसके बाद उन्होंने सजा दो घर को गुलशन सा प्रभु श्रीराम आये भजन पर उपस्थित भक्तों को नृत्य करने पर उत्साहित कर दिया, इसके बाद एलबम सिंगर अक्षत जैन ने अयोध्या धाम पर हाल ही में रिलीज एलबम जय श्रीराम का भजन सुनाया। एडवोकेट अवधेश जैन ने कविता राजेश जैन ने भजन आदि सुनाए । कार्यक्रम में वैश्य समाज के कार सेवक अजीत बम्ब, आलोक बढ़ाया एवं राजेश समर्पित को सम्मानित किया गया, इसके बाद प्रभु श्रीराम के भोग लगाकर सामूहिक आरती की गई।

उम्मीद है कि बैश कल हमारे साथ जुड़ेंगे, उनके वीज़ा को लेकर कुछ समस्याएं हैं। हमें विश्वास है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और भारत सरकार की मदद से हम जल्द ही इसका समाधान निकाल लेंगे। **- ब्रेंडन मक्कुलम**

इंग्लैंड के मुख्य कोच, अपनी टीम के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जयसवाल

यशस्वी जयसवाल ने अपने घरेलू वाइट बॉल फॉर्म को भी इंटरनेशनल स्टेज पर दिखाया। उन्होंने साल 2023 में 159 की स्ट्राइक रेट से 14 पारियों में 430 रन बनाए। फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ जायसवाल ने 51 गेंदों में 84 रनों नाबाद की पारी खेली और नेपाल के खिलाफ सिर्फ 49 गेंदों में 100 रन भी बनाए। युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज ने साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी घरेलू टी20 सीरीज में 25 गेंदों में 53 रन बनाए, इसके बाद जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 60 रनों की पारी भी खेली।

क्या आप जानते हैं ?... सॉफ्टबॉल और हार्डबॉल स्क्वैश के खेल की दो पद्धतियां है इसमें साफ्टबॉल को ब्रिटिश व इंटरनेशनल पद्धति माना जाता है, जबकि हैडबॉल को अमरीकी पद्धति।

रविचंद्रन अश्विन टॉप-9 बॉलर्स में बेस्ट, 500 क्लब से 10 विकेट दूर

नई दिल्ली, 22 जनवरी। रविचंद्रन अश्विन टेस्ट में 500 विकेट पूरे करने से महज 10 विकेट दूर हैं। वह 95 टेस्ट खेल चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ 25 जनवरी से शुरू हो रही 5 मैचों की सीरीज में 100वां टेस्ट खेल सकते हैं। अश्विन सीरीज में 13 विकेट लेते ही एशिया में भी 400 विकेट पूरे कर लेंगे। मौजूदा स्पिनर्स में ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन ही अश्विन से ज्यादा टेस्ट विकेट ले सके हैं लेकिन वह एक विकेट लेने के लिए 63 गेंदें फेंकते हैं। जबकि अश्विन हर 51वीं बॉल पर ही विकेट झटक लेते हैं। जो उनसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले 8 बॉलर्स से बेहतर है। एक्टिव स्पिनर्स में लायन, रवींद्र जडेजा और शाकिब अल हसन ही अश्विन के मुकाबले में खड़े नजर आते हैं। जानते हैं अश्विन के मुकाबले इनका टेस्ट प्रदर्शन कैसा है?

95 टेस्ट में 490 विकेट ले चुके अश्विन, 8 बार मैच में 10 विकेट लिए रविचंद्रन अश्विन 95 टेस्ट में 490 विकेट ले चुके हैं। वे 8 बार एक मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट भी ले चुके हैं। अश्विन टेस्ट में करीब हर 51वीं बॉल पर एक विकेट निकालते हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट के नाम पर वह भारत के दूसरे सबसे सफल बॉलर हैं। लेग स्पिनर अनिल कुंबले ही उनसे ज्यादा 619 विकेट ले सके हैं। 2019 में शुरू हुई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 30 मैचों में अश्विन 148 विकेट ले चुके हैं। के टॉप विकेट टेकर्स में वह तीसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन और पैट कमिंस उनसे आगे हैं। एशिया में अश्विन के नाम महज 46 टेस्ट में 387 विकेट लेते हैं। स्पिन कंडीशन में वह हर 46वीं गेंद पर ही विकेट निकाल लेते हैं। सीरीज में 13 विकेट लेते ही वह एशिया में 400 विकेट लेने वाले पहले एक्टिव स्पिनर बन जाएंगे। ओवरऑल उनसे ज्यादा विकेट श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (618) और भारत के ही अनिल कुंबले (419) ने लिए हैं।

अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 10 विकेट लेते ही 500 टेस्ट पूरे कर लेंगे। अब तक 8 ही गेंदबाज 500 टेस्ट विकेट ले सके हैं, अश्विन ऐसा करने वाले 9वें गेंदबाज और पांचवें स्पिनर बन सकते

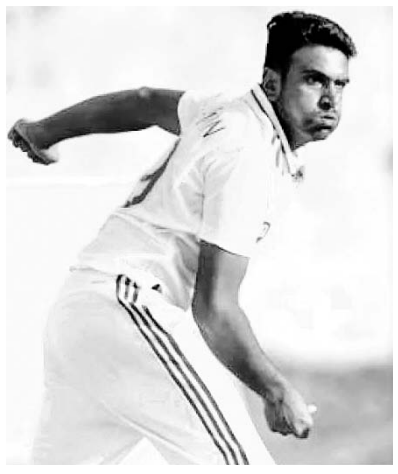

हैं। भारत की स्पिन पिचों को देखते हुए संभव है कि अश्विन का गेंदबाजी स्ट्राइक रेट भी 50 से नीचे पहुंच जाए। जो उनसे ज्यादा विकेट लेने में कोई नहीं कर सका है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन के नाम 512 विकेट हैं, लेकिन वे 126 मुकाबले खेल चुके हैं। जबकि अश्विन ने 95 मैच ही खेले हैं। यानी लायन हर मैच में औसतन 4 और अश्विन औसतन 5 विकेट लेते हैं। टेस्ट क्रिकेट में अश्विन का बॉलिंग स्ट्राइक रेट (एक विकेट लेने में डाली गई बॉल) भी लायन से बेहतर हैं। अश्विन टेस्ट में हर 51वीं बॉल पर विकेट लेते हैं, जबकि लायन को एक विकेट निकलने में 63 बॉल डालनी पड़ती हैं।

बॉलिंग स्ट्राइक रेट के मामले में भारतीय स्पिनर आगे हैं। चैंपियनशिप में लायन 60.5 के बॉलिंग स्ट्राइक रेट से 169 विकेट ले चुके हैं और टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर हैं। जबकि अश्विन 46.3 के स्ट्राइक रेट से 148 विकेट ले चुके हैं। मौजूदा सीजन में अश्विन ने 3 मैचों में 40.87 के स्ट्राइक रेट से 16 विकेट लिए हैं, जबकि लायन ने 6 मैचों में 44.56 के स्ट्राइक रेट से 25 विकेट हासिल किए हैं। एशिया की पिचें स्पिनर्स के लिए जन्नत की तरह होती हैं। लेकिन यहां भी लायन को एक विकेट लेने के लिए करीब 62 गेंदें लग जा रही हैं। जबकि एशिया में अश्विन 46वीं बॉल पर ही विकेट झटक लेते हैं।

दोनों भारतीय स्पिनर्स हैं, लेकिन अश्विन कई मामलों में रवींद्र जडेजा से बेहतर हैं। बात चाहे एशिया में विकेट की हो या फिर करियर विकेट की या फिर स्ट्राइक रेट की। रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट करियर में 8 बार एक मैच में 10 या इससे ज्यादा विकेट लिए, जबकि जडेजा दो बार ही ऐसा कर सके हैं।

टेस्ट करियर में जडेजा ने 68 मैचों में 59.46 के स्ट्राइक रेट से 275 विकेट हासिल किए हैं। जडेजा को एक विकेट लेने में 59 गेंद डालनी पड़ती हैं, जो अश्विन से 8 ज्यादा है। जडेजा बैटिंग और फील्डिंग के मामले में जरूर अश्विन से बेहतर हैं। यही वजह है कि पिछले 10 सालों में विदेश के ज्यादातर टेस्ट में अश्विन की जगह उन्हें टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में प्राथमिकता दी गई।

27 मैचों में जडेजा ने 83 विकेट चटकाए हैं, यानी कि एक मैच में औसतन 3 विकेट। जबकि अश्विन हर मैच में औसतन 5 विकेट ले रहे हैं। मौजूदा सीजन के 3 मैचों में जडेजा 7 ही विकेट ले सके हैं, जो अश्विन से 9 कम हैं। एशिया में जरूर जडेजा बहुत तेजी से विकेट लेते हैं। उनके नाम 42 टेस्ट में 207 विकेट हैं, यानी हर मैच में औसतन अश्विन के बराबर 5 विकेट। वह हर 54वीं गेंद पर विकेट लेते हैं, यहां जरूर अश्विन उनसे 8 गेंदें कम फेंक कर सफलता हासिल कर लेते हैं।

दुनिया के टॉप एक्टिव स्पिनर्स में अश्विन, लायन और जडेजा के सामने बांग्लादेश के शाकिब अल हसन बेहद कमजोर नजर आते हैं। लेकिन शाकिब 2007 में अश्विन से 4 साल पहले ही डेब्यू कर चुके हैं और अब तक टेस्ट खेल रहे हैं। 36 साल के शाकिब फिलहाल दुनिया के बेस्ट लेफ्ट आर्म स्पिनर्स में शामिल हैं। शाकिब ने अब तक 66 टेस्ट में 63.4 के बॉलिंग स्ट्राइक रेट से 233 विकेट लिए हैं। वे 2 बार मैच में 10 विकेट ले चुके हैं, जो जडेजा के बराबर है लेकिन अश्विन से बेहद कम। शाकिब हर 63वीं बॉल पर विकेट लेते हैं, जो लायन के बराबर है लेकिन अश्विन के मुकाबले बेहद कमजोर।

अंडर-19 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को चार विकेट से हराया

किंबरली, 22 जनवरी। कैलम विडलर के चार और टॉम स्ट्राकर के तीन विकेटों और उसके बाद कप्तान ह्यू वेइब्गेन नाबाद 39 रनों की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्वकप ग्रुप सी के सोमवार को खेले गये नौवें मैच में नामीबिया को 33.1 ओवर में 91 रन पर ढ़ेर करने के बाद 19.5 ओवर में छह विकेट पर 95 रन बनाकर चार विकेट से मुकाबला जीत लिया। 91 रनों का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी खराब रही और उसने छह ओवर में 30 रन पर अपने दो विकेट खो दिये। उसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान ह्यू वेइब्गेन नाबाद 39 रनों की पारी खेलते हुए पारी को संभाला और 19.5 ओवर में टीम को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बल्लेबाजी में हैरी डिक्सन और रैफ़ मैक्मिलन ने 16-16 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के भी चार खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके नामीबिया की ओर से जैक ब्रासेल ने तीन विकेट लिये। हैनरो बैडेनहॉर्स्ट को दो विकेट मिले। हेनरी वान विक ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया की शुरुआत खराब रही और 5.2 ओवर में छह रन पर अपने दो विकेट गंवा दिये। नामीबिया की ओर से जोहान्स विसागी ने सर्वाधिक 29 रन बनाये। कप्तान अलेक्जेंडर बसिंग-वोल्स्चेंक ने 21 रन बनाकर आउट हुये। हैनरो बैडेनहॉर्स्ट 11 रन पर नाबाद रहे। शेष आठ खिलाड़ी दहाई अंक के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। नामीबिया की पूरी टीम 33.1 ओवर में 91 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैलम विडलर के चार विकेट लिये। टॉम स्ट्राकर को तीन विकेट और महली बियर्डमैन को दो विकेट मिले। रैफ़ मैक्मिलन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में फ्रेजर-मैगर्क को मौका

29 बॉल में लगा चुके हैं शतक, मैक्सवेल को आराम, स्टीव स्मिथ करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, 22 जनवरी। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 2 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका दिया है। इनमें 21 साल के विस्फोटक बैटर जैक फ्रेजर मैगर्क और 25 साल के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट शामिल हैं। सीरीज से ग्लेन मैक्सवेल को आराम दिया गया, वहीं बार्टलेट जाय रिचर्डसन की जगह टीम में शामिल हुए। रिचर्डसन इंजरी के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं। वनडे स्क्वॉड की अनाउंसमेंट पहले ही हो गई थी, फिलहाल 2 नए प्लेयर्स को जोड़ा गया। 3 वनडे की सीरीज 2 फरवरी से शुरू होगी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे। पैट कमिंस को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। फ्रेजर मैगर्क को इस समय ऑस्ट्रेलिया का बेस्ट युवा खिलाड़ी माना जा रहा है। उन्होंने देश के घरेलू वनडे टूर्नामेंट मार्श कप में महज 29 बॉल पर सेंचुरी लगा दी थी। जो लिस्ट-ए और टी-20 क्रिकेट में रिकॉर्ड है। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने में बेंगलुरु से खेलते हुए 30 बॉल पर सेंचुरी लगाई थी। फ्रेजर मैगर्क ने साउथ ऑस्ट्रेलिया से खेलते हुए शतक लगाया था। वह पहले विक्टोरिया से खेलते थे, लेकिन करियर आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने टीम बदली। उन्होंने फर्स्ट क्लास करियर का पहला शतक भी विक्टोरिया के खिलाफ ही लगाया। फ्रेजर मैगर्क को वनडे स्क्वॉड में ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया गया। जिन्हें सीरीज से रेस्ट दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप और टी-20 सीरीज से पहले वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए मैक्सवेल को आराम दिया गया है। कंगारू टीम फरवरी में वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज भी खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया के फ्रेंचाइजी टी-20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग में फ्रेजर मैगर्क और जेवियर बार्टलेट दोनों ने ही शानदार प्रदर्शन किया। मैगर्क मेलबर्न रेनेगेड्स से खेलते हुए इस सीजन 158.64 के स्ट्राइक रेट से 257 रन बना चुक हैं। शनिवार को ही उन्होंने में दुबई कैपिटल्स से खेलते हुए महज 25 बॉल पर 54 रन बना दिए थे। उनकी टीम आज एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ टूर्नामेंट का चैलेंजर मुकाबला खेलेगी। जिसे जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी।

26 मई को हो सकता है फाइनल

5 दिन बाद टी-20 वर्ल्ड कप, भारत 17 साल से नहीं जीत सका खिताब

नई दिल्ली, 22 जनवरी। 2024 का 22 मार्च से शुरू हो कर 26 मई तक चल सकता है। 17वां संस्करण 22 मार्च से शुरू हो कर 26 मई तक चल सकता है। इसके 5 दिन बाद ही 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। भारत इस टूर्नामेंट को 17 साल से नहीं जीत सका है, टीम को एकमात्र सफलता 2007 में मिली थी।

टीम इंडिया फाइनल के ठीक बाद 3 बार वर्ल्ड कप खेलने उतरी और हर बार टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। इस बार भी टीम इंडिया के टी-20 स्क्वॉड में शामिल रहने वाले सभी खिलाड़ी में व्यस्त रहेंगे। ऐसे में सभी को एकसाथ तैयारी का बहुत कम टाइम मिलेगा। 17वें सीजन का ऑफिशियल शेड्यूल लोकसभा चुनाव की तारीखों के कारण अब तक घोषित नहीं हुआ है। लोकसभा चुनाव के दौरान प्लेयर्स की सिक्योरिटी का मुद्दा गरमाया रहता है। इसलिए ने अब तक शेड्यूल जारी नहीं किया। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, ने की तारीखें तय कर ली हैं। टूर्नामेंट 22 मार्च से शुरू होकर 26 मई तक चलेगा।

चुनाव की तारीखें सामने आते ही तारीखों को भी ऑफिशियल कर दिया जाएगा। टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स है। चेन्नई सुपर किंग्स 2023 की डिफेंडिंग चैंपियन है। टीम ने फाइनल में गुजरात टाइटंस को हराकर खिताब जीता था। फाइनल अगर 26 मई को ही हुआ तो 5 दिन बाद ही टी-20 वर्ल्ड कप भी शुरू हो जाएगा। हालांकि, टीम इंडिया का पहला मैच 9 दिन बाद 5 नवंबर को होगा। लेकिन खिलाड़ियों को फिर भी टूर्नामेंट के लिए एकसाथ प्रैक्टिस करने का बहुत कम समय मिलेगा।

टी-20 वर्ल्ड कप अब तक 8 बार खेला गया। इनमें 3 बार टूर्नामेंट फाइनल के 20 दिन के अंदर ही शुरू हो गया, तीनों बार टीम इंडिया ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। इसके अलावा 5 में से 4 बार टीम नॉकआउट स्टेज तक पहुंची। टीम 2 बार सेमीफाइनल से बाहर हुई, एक बार रनर-अप रही और एक ही बार चैंपियन भी बनी।

2012 में के 3 महीने बाद टूर्नामेंट होने के बावजूद टीम इंडिया सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। टीम ने एकमात्र खिताब 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था। तब तक शुरू नहीं हुआ था।

पहले ही सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड ने कह दिया है कि उनके प्लेयर्स टूर्नामेंट खेलने के लिए फाइनल तक अवेलेबल रहेंगे। ऐसे में बाकी टीम के प्लेयर्स को भी एकसाथ तैयारी करने के लिए कम ही समय मिलेगा। हालांकि प्लेऑफ में नहीं पहुंचने वाली टीमों के प्लेयर्स जरूर नेशनल टीम के साथ 26 मई से पहले ही जुड़ सकते हैं।

पहले विमेंस प्रीमियर लीग भी होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टूर्नामेंट 22 फरवरी से 17 मार्च तक चल सकता है। इसके 5 दिन बाद ही के भी शुरू होने की संभावनाएं हैं। का ऑफिशियल शेड्यूल इसी सप्ताह घोषित किया जा सकता है। सभी मैच बेंगलुरु और दिल्ली के 2 शहरों में होंगे लेकिन में सभी मैच 10 टीमों के 10 अलग-अलग स्टेडियम में होंगे। मुंबई इंडियंस की डिफेंडिंग चैंपियन है।

आईसीसी टी-20 टीम ऑफ द ईयर 2023 में 4 भारतीय

सूर्यकुमार यादव कप्तान, अर्शदीप, जायसवाल और बिश्नोई भी शामिल

नई दिल्ली, 22 जनवरी। आईसीसी ने सोमवार 22 जनवरी को टी-20 टीम ऑफ द ईयर 2023 घोषित की। भारत के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को टीम का कप्तान बनाया गया, जबकि रवि बिश्नोई, यशस्वी जयसवाल और अर्शदीप सिंह टीम में शामिल किए जाने वाले तीन अन्य भारतीय रहे। सूर्यकुमार यादव 2023 में फुल टाइम नेशन में टी-20 के टॉप स्कोरर रहे। सूर्यकुमार ने 18 मैचों में 733 रन बनाए और दो शानदार शतक लगाए। यादव का आखिरी शतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए आया जहां उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों पर सेंचुरी लगाई। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शतक ने भारत को 0-1 से पिछड़ने के बाद टी-20 सीरीज ड्रॉ कराने में मदद की।

टेस्ट मैचों में अपने शानदार प्रदर्शन करने के बाद, यशस्वी जयसवाल ने अपने घरेलू वाइट बॉल फॉर्म को भी इंटरनेशनल स्टेज पर दिखाया। उन्होंने साल 2023 में 159 की स्ट्राइक रेट से 14 पारियों में 430 रन बनाए। फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ जायसवाल ने 51 गेंदों में 84 रनों नाबाद की पारी खेली और नेपाल के खिलाफ सिर्फ 49 गेंदों में 100 रन भी बनाए। युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज ने साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी घरेलू टी20 सीरीज में 25 गेंदों में 53 रन बनाए, इसके बाद जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 60 रनों की पारी भी खेली।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 2023 में 21 मैचों में 26 विकेट लिए और उन्हें गेंदबाजी लाइन-अप में जिम्बाब्वे के रिचर्ड नगारवा और आयरलैंड के मार्क एडर के साथ नामित किया गया है। अर्शदीप की पावरप्ले और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने की क्षमता उन्हें किसी भी टीम के लिए एक एसेट बनाती है। बिश्नोई ने 2023 में इंटरनेशनल करियर में ग्रोथ देखी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के ठीक बाद उन्हें टी-20 में वर्ल्ड नंबर-1 भी नामित किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दिग्गज खिलाड़ी पारम्परिक परिधान में पहुंचे

अयोध्या, 22 जनवरी। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर, महिला क्रिकेटर मिताली राज, बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, मिताली राज, अनिल कुंबले, पीटी उषा, वेंकटेश प्रसाद समेत कई खेल जगत की हस्तियां ने सोमवार को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक बताते हुए इसमें शामिल होने पर खुशी जाहिर की है।

आज श्री रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा पर्व पर यहां पहुंचे खेल जगत के दिग्गज खिलाड़ी पारंपरिक परिधान में भी नजर आए और इस दौरान उनके साथ सेल्फी के लिए प्रशंसक उन्हें घेरे देखे गये। समारोह के दौरान साइना नेहवाल काले रंग पर छींटे वाली जैकेट और गले में राम नाम का पीला गमछा डाले हुए थी। वहीं मिताली राज भी हरे रंग के कुर्ता पहने हुए थी।

महिला क्रिकेटर मिताली राज ने इस दौरान कहा कि आज मुझे महसूस हो रहा है कि जब कोई किसी धार्मिक स्थान पर

नेहवाल, मिताली ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने पर खुशी जताई

अयोध्या, 22 जनवरी। श्री राम की नगरी अयोध्या पहुंची देश की दिग्गज बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर बेहद खुश नजर आईं। समारोह के दौरान साइना नेहवाल काले रंग की जैकेट और गले में राम नाम का पीला गमछा डाले हुए थी। वहीं मिताली राज भी हरे रंग के कुर्ता पहने हुए थी। नेहवाल ने कहा कि इतना भव्य मंदिर आज खुला है। ये हमारा सौभाग्य है कि हमें श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

होता है तो उसे (मिताली को) क्या महसूस होता है। हम सभी बहुत लंबे समय से यही चाहते थे और मुझे लगता है कि इस बड़े अवसर पर यहां आना एक आह्वान है।

यह एक उत्सव है। हम सभी यहां आकर और उत्सव का हिस्सा बनकर खुश हैं। साइना नेहवाल ने कहा कि वह इस समारोह में शामिल होकर खुद को भाग्यशाली मान रही हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय का इंतजार खत्म हुआ। हम सभी मंदिर के द्वार खुलने का इंतजार कर रहे हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। वहीं, देश की उड़नपरी के नाम से विख्यात पीटी उषा ने कहा, हमारे पूज्य भगवान राम की जन्मभूमि, पवित्र धरती पर आकर अपने आप को बहुत धन्य महसूस कर रही हूं। भगवान श्री राम के सिद्धांत और नैतिकता हमें सही रास्ते पर ले जाते हैं और मैं प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। क्रिकेटर अनिल कुंबले ने कहा, यह एक अद्भुत और बहुत ही दिव्य अवसर है। इसका हिस्सा बनकर धन्य हूं। यह ऐतिहासिक है। राम लला से आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं।

भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, हरभजन सिंह और रविचंद्रन अश्विन सहित अन्य खेलों से शतरंज के ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद, महान एथलीट पीटी उषा और फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया, धनुर्धर दीपिका कुमारी, पूर्व बैडमिंटन स्टार गोपीचंद आदि प्रमुख खेल हस्तियों को आमंत्रित किया गया।

वीजा समस्या के कारण इंग्लैंड टीम के साथ नहीं आ सके शोएब बशीर

अबू धाबी, 22 जनवरी। वीजा समस्याओं के कारण संयुक्त अरब अमीरात में शोएब बशीर को भारत आने से रोक दिया गया है। हालांकि इंग्लैंड की टीम ने उनके बिना हैदराबाद में टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर दी है। इंग्लैंड अबू धाबी में अभ्यास शिविर लगाने के बाद गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला के लिए रविवार को भारत पहुंची, जहां कागजी काम में देरी होने की वजह से बशीर टीम के साथ नहीं आ सके। समरसेट ऑफ स्पिनर के माता-पिता पाकिस्तानी मूल के हैं उनके साथ स्टुअर्ट हूपर भी हैं, जो हाल ही में ईसीबी में क्रिकेट संचालन के नए प्रबंध निदेशक के रूप में शामिल हुए हैं। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मक्कुलम ने कहा कि ईसीबी ने भारत सरकार सहित संबंधित अधिकारियों के समक्ष यह मामले को उठाया है और अगले 24 घंटों में सकारात्मक खबर की उम्मीद है।

इम्पैक्ट प्लेयर रूल के खिलाफ हर्शेल गिब्स, बोले- 11 खिलाड़ी काफी है, लो-स्कोरिंग टी-20 बेहतर, हर बार 200 रन बनना मजेदार नहीं

नई दिल्ली, 22 जनवरी। 49 साल के हर्शेल गिब्स ने साउथ अफ्रीका के लिए 14 हजार से ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हर्शेल गिब्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी लीग के लिए इम्पैक्ट प्लेयर रूल की जरूरत नहीं। एक टी-20 मुकाबले के लिए टीम में 11 प्लेयर्स ही काफी हैं, मैच के बीच 12वें खिलाड़ी को शामिल करने से कुछ नहीं बदल जाएगा।

गिब्स का मानना है, टी-20 में बैटर्स को मददगार पिचें बनाने से ज्यादा दर्शक नहीं आएंगे। हर मैच में 200 बनना जरूरी नहीं है, मुझे तो लो-स्कोरिंग मैच ही ज्यादा पसंद है। साउथ अफ्रीका में फिलहाल फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट 20 चल रहा है। इसी सिलसिले में उन्होंने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सवालों के जवाब दिए। जानते हैं उन्होंने क्या कहा...

भारत के साथ पार्टनरशिप करने के बाद 20 की व्यूअरशिप बढ़ चुकी है। दिन में मैच कराने से बाकी देशों के दर्शक भी मैच देख पाते हैं, इससे टीवी पर ज्यादा दर्शक जुट रहे हैं। रात के मुकाबलों की व्यूअरशिप कम है, लेकिन इन्हें देखने के लिए दर्शक मैदान तक पहुंच रहे हैं। दुनिया में और भी बड़ी-बड़ी लीग हो रही हैं लेकिन यहां खेलने वाले इंटरनेशनल प्लेयर्स लीग को मजेदार बना रहे हैं।

मुझे तो लो-स्कोरिंग गेम भी पसंद है। गेम को बढ़ाने के लिए बैटर्स को मददगार फ्लैट पिच तैयार करने की जरूरत नहीं। मुझे लगता है ऐसी पिच पर ज्यादा अच्छे मुकाबले होते हैं, जहां बॉलर्स को थोड़ी मदद मिलती है। बैटर्स को रन बनाने के लिए मेहनत करनी पड़े, तभी मैच देखने का भी मजा है।

ऑस्ट्रेलिया में इसीलिए मुझे ज्यादा कॉम्पिटिटिव मुकाबले लगते हैं, वहां पेस और बाउंस के साथ स्विंग भी देखने को मिलती है। ग्राउंड भी बड़े होते हैं और वहां बैटर्स को रन बनाने में मुश्किल होती है। मैं बस यही कहूंगा कि बॉलर्स को मददगार पिचों पर ज्यादा अच्छे मुकाबले हो सकते

हैं। इस तरह के नियमों के सख्त खिलाफ हूं। 11 प्लेयर्स अपने आप में खेल को इंटरेस्टिंग बना देते हैं। के साथ में भी खिलाड़ियों को लेकर नए रूल आ गए हैं लेकिन मुझे लगता है, क्रिकेट 11 खिलाड़ियों के साथ ही कम्प्लीट है। यहां एक्स्ट्रा प्लेयर्स की जरूरत नहीं।

मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि 100 टेस्ट खेल सका लेकिन अब जरूर टेस्ट फॉर्मेट पर थोड़ा खतरा मंडरा रहा है। टी-20 क्रिकेट में इतना ज्यादा पैसा इन्वॉल्व हो गया कि खिलाड़ी लीग खेलना चाहते हैं। हालांकि, मुझे फिर भी लगता है टेस्ट क्रिकेट बना रहेगा। टी-20 में बहुत गेम टाइम मिलता है, वहां खिलाड़ी खुद को साबित नहीं कर पाता। दूसरी ओर, वनडे और टेस्ट में खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने के ज्यादा मौके रहते हैं। अगर टेस्ट में भी स्कोरिंग रेट थोड़ी बढ़ जाए तब जरूर इस फॉर्मेट को देखने ज्यादा दर्शक आएंगे।

पिछले सीजन के मुकाबले वह इस बार कम्प्लीट प्लेयर नजर आए। कोच रॉबिन पीटरसन की लीडरशिप में वह बहुत फ्री हो कर खेल रहे हैं। एक साल में उन्होंने बहुत ज्यादा इम्प्रूवमेंट किया। टी-20 वर्ल्ड कप के साल में अच्छी परफॉर्मेंस उन्हें नेशनल टीम में एंट्री भी दिला सकती है। उनका खेल कुछ-कुछ डी कॉक की तरह है, अगर वह अच्छा खेले तो जरूर नेशनल टीम में आ जाएंगे। हेनरिक क्लासन लगातार अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं, विल जैक्स भी शानदार प्लेयर हैं। रिकलटन, जोस बटलर और जेसन रॉय ने भी बेहतरीन परफॉर्म किया है। पार्ल की पिच बहुत धीमी है, वहीं सेंचुरियन में बहुत रन बनते हैं। बावजूद इसके रॉय और बटलर पार्ल में तेजी से रन बना रहे हैं।

डेवाल्ड ब्रेविस बहुत शानदार परफॉर्म कर रहे हैं। वह बहुत टैलेंटेड हैं लेकिन मुझे लगता है, उन्हें घरेलू क्रिकेट में एक या 2 अच्छे सीजन की जरूरत है। वह घरेलू क्रिकेट में अच्छा परफॉर्म करने के बाद ही सीनियर टीम में परमानेंट हो पाएंगे।

मैं तो चाहता हूं कि को भी अपने प्लेयर्स को विदेशी लीग में खेलने की परमिशन देना चाहिए। लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है, अगर इंडियन प्लेयर्स भी विदेशी लीग खेलें तो टूर्नामेंट की व्यूअरशिप बहुत तेजी से बढ़ जाएगी। इंडिया के इतने ज्यादा बिजनेसमैन लीग में इन्वॉल्व हो गए हैं, मुझे लगता है अगले सीजन से 2 नई टीमों को जरूर जोड़ा जाना चाहिए। एक टीम को भी जोड़कर काम चलाया जा सकता है।

गाज़ा में बमबारी से 40 मरे

गाजा, 22 जनवरी। दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर पर सोमवार को इजरायल की ओर से किये गये लगातार बमबारी में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने यह जानकारी दी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि शहर के पश्चिमी इलाकों पर इजरायली युद्धक विमानों और तोपखाने की ओर से हिंसक बमबारी की गई। इस दौरान फिलिस्तीनी आतंकवादियों हमास और इजरायली सेना के बीच भीषण लड़ाई हुई। उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में हजारों विस्थापित फिलिस्तीनी रहते हैं।

गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में फिलीस्तीनियों मृतकों का आंकडा बढ़ कर 25,295 हो गया है।

अनियंत्रित जीप पलटी, पांच युवकों की मौत

■ गोगुन्दा-पिंडवाड़ा मार्ग पर उखलियात टनल के पास उस समय यह हादसा हुआ जब मृतक गोगुन्दा से गांव देवला की तरफ लौट रहे थे।

उदयपुर, 22 जनवरी (कासं)। गोगुन्दा-पिंडवाड़ा मार्ग पर उखलियात टनल के पास एक अनियंत्रित जीप डिवाईडर पर चढ़ कर पलट गई। हादसे में जीप में सवार सभी पांच युवकों की मौत हो गई। सभी युवक गोगुन्दा से अपने गांव देवला की तरफ लौट रहे थे।

जानकारी के अनुसार रविवार रात में जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र गोगुन्दा पिण्डवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर उखलियात टनल के समीप उदयपुर से जा रही एक अनियंत्रित जीप डिवाईडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे की सूचना मिलने पर बैकरिया थानाधिकारी प्रभूसिंह चुण्डावत, गोगुन्दा थानाधिकारी शैतानसिंह और पुलिस उप अधीक्षक कोटड़ा रामेश्वरलाल ने मौके पर पहुंचे तथा जीप में दबे युवकों को बाहर निकाला गया। मृतकों के शव बेकरिया चिकित्सालय पहुंचाए गए। हादसे के बाद रोड पर आवागमन बाधित रहा। इधर सूचना मिलने पर जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव एवं जिला कलैक्टर अरविन्द आरोड़ा ने मौके पर पहुंच कर घटना का जायजा लिया। मृतकों की पहचान देवला, घाटा नाड़ी क्षेत्र के रहने वाले भीमा पुत्र हकमा, नाथू पुत्र खैता, पूना पुत्र पीथा, मनोज पुत्र राजाराम तथा मुकेश पुत्र खेता के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे।

'राम मंदिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देकर वे इसमें शामिल नहीं हुए। उनके निजी सचिव दीपक चौपड़ा ने खुलासा किया कि, अडवाणी अब 96 वर्ष के हो गए हैं और अपनी उम्र तथा स्वास्थ्य कारणों से अयोध्या की यात्रा नहीं कर सकते हैं।

पार्टी के इस दिग्गज नेता ने आठ पृष्ठों के एक लेख में मंदिर के निर्माण को "दिव्य स्वप्न की पूर्ति" बताया है।

"राम मंदिर निर्माण, एक दिव्य स्वप्न की पूर्ति" शीर्षक वाला यह लेख 76 वर्ष पुरानी हिन्दी साहित्यिक पत्रिका, राष्ट्रधर्म के विशेष अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

उक्त रथ यात्रा में मोदी की भूमिका के बारे में अडवाणी कहते हैं, "वो उस समय इतने प्रसिद्ध नहीं थे परन्तु उस समय भी यह स्पष्ट हो गया था कि, भगवान राम ने अपने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए अपने भक्त (मोदी) को चुन लिया।

क्या कर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाली सरकार, अयोध्या में मस्जिद को ध्वस्त करने के बाद राम मंदिर के निर्माण से सहमत नहीं है। राज्य की भाजपा ईकाई ने आरोप लगाया कि, राम मंदिर उद्घाटन की "लाइव स्क्रीनिंग" दिखाने के लिए जो, "एल.ई.डी. स्क्रीन" लगायी गई थीं उन्हें गिरा दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार के मौखिक आदेश, जिसमें राज्य के सभी मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के प्रसारण को "बैन" करने को कहा गया था, के खिलाफ दायर एक याचिका के संदर्भ में तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन, शिव सेना (यू.बी.टी.) अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नासिक के गोदावरी तट पर स्थित कालाराम मंदिर में "महाआरती" की। संयोगवश, प्रधानमंत्री मोदी ने भी 12 जनवरी को इस मंदिर में, जिसका रामायण में उल्लेख है, दर्शन किए थे।

'मौन सत्याग्रह'

जयपुर 22 जनवरी । कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को असम की भाजपा सरकार द्वारा रोकने व यात्रा पर हमला करने के विरोध में समस्त जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा 23 जनवरी को सभी जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रिपता महात्मा गाँधी की प्रतिमा के समक्ष "मौन सत्याग्रह" किया जाएगा।

■ राहुल गांधी की यात्रा में आसाम में भाजपा द्वारा पैदा किए गए व्यवधानों के विरोध में राजस्थान कांग्रेस मुख्यालयों में तीन घंटों का मौन सत्याग्रह करेगी।

यह जानकारी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा जयपुर में गाँधी सर्किल व जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर आयोजित होने वाले मौन सत्याग्रह में शामिल होंगे।

दुबई के बुर्ज खलीफा पर भगवान राम की "डिजिटली प्रौजैक्टेड" तस्वीर, इंटरनेट पर वायरल हो रही है।

हिमाचल में 25 से 28 के बीच बर्फ गिरने की संभावना

शिमला, 22 जनवरी। हिमाचल प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय भागों में अगले पांच दिनों तक बारिश-बर्फबारी के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ 25 और दूसरा 27 जनवरी से सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य के मध्य व उच्च पर्वतीय जिलों किन्नौर, लाहौल-स्पीति, शिमला, सोलन, सिरमौर, मंडी, कुल्लू और चंबा के कुछ क्षेत्रों में में 25 से 28 जनवरी तक बारिश-बर्फबारी का पूर्वानुमान है। हालांकि, मैदानी भागों में 27 तक

■ घना कोहरा होने के कारण सुबह के समय "येलो अलर्ट"।

मौसम साफ रहने के आसार हैं। राज्य में 28 को एक-दो स्थानों पर बारिश हो सकती है। वहीं, सोमवार को राजधानी शिमला में धूप खिलने के साथ हल्के बादल भी छाए रहे। उधर, मैदानी जिलों मंडी, बिलासपुर, ऊना, कांगड़ा (नूरपुर), सिरमौर (पांवटा साहिब और धौलाकुआं) और सोलन (बद्दी) और नालागढ़) में अगले दो दिनों के दौरान सुबह के समय अलग-अलग हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने का 'येलो अलर्ट' जारी हुआ है। सुबह के समय सावधानी से यात्रा करने की सलाह दी गई है। सोमवार सुबह भी कई मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छाया रहा।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खाटू श्याम जी मंदिर में पूजा अर्चना की।

भरतपुर-धौलपुर जाट समाज का आंदोलन अभी जारी रहेगा

■ जाट आरक्षण संघर्ष समिति की, मंत्री समूह के साथ पहले दौर की वार्ता सकारात्मक रही, लेकिन नोटिफिकेशन को लेकर बात अटक गई।

■ आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ वार्ता होगी

जयपुर, 22 जनवरी । केंद्र में ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर भरतपुर- धौलपुर जाट समाज का आंदोलन अभी जारी रहेगा। आरक्षण संघर्ष समिति की सोमवार को मंत्री समूह के साथ पहले दौर की वार्ता सकारात्मक रही, लेकिन अधिसूचना को लेकर बात अटक गई। ग्यारह सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल के साथ करीब एक घंटे की वार्ता के बाद तय हुआ कि संघर्ष समिति की मंगलवार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ वार्ता होगी। हालांकि, समिति ने साफ कर दिया कि जब तक आरक्षण को लेकर नोटिफिकेशन जारी नही हो जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलन संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने बताया कि पहले दौर को वार्ता मंत्री कन्हैया लाल चौधरी और विधायक शैलेन्द्र सिंह के साथ हुई। वार्ता के लिए आरक्षण संघर्ष समिति का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचा। पहले दौर की वार्ता सकारात्मक रही है, सरकार दो जिलों के जाट समाज को आरक्षण देने के पक्ष में है लेकिन इसका फैसला केन्द्र सरकार के स्तर पर ही हो सकता है।

हमें पूरी उम्मीद है कि डबल इंजन की सरकार समाज की मांग को प्रतिनिधि मंडल में नेम सिंह फौजदार, एडवोकेट दिलीप सिंह, कैप्टन जय सिंह, भोजेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सुनील सरपंच, ईश्वर सिंह, करतार सरपंच, महाराज सिंह सहित 11 सदस्य मौजूद थे।

गौरतलब हैं कि केंद्र में ओबीसी आरक्षण मांग सहिय तीन मांगों को लेकर भरतपुर और धौलपुर जिले के जाट समाज के लोग 17 जनवरी से जयचोली गांव में महापड़ाव डाले हुए हैं।

'राम मंदिर भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षण करने के बाद तथा इस केस से जुड़े सभी पक्षकारों के तर्कों को भी सुनने के बाद सुनाया था।

भागवत ने कहा कि, धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो, भगवान राम देश में बहुसंख्यक समाज के सबसे ज्यादा पूजे जाने वाले देव हैं और अभी भी संपूर्ण समाज उन्हें आचरण आदर्श का प्रतीक मानता है। उन्होंने यह भी कहा कि, "इसलिए, अब मंदिर विवाद के पक्ष व विपक्ष में जो संघर्ष चल रहा था उसका भी अंत हो जाना चाहिए। इस दौरान जो कड़वाहट का वातारवण बना वह भी अब समाप्त होना चाहिए। समाज के प्रबुद्ध लोगों को यह मान लेना चाहिए कि, यह विवाद अब पूर्णरूप से खत्म हो गया है।"

भागवत ने अयोध्या के बारे में कहा, "अयोध्या का मतलब एक ऐसा शहर जहां कोई युद्ध नहीं, एक झगड़ा मुक्त स्थान। इस अवसर पर, संपूर्ण देश में अयोध्या का पुर्ननिर्माण समय की जरूरत है और यही हम सबका कर्तव्य भी है।"

आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा कि, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का अवसर, "राष्ट्र के गौरव की जागृति का प्रतीक है।"

उन्होंने यह भी कहा कि, आधुनिक भारतीय समाज ने श्री राम के चरित्र व उनके जीवन के प्रति दृष्टिकोण को सहज स्वीकार किया है। भागवत ने कहा कि, "मंदिर के पुर्ननिर्माण के साथ ही 22 जनवरी के भक्तिमय समारोह में हम सभी ने भारत के पुर्ननिर्माण का प्रण लिया है और इसके जरिए हम पूरी दुनिया के पुर्ननिर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे।"

उन्होंने आगे कहा कि, "इस मार्गदर्शक प्रकाश को ध्यान में रखते हुए, आगे बढ़ना ही समय की जरूरत है।"

आर.एस.एस. प्रमुख ने कहा कि, भारत के समाज की आस्था, प्रतिबद्धता और नैतिकता में कभी कमी नहीं आयी।

भागवत ने इतिहास के पृष्ठ पलटते हुए कहा कि, वर्ष 1857 में जब ब्रिटिश शासन के खिलाफ युद्ध की योजनाएं बनायीं जाने लगीं तब हिन्दू और मुस्लिम दोनों ने ही उनके खिलाफ लड़ने की तत्परता जाहिर की थी। तब दोनों समुदायों के बीच विचारों का परस्पर आदान-प्रदान था।

उन्होंने कहा कि, उस वक्त एक ऐसी स्थिति भी बनी थी, जब यह माना गया था कि, "गौ हत्या पर प्रतिबंध लगेगा और श्रीराम जन्मभूमि को मुक्त किया जाएगा। बहादुर शाह ज़फर ने भी गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाये जाने की गारंटी दी थी।" उन्होंने आगे कहा कि, "परिणामस्वरुप, पूरा समाज एक साथ मिलकर लड़ा। भारतीय लोगों ने युद्ध में वीरता का परिचय दिया, लेकिन दुर्भाग्य से स्वतंत्रता का यह संघर्ष विफल हो गया।

तब भारत को स्वतंत्रता नहीं मिली, ब्रिटिश शासन निर्बाध रूप से जारी रहा, लेकिन राम मंदिर के लिए संघर्ष समाप्त नहीं हुआ।"

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खाटू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कलैक्टर कमर उल जमान चौधरी व एसपी अनिल पारिख देशमुख ने अगवानी की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुजानगढ़ में सालासर बालाजी के दर्शन किए। पत्नी व पुत्र के साथ आए सीएम शर्मा को पुजारी परिवार के सदस्यों ने विधिवत मंत्रोचारण के साथ पूजा-अर्चना कराई।

मंदिर में उन्होंने देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की। मंदिर पहुंचने पर सीएम शर्मा का हनुमान सेवा समिति संरक्षक महावीर प्रसाद पुजारी, अध्यक्ष यशोदानंदन पुजारी, मांगीलाल पुजारी, कमल पुजारी, कांग्रेस कमेटी पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल पुजारी, नितीन पुजारी, रविशंकर पुजारी सहित पुजारी परिवार के सदस्यों ने स्वागत किया।

इसके बाद सीएम का मंदिर के अंदर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड, राजकुमार रिणवा, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, पूर्व विधायक खेमाराम मेघवाल, बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच ने स्वागत किया। तेलंगाना के संगठन मंत्री चंद्रशेखर भी मुख्यमंत्री के साथ रहे। मुख्यमंत्री ने 51 फीट की ध्वजा बालाजी के चढ़ाई। यह ध्वजा अब बालाजी मंदिर के शिखर पर लहरायेगी।

हैलीपेड पर हुआ स्वागत :- हैलीपेड पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, संतोष मेघवाल के नेतृत्व में स्वागत हुआ। हैलीपेड पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, संतोष मेघवाल के साथ कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। हैलीपेड पर चूरू विधायक हरलाल सहारण के साथ उनके कार्यकर्ताओं के अंदर चले जाने के बाद सुजानगढ़ के कार्यकर्ताओं को अंदर नहीं जाने दिया गया, जिसे लेकर हंगामा हुआ। बताया गया कि सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया।

असम की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कल एक रोड शो के दौरान नगाँव के एक ढाबे पर राहुल गांधी को लोगों की एक आक्रोशित भीड़ से दो-चार होना पड़ा था। इन लोगों ने राहुल गाँधी के खिलाफ पोस्टर उठा रखे थे जिन पर समागुरी के कांग्रेस विधायक रकीबुल हुसैन का उल्लेख करते हुए संदेश लिखे थे, "अन्याय यात्रा" और "रकीबुल वापस जाओ।"

राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यात्रा ने जब से भाजपा शासित असम में प्रवेश किया है, तभी से वह कई समस्याओं का सामना करती रही है। असम में कांग्रेस के पूर्व नेता ही अब मुख्यमंत्री हैं और वे इस यात्रा को विफल करने के लिए हरसंभव चालें चल रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अयोग्यता मामले पर शिंदे गुट को नोटिस दिये

■ उद्धव ठाकरे गुट ने विधानसभा अध्यक्ष से अयोग्यता मामले के फैसले के खिलाफ यह याचिका सर्वोच्च न्यायालय में दायर की थी।

■ मुख्यमंत्री शिंदे व अन्य विधायकों को दो सप्ताह में जवाब देने को कहा है।

नयी दिल्ली, 22 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने अयोग्यता याचिकाओं को खारिज करने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के 10 जनवरी के फैसले को चुनौती देने वाली पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) समूह की याचिका पर सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक विधायकों को नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मुख्यमंत्री शिंदे एवं अन्य विधायकों को दो सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने यूबीटी समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि, संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत इसी तरह के एक मामले में उच्च न्यायालय विचार कर ही है और साथ ही पूछा कि, ऐसे में क्या इस अदालत को इस मामले पर विचार करना चाहिए।

इस पर सिब्बल ने कहा कि, मामला इस अदालत के आदेश की व्याख्या से जुड़ा है।इसके बाद पीठ ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई दो सप्ताह के बाद करेगी।

शीर्ष अदालत में यूबीटी समूह के सुनील प्रभु की ओर से दायर याचिका में दलील दी गई है कि विधानसभा अध्यक्ष के आदेश गैरकानूनी और विकृत थे। विधानसभा अध्यक्ष ने 10 जनवरी को सभी अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर शिंदे के समूह को असली शिवसेना घोषित कर दिया था। याचिकाकर्ता यूबीटी गुट के प्रभु ने विधानसभा अध्यक्ष के 10 जनवरी के फैसले के खिलाफ 15 जनवरी को शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि, निर्णयों की 'पूर्ण विकृति' इस तथ्य से स्पष्ट है कि, अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेते समय अध्यक्ष ने मुख्य निर्विवाद घटना यानी 30 जून 2022 को शपथ ग्रहण पर भी विचार नहीं किया है, जिसने निर्णायक रूप से स्थापित किया कि उनके सभी कार्य (21 जून 2022) का उद्देश्य महाराष्ट्र में अपने ही राजनीतिक दल के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार को गिराना था।

याचिका में कहा गया,अयोग्यता का इससे स्पष्ट मामला नहीं हो सकता था। शिंदे ने राज्यपाल से मुलाकात की और 30 जून 2022 को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सभी प्रतिवादी विधायकों ने इस निर्णय का समर्थन किया, जो स्वयं स्वेच्छा से हार मानने के समान था। याचिका में कहा गया है कि दसवीं अनुसूची का उद्देश्य उन विधायकों को अयोग्य ठहराना है, जो अपने राजनीतिक दल के खिलाफ काम करते हैं। हालांकि, यदि अधिकांश विधायकों को राजनीतिक दल माना जाता है, तो वास्तविक राजनीतिक दल के सदस्य बहुमत विधायकों की इच्छा के अधीन हो जाते हैं।

'वकीलों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि, "22 जनवरी को वकीलों के कोर्ट में हाजिर ना रहने की वजह से कोई विपरीत आदेश ना जारी किया जाए।

यह बात राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पृष्ठभूमि में कही जा जा रही है।"

"मैं यह पत्र सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारी कमेटी की तरफ से लिखकर माननीय से अनुरोध करता हूँ कि, सुप्रीम कोर्ट की सभी बैंचेज़ को यह सलाह दी जाए कि, अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ध्यान में रखते हुए 22.01.2024 को लिस्टेड केसों में एडवोकेट्स के हाजिर ना होने पर कोई विपरीत आदेश जारी नहीं किया जाए।"

"इसलिए, मैं माननीय से विनम्र अनुरोध करता हूँ कि, सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री को इस संदर्भ में एक सार्वजनिक अधिसूचना जारी करने की सलाह दी जाए।"

'यह भारतीय संस्कृति में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जान पाए। रामलला के इस मंदिर का निर्माण, भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। हम देख रहे हैं, ये निर्माण किसी "आग" को नहीं, बल्कि "ऊर्जा" को जन्म दे रहा है। राम मंदिर समाज के हर वर्ग को एक उज्जवल भविष्य के पथ पर बढ़ ने की प्रेरणा लेकर आया है।

उन्होंने कहा, रामलला की ये प्रतिष्ठा "वसुधैव कुटुंबकम्" के विचार की भी प्रतिष्ठा है। उन्होंने कहा कि आज अयोध्या में, केवल श्रीराम के विग्रह रूप की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है। ये श्रीराम के रूप में साक्षात् भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है।

प्रधानमंत्री ने राम मंदिर विवाद के समाधान में भूमिका के लिए न्यायपालिका का आभार जताया और कहा कि मंदिर का निर्माण न्याय के मार्ग से हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीराम भारत के संविधान के प्रथम पृष्ठ पर उपस्थित हैं लेकिन संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का जिसने न्याय की लाज रख ली । न्याय के पर्याय प्रभु राम का मंदिर भी न्यायबद्ध तरीके से बना। प्राण प्रतिष्ठा समारोह का दुनिया भर में सीधा प्रसारण किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए पिछले 11 दिन से कठिन उपवास, भूमि शयन और तीर्थाटन के बाद प्रात: सरयू स्नान करके आये मोदी ने कहा, आज हमें सदियों के धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। आज से हजार साल भी लोग इस तारीख और इस पल की चर्चा करेंगे।

मोदी ने कहा कि, आज इस ऐतिहासिक समय में देश उन व्यक्तित्वों को भी याद कर रहा है, जिनके कार्यों और समर्पण की वजह से आज हम ये शुभ दिन देख रहे हैं।

"श्रीराम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवहन, उचित भोजन व स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का ख्याल रखेंगे।"

उन्होंने यह भी बताया कि, पार्टी ने इस पवित्र नगरी में लगभग 25,000 आगन्तुक भक्तों के ठहरने हेतु आवास की व्यवस्था की है। भक्तों से अनुरोध किया गया था कि, सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के समय वे अयोध्या में जरुरत से ज्यादा भीड़ नहीं करें।

प्राण प्रतिष्ठा के सीधे प्रसारण पर तमिलनाडू सरकार की रोक पर सर्वोच्च न्यायालय ने आपत्ति जतायी

■ तमिलनाडू सरकार को 29 जनवरी तक पक्ष प्रस्तुत करने को कहा।

नयी दिल्ली, 22 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सीधे प्रसारण और राज्य में पूजा और भजन करने पर तमिलनाडु सरकार की ओर से कथित तौर पर प्रतिबंध लगाने संबंधी मौखिक आदेशों पर सोमवार को आपत्ति जताई।

तमिलनाडु सरकार का पक्ष रख रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने हालांकि अपनी ओर से अदालत के समक्ष कहा कि, ऐसा कोई मौखिक आदेश नहीं दिया गया है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने चेन्नई निवासी विनोज की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि राज्य के अधिकारी इस आधार पर पूजा और अन्य समारोह आयोजित करने के आवेदन को खारिज नहीं कर सकते कि संबंधित क्षेत्रों में अल्पसंख्यक रह रहे हैं। शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह 29 जनवरी तक अपना पक्ष अदालत के समक्ष रखे।

पीठ ने सुनवाई के दौरान तमिलनाडु के अतिरिक्त महाधिवक्ता तिवारी से कहा, "हम स्पष्ट करते हैं... इस कारण (अल्पसंख्यक के कारण) से ऐसा न करें। यह कोई आधार नहीं हो सकता। आप आंकड़े रखते हैं कि कितने आवेदनों को अनुमति दी गई या कितने को अस्वीकृत किया गया। यदि यही कारण है तो आप (सरकार) समस्या में पड़ जाएंगे।"

शीर्ष अदालत के समक्ष तिवारी ने अपनी ओर से कहा कि ऐसा (पूजा और भजन पर प्रतिबंध) कोई मौखिक आदेश जारी नहीं किया गया है। अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा, कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। यह राजनीति से प्रेरित है।

पीठ ने कहा, हम मानते और विश्वास करते हैं कि अधिकारी कानून के अनुसार काम करेंगे न कि किसी मौखिक निर्देश के आधार पर। अधिकारियों को कानून के अनुसार काम करना चाहिए और प्राप्त आवेदनों का रिकॉर्ड भी बनाए रखना चाहिए। उन्हें प्राप्त आवेदनों की जांच करनी चाहिए और स्पष्ट आदेश पारित करना चाहिए।

पीठ ने मौखिक रूप कहा, यह एक समरूप समाज है। केवल इस आधार पर न रोकें (आवेदन को) कि वहां ए या बी समुदाय है। अस्वीकृति के लिए किस प्रकार के कारण दिए जाते हैं? यह कारण कैसे दिया जा सकता है कि हिंदू किसी स्थान पर अल्पसंख्यक हैं, इसलिए आप अनुमति नहीं देंगे। ये कारण अनुचित हैं। अगर इस कारण का पालन करना है तो यह राज्य भर में नहीं हो सकता है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कुछ पुलिस स्टेशनों ने इस तरह का आदेश पारित किया है। उन्होंने कहा कि आसपास रहने वाले ईसाई या अन्य समुदाय कभी समस्या नहीं हो सकते।

इस पर तिवारी ने पूछा कि अगर वे मस्जिद के सामने जुलूस निकालना चाहते हैं तो क्या होगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908